शर्मा हार्ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 317 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 20 जून, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

पिछले चार वर्षों में राज्य का कर संग्रह बढ़ा : अजंता नेउग पेज 2
आईआईटी गुवाहाटी ने विकसित की 20 रुपए में एक हजार लीटर फ्लोराइड... पेज 3
नीट-यूजी पेपर लीक और बिहार कांस्टेबल भर्ती घोटाला मामले में ईडी की... पेज 5
भारतीय फुटबॉल कैलेंडर से गायब हुआ आईएसएल एआईएफएफ ने ... पेज 7

ब्रह्मपुत्र में नाव पलटी, पांच स्कूली बच्चों समेत छह लोग लापता

नलबाड़ी (हि.स. /एजे)। असम के नलबाड़ी जिले में गुरुवार सुबह ब्रह्मपुत्र की एक सहायक नदी में एक नाव के आंशिक रूप से डूब जाने से पांच स्कूली बच्चों समेत छह लोग लापता हो गए। यह दुर्घटना उस समय घटी जब मोटर चालित नाव, जिसमें कथित तौर पर 100 से अधिक यात्री सवार थे, जिनमें से अधिकतर स्कूली बच्चे थे, पेराधारा फेरी घाट से लारकुची जा रही थी। लापता बताए गए तीन लोगों में अब्दुल गफूर (50), कक्षा 3 का छात्र आर्यन अली और कक्षा 9 का छात्र मजीदुल इस्लाम शामिल हैं। नाव यात्रियों को बचाने की कोशिश करते समय गफूर लापता हो गया। नलबाड़ी जिला आयुक्त निबेदन दास पटवारी ने बताया कि राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल के छह गोताखोर खोज और बचाव अभियान में लगे हुए हैं। पटवारी ने बताया कि बच्चे स्कूल जा रहे थे, तभी नाव की छत गिर गई। इससे नाव क्षतिग्रस्त हो गई और यह हादसा हुआ। तीन लोग लापता बताए गए। अन्य लोगों ने तैरकर किनारे आकर अपनी जान बचाई। उन्होंने आगे कहा कि अंतर्देशीय जल परिवहन (आईडब्ल्यूटी) ने पट्टेदार के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। पट्टेदार को यह सुनिश्चित करना चाहिए था कि नाव में समुद्री इंजन लगा हो। आईडब्ल्यूटी ने पहले निर्देश जारी किया था कि सभी मोटर चालित नौकाओं में समुद्री इंजन अवश्य लगा होना चाहिए। नलबाड़ी जिला प्रशासन -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम ने पशुपालन, पर्यटन और शिक्षा विभागों में 481 नियुक्ति पत्र वितरित किए

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में पशुपालन एवं पशु चिकित्सा, पर्यटन और शिक्षा विभागों के 481 नवनियुक्त कर्मियों को नियुक्ति पत्र सौंपे। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि राज्य सरकार 10 अक्तूबर को एक साथ 40 हजार युवाओं को सरकारी नौकरी देने जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार ने एक लाख सरकारी नियुक्तियां देने का वादा पहले ही पूरा कर लिया है और अब यह संख्या 10 अक्तूबर तक 1.60 लाख तक पहुंचाने का लक्ष्य है। उन्होंने इस पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी और योग्यता आधारित बताते हुए कहा कि इससे जनता का भरोसा मजबूत हुआ है और राज्य की शिक्षा व्यवस्था को भी सुदृढ़ किया

गया है। इस अवसर पर जिन पदों के लिए नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए, उनमें पशुपालन विभाग के 443 वेटरिनरी फील्ड असिस्टेंट, पर्यटन विभाग के 12 टूरिज्म डेवलपमेंट ऑफिसर और शिक्षा विभाग में 23 डाइट लेक्चरर तथा 3 एससीईआरटी असिस्टेंट डायरेक्टर (एसिस्टेंट प्रोफेसर रैंक) शामिल हैं। इसके साथ ही मौजूदा सरकार के तहत कुल सरकारी नियुक्तियों की संख्या बढ़कर 1,20,840 हो गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के साथ मिलकर *नॉर्थ ईस्ट डेयरी एंड फूड्स लिमिटेड* की स्थापना कर रही है, जिससे रोजाना 10 लाख लीटर दूध का उत्पादन, प्रसंस्करण और वितरण संभव हो सकेगा। इस दिशा में विभिन्न जिलों धेमाजी, जोरहाट, डिब्रूगढ़, कछार में -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस को पुनर्जीवित करने के लिए गांधी परिवार से संबंध तोड़ना जरूरी : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई पर लगातार राजनीतिक टिप्पणी करते आ रहे हैं। इस

कड़ी में उन्होंने गुरुवार को राहुल गांधी पर करारा हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी जब तक गांधी परिवार से संबंध नहीं तोड़ती, तब तक पार्टी का पुनरुद्धार संभव नहीं है। गुवाहाटी के पांजाबारी स्थित श्रीमंत शंकरदेव कला क्षेत्र में आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचे -शेष पृष्ठ दो पर

असम : मातृ मृत्यु दर में रिकॉर्ड गिरावट मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य सेवकों का जताया आभार

गुवाहाटी (हि.स.)। असम ने मातृत्व मृत्यु दर (एमएमआर) में देश की सबसे तीव्र गिरावट दर्ज की है। 2006 में जहां यह आंकड़ा 480 था। वह घटाकर 2022 में 125 रह गई है। यह राज्य के स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में एक क्रांतिकारी परिवर्तन माना जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने इस उपलब्धि

को एक ऐतिहासिक मील का पत्थर करार दिया। उन्होंने इसका श्रेय राजनीतिक इच्छाशक्ति, सुदृढ़ स्वास्थ्य ढांचे और अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्यकर्मियों के अथक प्रयासों को दिया। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को दिसपुर स्थित लोक सेवा भवन में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए ये बातें कही। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन मातृ और शिशु स्वास्थ्य के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है। एक यात्रा जिसका मैं पहले स्वास्थ्य मंत्री और अब मुख्यमंत्री के रूप में स्वयं हिस्सा रहा हूं। हर एक आंकड़ा एक जान बचने की कहानी कहता है, एक मां जो अपने परिवार में सुरक्षित लौटी और -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

आसू ने केंद्र और राज्य को नए सिरे से एनआरसी पुन: सत्यापन के लिए एससी जाने का आग्रह किया

गुवाहाटी। अखिल असम छात्र संघ (आसू) ने असम और केंद्र सरकार से राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) की पूरी तरह से पुन: जांच की मांग करते हुए सर्वोच्च न्यायालय में एक नई अपील दायर करने का आग्रह किया है। यह अपील बुधवार को गुवाहाटी में असम समझौते के कार्यान्वयन के लिए गठित उप-समिति की छठी बैठक के दौरान की

गई। असम समझौते के कार्यान्वयन मंत्री अतुल बोरा सहित सरकारी अधिकारियों के साथ छात्र संगठन ने ऐतिहासिक समझौते के विभिन्न खंडों के कार्यान्वयन की प्रगति की समीक्षा के लिए बैठक की। आसू अध्यक्ष उत्पल शर्मा ने कहा कि हमने लगातार एनआरसी की पूर्ण पुनर्जांच की मांग की है, न कि केवल -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

अन्न के सिवाय कोई दूसरा धन नहीं है।

- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

सोनिया गांधी को अस्पताल से मिली छुट्टी

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी को चार दिन के बाद आज सर गंगा राम अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। उन्हें पेट से संबंधित बीमारी के कारण 15 जून को भर्ती कराया गया था। डिस्चार्ज होने पर सोनिया गांधी को लेने उनके बेटे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी अस्पताल पहुंचे थे। राहुल गांधी का आज -शेष पृष्ठ दो पर

पार्टी के कुछ लोगों से मतभेद उपचुनाव के बाद होगी बात : थरूर

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस छोड़ने की अटकलों पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने चुप्पी तोड़ी है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि पार्टी नेतृत्व में कुछ लोगों के साथ मेरे मतभेद हैं, लेकिन नीलांबुर उपचुनाव के चलते इस बारे में बात नहीं कर रहा हूं। चुनाव के बाद इस पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, इसके मूल्य और इसके कार्यकर्ता मेरे बहुत प्रिय हैं। मैंने 16 साल तक पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर काम किया है और वे उन्हें करीबी मित्र और भाई मानते हैं। पिछले कई दिनों से कांग्रेस सांसद शशि थरूर के कांग्रेस -शेष पृष्ठ दो पर

ओएनजीसी के पूर्व डीजीएम के खिलाफ मामला दर्ज

जोरहाट। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने फर्जी मेडिकल बिल जारी करने से संबंधित 45 लाख रुपए की धोखाधड़ी के एक मामले में असम के जोरहाट स्थित ओएनजीसी के पूर्व उप महाप्रबंधक (डीजीएम) और नौ अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि ओएनजीसी की शिकायत के आधार पर दर्ज प्राथमिकी में आरोपी पूर्व डीजीएम बिजॉय कुमार शॉ और -शेष पृष्ठ दो पर

ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल हमले में सोरोका अस्पताल इजराइल की बमबारी में अराक जल रिएक्टर को क्षति

तेल अवीव /तेहरान (हि.स.)। ईरान और इजराइल के बीच छिड़े सैन्य संघर्ष के सातवें दिन दोनों की सरजमीं पर भारी तबाही हुई है। इजराइल का कहना है कि ईरान ने आज उसके आबादी वाले क्षेत्रों और अस्पतालों पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। ईरान ने कहा कि इजराइल ने सुबह उसके अराक भारी जल रिएक्टर पर बमबारी की है। अमेरिका के सीएनएन चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, इजराइली सैन्य अधिकारी ने कहा कि ईरान ने आज दर्जनों बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। इनमें से कई मिसाइलें नागरिक इलाकों पर गिरीं। इससे दक्षिणी इजरायल के प्रमुख सोरोका अस्पताल सहित कई आबादी वाले इलाकों पर भारी क्षति हुई है। अधिकारी ने बताया कि इजराइल डिफेंस फोर्सेज होमफ्रंट कमांड सर्च एंड रेस्क्यू टीमों को प्रभावित जगहों पर भेजा गया है। इस अधिकारी ने कहा कि दक्षिणी इजराइली शहर बेयर-शेवा में एक और प्रमुख अस्पताल ईरानी हमलों में क्षतिग्रस्त हो गया। सोरोका मेडिकल सेंटर की प्रवक्ता ने कहा कि नुकसान का -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

पिछले चार वर्षों में राज्य का कर संग्रह बढ़ा : अजंता नेउग

जोरहाट। वित्त मंत्री अजंता नेउग ने हाल ही में कहा कि पिछले चार वर्षों में राज्य में कर संग्रह की मात्रा में वृद्धि हुई है। यह बयान जोरहाट में जोरहाट ट्रेजरी अधिकारी के कार्यालय के नए भवन के उद्घाटन के दौरान आया। नेउग ने कहा कि सरकार अपने स्वयं के कोष से सरकारी कर्मचारियों को वेतन देने में सक्षम है। नेउग, जो जोरहाट जिले के संरक्षक मंत्री भी हैं, ने कहा कि राज्य में कर संग्रह प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न उपाय किए जा रहे हैं। इस अवसर पर बोलते हुए नेउग ने कहा कि ट्रेजरी अधिकारी का कार्यालय जिस भवन में स्थित था, वह काफी पुराना हो चुका है तथा वित्तीय मामलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले ऐसे महत्वपूर्ण कार्यालय के लिए नया भवन आवश्यक था, क्योंकि सभी बिल

इसी कार्यालय के माध्यम से पारित किए जाते हैं तथा सभी सरकारी धनराशियां इसी के माध्यम से जारी की जाती हैं। मंत्री ने कहा कि राज्य भर में 83 कोषागार हैं और कोषागार सरकार का एक महत्वपूर्ण अंग है, क्योंकि यह कार्यालय (कोषागार अधिकारी का) जमीनी स्तर पर वित्तीय संतुलन बनाए रखता है। उन्होंने कहा कि नया कार्यालय भवन कर्मचारियों और लोगों के लिए सकारात्मक कार्यस्थल वातावरण प्रदान करने में सक्षम होगा, जिसमें कार्यालय आने वाले पेंशनभोगी भी शामिल हैं। कर संग्रह के संबंध में निओग ने कहा कि मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली सरकार की पहल के अनुसार जिला स्तर पर कर संग्रह की प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के प्रयास किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इस संबंध में जिला आयुक्तों को भी शामिल किया गया है तथा वित्तीय नियमों तथा खान एवं खनिज आदि जैसे कई विभागों से संबंधित नियमों में आवश्यक संशोधन किए गए हैं।

अहमदाबाद विमान दुर्घटना

क्रू मेंबर लमनुंथेम सिंगसन का शव लेने परिवार और समुदाय के लोग डिमापुर रवाना

इंफाल (हि.स.)। हाल ही में अहमदाबाद में एयर इंडिया दुर्घटना के शिकार हुई हवाई जहाज की क्रू मेंबर लमनुंथेम सिंगसन के पार्थिव शरीर को लेने के लिए कंगपोकपी से परिवार के सदस्य और समुदाय के प्रतिनिधि गुरुवार की को डिमापुर हवाई अड्डे के लिए रवाना हुए। पहला काफिला, जिसमें सिंगसन स्थित पीड़िता के परिवार, करीबी रिश्तेदार और स्थानीय नागरिक समाज के लोग शामिल थे। लगभग दस वाहनों का दूसरा, बड़ा काफिला सुबह 7:30 बजे कुकी छात्र संगठन सदर हिल्स (केएसओ-एसएच) और सदर हिल्स प्राइवेट स्कूल्स एसोसिएशन (एसएचआईपीएस) के सदस्यों के नेतृत्व में रवाना हुआ। मृतक के शव को लेकर उसके दो सगे बड़े भाई और एक चचेरे भाई आज सुबह लगभग 8:00 बजे अहमदाबाद से लेकर चले हैं। वे दोपहर में डिमापुर हवाई अड्डे पर पहुंचने वाले हैं। डिमापुर एयरपोर्ट पर कुकी यूनियन

डिमापुर के बैनर तले शोकसभा की योजना बनाई गई है। नागा काउंसिल डिमापुर के प्रतिनिधियों और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, डिमापुर के निदेशक के भी इस समारोह में शामिल होने की उम्मीद है। शव लेने के बाद काफिला कांगपोकपी के लिए वापसी की यात्रा करेगा। खराब सड़क की स्थिति और मार्ग के किनारे शुभचिंतकों और समुदाय के सदस्यों द्वारा शोकसभाओं के कारण गंतव्य तक काफिला के पहुंचने में देरी होने की संभावना जताई जा रही है।

खेत्री के हेलागोग में जंगली हाथियों का उपद्रव

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी गुवाहाटी के बाहरी क्षेत्र खेत्री के हेलागोग इलाके में जंगली हाथियों के उत्पात से इलाके के लोग बेहद दहशत में हैं। बीती मध्य रात्रि को एक जंगली हाथी ने लोहित ठाकुरिया नामक व्यक्ति के घर में प्रवेश कर जमकर तोड़फोड़ किया। घर में रखा फर्नीचर, खाने-पीने की वस्तुओं के अलावा अन्य कीमती सामान का नुकसान हुआ है। हाथी के हमले से किसी तरह जान बचा पाने में बच्चे, महिलाएं और परिवार के अन्य सदस्य सफल हुए। उल्लेखनीय है कि लंबे समय से इस क्षेत्र में जंगली हाथी उत्पात मचा रहे हैं और लोगों की नींद हराम कर रहे हैं। प्रभावितों ने वन अधिकारियों से प्रभावित परिवारों को क्षतिपूर्ती देने की मांग की है।

ईरान का परमाणु पाकिस्तान को रखने के लिए देगा अमेरिका

ट्रंप के मुनीर को लंच पर बुलाने के एटमी प्लान का हुआ खुलासा

वाशिंगटन। ईरान और इजरायल के बीच तनाव अपने चरम पर है। इस युद्ध में अमेरिका की एंट्री किसी भी वक्त हो सकती है, जो मीडिल ईस्ट की धधकती आग को और भड़काने का काम करेगी। इजरायल के ताबड़तोड़ हमले से भी ईरान टस से मस होने का नाम नहीं ले रहा और पलटवार जोरदार तरीके से कर रहा है। ट्रंप की धमकी भी खामनेई के हौसले को डिगा नहीं पा रही है। लेकिन इन सब के बीच अमेरिका एकखतरनाकखेल खेलने की कोशिश में लगा है। आपको याद होगा कि अमेरिका और इजरायल की तरफसे बार बार ये कहा जा रहा है कि ईरान के पास परमाणु बम नहीं होने दिया सकता है। वो परमाणु हथियार नहीं बना सकता है। उसके पास परमाणु रिएक्टर्स नहीं होंगे। वहीं दूसरी तरफईरान ये कह रहा है कि हमारा हथियार बनाने का कोई इरादा नहीं है। लेकिन सवाल ये है कि जब ईरान के पास न्यूक्लियर नहीं होगा तो वो न्यूक्लियर कहां लेकर जाया जाएगा। अगर अमेरिका ईरान से न्यूक्लियर को वाइपआउट करने के लिए ऑपरेशन चलाएगा तो फिर वो इसे कहां शिफ्ट करेगा। भारत के लिए ये एक चिंता का विषय हो सकता है। वहीं ईरान का एकपड़ोसी मुल्कजो परमाणु पावर युक्त है। पाकिस्तान की सरकार भले ही आम नागरिकों द्वारा चुनी गई है, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप जब पाकिस्तान के प्रतिनिधि से मिलने का फैसला करते हैं तो वहां के फील्ड मार्शल आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर से मुलाकात करते हैं। अमेरिका और ट्रंप का साफसंकेत है कि वो जानते हैं कि पाकिस्तान में पावर किसके पास है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप पाकिस्तान के आर्मी चीफके साथ लंच करते हैं। पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने न केवल पाकिस्तानी आर्मी चीफ की तारीफकी बल्किये तककह दिया कि उनसे मिलकर मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह पहली बार था जब कोई अमेरिकी राष्ट्रपति पाकिस्तान के सेना प्रमुख से लंच मीटिंग कर रहा था। मुनीर को देश की राष्ट्रीय सुरक्षा नीतियों पर व्यापकरूप से प्रभाव रखने वाला माना जाता है। अमेरिका संग पाकिस्तान के आर्मी चीफकी गलबहियां इस बात की ओर इशारा करती है कि उसने शायद अपनी नीतियों से समझौता कर लिया है और ईरान के साथ दगा कर दिया है। इसके साथ ही इजरायल को मान्यता नहीं देने की नीति में भी बदलाव के संकेत दे दिए हैं। लोन और फाइटर जेट्स के लिए ईरान की दोस्ती को पाकिस्तान ने कुर्बान कर दिया है।

आने वाले समय में अंग्रेजी बोलने में शर्म आएगी : शाह

नई दिल्ली। भाषा विवाद के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक और मोर्चा खोलते हुए कहा कि देश में अंग्रेजी बोलने वालों को जल्द ही शर्म आएगी। एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में बोलते हुए गृह मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि देशी भाषाएं भारत की पहचान के लिए केंद्रीय हैं और उन्हें विदेशी भाषाओं पर वरीयता मिलनी चाहिए। शाह ने कहा कि इस देश में अंग्रेजी बोलने वालों को जल्द ही शर्म आने लगेगी - ऐसे समाज का निर्माण अब दूर नहीं है। मेरा मानना है कि हमारे देश की भाषाएं हमारी संस्कृति के रत्न हैं। अपनी भाषाओं के बिना हम सच्चे भारतीय नहीं रह सकते। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने *मैं बूंद स्वयं, खुद सागर हूं* पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जब देश का कालखंड घनघोर अंधेरी रात्रि जैसा था।

युद्धग्रस्त ईरान से निकाले गए 110 भारतीय छात्र नई दिल्ली पहुंचे

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत के *ऑपरेशन सिंधु* के तहत युद्धग्रस्त ईरान से निकाले गए 110 भारतीय छात्र सकुशल स्वदेश पहुंच गए। इन्हें ईरान से पहले अर्मेनिया पहुंचाया गया। वहां से हवाई जहाज से नई दिल्ली लाया गया। इनकी पहली उड़ान आज तड़के राष्ट्रीय राजधानी पहुंची। इनको ईरान स्थित भारतीय दूतावास ने अर्मेनिया पहुंचाने में मदद की। अपने बच्चों को ठीक-ठाकदेखकर घरवाले खुशी से झूम उठे। इनमें से ज्यादातर छात्र जम्मू-कश्मीर के हैं। ईरान से अपनी सरजमीं पर पहुंचे छात्र यासिर गफ्फार ने कहा कि वह अपने देश में आकर बहुत खुश है। ईरान के हालात बिलकुल भी ठीक नहीं हैं। छात्रा गजल ने इसके लिए भारतीय दूतावास का आभार व्यक्त किया है। मरियम रोज ने कहा कि भारतीय दूतावास ने बहुत मदद की। किसी तरह की परेशानी नहीं होने दी। तीन दिन का सफर पूरा कर स्वदेश पहुंचे हैं। जम्मू-कश्मीर छात्र संघ ने निकासी अभियान शुरूकरने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विदेशमंत्री एस जयशंकर का आभार जताया है। छात्रसंघ ने कहा है कि उम्मीद है कि बाकी छात्रों को भी जल्द वहां से निकाल लिया जाएगा। ईरान में एमबीबीएस के छात्र 21 वर्षीय माज हैदर के पिता हैदर अली ने इसके लिए भारत सरकार खास तौर पर प्रधानमंत्री मोदी की भूरि-भूरि प्रशंसा की है। सनद रहे कि ईरान में लगभग 10,000 भारतीय नागरिक हैं। इनमें से करीब 1,500 से 2,000 छात्र हैं। करीब 6,000 लोग लंबे समय से वहां रहकर काम कर रहे हैं। इससे पहले कल ईरान में भारतीय दूतावास ने एक्स पर संदेश दिया था कि सभी भारतीय नागरिकजो तेहरान में हैं और दूतावास के संपर्क में नहीं हैं, उनसे अनुरोध है कि वे तुरंत तेहरान में भारतीय दूतावास से संपर्क करें और अपना स्थान और संपर्क नंबर प्रदान करें। कृपया संपर्क करें- +989010144557; +989128109115; +989128109109।

नदी से युवक शव बरामद

नगांव (हिंस)। नगांव जिले के कठियातोली से लापता युवक का शव नैनो नदी से आज बरामद किया गया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि बीते 11 जून को पल्सर बाइक समेत कठियातोली के अब्दुल हुसैन लापता हो गए थे। बीते आठ दिनों से उसका कुछ पता नहीं चल पा रहा था। स्थानीय लोगों की सूचना पाकर मौके पर पहुंची एसडीआरएफ की मदद से शव नैनो नदी से बरामद किया गया है। पुलिस मृत युवक के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। युवक की मौत कैसे हुई इसकी जानकारी नहीं लग पाई है। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही युवक की मौत वजह का पता चल पाएगा। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

बांग्लादेश में आम चुनाव की प्रचार से पोस्टर होंगे गायब

बांग्लादेश (हि.स.)। बांग्लादेश के आम चुनाव के इतिहास में पहली बार प्रचार सामग्री से पोस्टर गायब होंगे। चुनाव आयोग ने आज अगले राष्ट्रीय चुनाव में प्रचार अभियान को अधिक पर्यावरण-अनुकूल और अनुशासित बनाने के प्रयासों के तहत पोस्टरों के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया है। चुनाव आयुक्त अबुल फजल मोहम्मद सनाउल्लाह ने ढाका स्थित अपने मुख्यालय में आज अपराह्न करीब तीन बजे हुई आयोग की सातवीं बैठकके बाद यह घोषणा की। दे डेली स्टार अखबार की वेबसाइट के अनुसार, चुनाव आयुक्त सनाउल्लाह ने बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पहले बिलबोर्ड का इस्तेमाल नहीं होता था, लेकिन अब उन्हें शुरूकिया जा रहा है। पोस्टर के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव सुधार आयोग की ओर से आया था और हम इससे सहमत हैं। पोस्टर के इस्तेमाल को खत्म करने पर आम सहमति है। उन्होंने कहा कि बैनर और तोरण को फिर से परिभाषित किया गया है। इस बार चुनाव प्रचार में पर्यावरण अनुकूल सामग्रियों के उपयोग पर जोर दिया गया है। इसके अलावा मतदाता पर्चियों को शुरू करने का निर्णय लिया गया है। टी-शर्ट और जैकेट जैसी वस्तुओं के संबंध में जिन पर पहले प्रतिबंध था, अब अधिकसहज दृष्टिकोण अपनाया गया है। चुनाव आयुक्त ने कहा कि आज की आयोग की बैठकमें दो एजेंडा आइटम शामिल थे- राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के लिए 2025 की आचार संहिता को अंतिम रूप देना और संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन पर चर्चा। उन्होंने कहा कि आज हम पहला एजेंडा पूरा करने में सफल रहे। समय की कमी और कुछ आंकड़ों की अनुपलब्धता के कारण संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन पर चर्चा आज नहीं हो सकी। अब आरपीओ की धारा 91(जीएचए) के तहत एक प्रावधान को शामिल करना है, जो गंभीर अपराधों के मामलों में उम्मीदवारी को रद्द करने की अनुमति देता है। सनाउल्लाह ने कहा कि सलाहकार परिषद के सदस्यों को अब अति महत्वपूर्ण व्यक्तियों (वीआईपी) की श्रेणी में शामिल किया गया है, जिन्हें सरकारी विशेषाधिकार प्राप्त हैं। सर्किट हाउस, डाक बंगले और विश्राम गृह जैसी सरकारी सुविधाओं के इस्तेमाल पर भी प्रतिबंध लगाए गए हैं।

No.SCDB/15th FC-504/Pt-I/2020-21/513 *Dated: 4/06/2025*

SHORT NOTICE INVITING TENDER

Sealed tender affixing a non refundable court fee stamp of Rs, 8.25 (Rupees eight & paise twenty five) only with a validity period of 180 days, which will subsequently to be converted and drawn up in the printed F-2 form are invited from the registered contractors of Class -I(ABC), Class- II and III category of Assam PWD (Roads & Building),according to their eligibility for submitting tenders for the works under 15th FC for the year 2023-24 during 2025-26 as stated below. The tenders will be received by the undersigned up to 1.30 PM on 25/06/2025 and will be opened on the same date a place at 2.PM.

SL No.	Name of works	Estimate Amount	Tender Value	Time of completion
1	Const. of road with S/G at Bhutiapara village.	Rs.12,00,000/-	Rs.12,00,000/-	3 month
2	Const. of Open Cultural Stage at Anthaibari Maya Club field.	Rs.19,00,000/-	Rs.19,00,000/-	3 month
3	Const. of RCC Culvert near Shahted Ali house.	Rs.17,00,000/-	Rs. 17,00,000/-	3 month

Details NIT may be seen in all working days during office hours in the office of the undersigned. Tender papers will be issued to the contractors or their authorized representatives from 4/06/2025 to 25/06/2025 in the office of the undersigned on payment of .03% cost of tender paper in the form of demand draft from any Nationalized Bank duly pledged in favour of the Principal Secretary, BTC, Kokrajhar, Payable at Kokrajhar.

IPR(BTC)/C/2025-26/950

Sd/-Block Dev. Officer
Sidli-Chirang Dev. Block, Sidli

पृष्ठ एक का शेष

ब्रह्मपुत्र में नाव ...

के अधिकारी मौके पर खोज और बचाव अभियान की निगरानी कर रहे हैं। घटना के बारे में पड़ोसी बरपेटा जिले के अधिकारियों को भी सूचित कर दिया गया है। उधर घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की टीम पहुंचकर राहत एवं बचाव अभियान चलाया। देर शाम तक बचाव अभियान को कोई सफलता नहीं मिली। एनडीआरएफ के अनुसार शुक्रवार की सुबह फिर से नए सिरे से बचाव अभियान चलाया जाएगा। वहीं जिला प्रशासन के अनुसार नाव पलटने की घटना उस वक्त हुई जब नलबाड़ी जिलांतर्गत बरखेत्री सर्कल में ब्रह्मपुत्र नदी में एक यंत्र चालित नाव नादिया चर (नदी का छाड़न वाला क्षेत्र) से लारकुची पाराधरा पारघाट आ रही थी। इसी दौरान नाव दुर्घटना का शिकार हो गई। दुर्घटना के बाद एक वयस्क व्यक्ति और पांच स्कूली छात्र-छात्राएं लापता हैं, जिनकी तलाश के लिए देर शाम तक तलाशी अभियान चलाया गया।

सीएम ने पशुपालन, पर्यटन...

1 लाख लीटर क्षमता वाले दूध प्रसंस्करण केंद्र, बजाली में 25 हजार लीटर और गुवाहाटी में 3 लाख लीटर क्षमता का संयंत्र पहले से निर्माणाधीन है। रानी (गुवाहाटी) में अमूल की मदद से नया एक लाख लीटर का प्लांट भी स्थापित किया जाएगा। सरकार दूध प्रसंस्करण के लिए लाए गए दूध पर प्रति लीटर पांच रुपये की सब्सिडी देगी। साथ ही लक्ष्मी नस्ल की असमिया गायों को गुजरात की गिर नस्ल से क्रॉसब्रीड कर नया उत्पादक नस्ल तैयार करने की योजना भी जारी है। कृत्रिम गर्भाधान के माध्यम से उत्पादन में सुधार की दिशा में काम हो रहा है। सरकार का लक्ष्य 2030 तक असम में रोजाना 15 लाख लीटर दूध उत्पादन करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की 90 फीसदी अंडों की जरूरत आज बाहर से पूरी होती है। यदि 1,000 उद्यमी आगे आएं, तो तीन साल में प्रतिदिन एक करोड़ अंडों का उत्पादन संभव है। पूर्वोत्तर भारत देश का सबसे बड़ा पोर्क मार्केट होते हुए भी यहां उत्पादन पर्याप्त नहीं है। राज्य सरकार उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। साथ ही सरकार गोबर से बायोगैस और बायो-सीएनजी उत्पादन को प्रोत्साहित कर रही है, जिससे किसानों को अतिरिक्त आय मिलेगी। डॉ. शर्मा ने कहा कि काजीरंगा ने अब देश में सबसे अधिक पर्यटक आकर्षित करने वाले राष्ट्रीय उद्यानों में तीसरा स्थान प्राप्त कर लिया है। डिमा हसाउ को भी एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए सरकार ने क्षेत्र में सड़क और अन्य अवसंरचना विकास हेतु 4 हजार करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की है, जिसका उद्देश्य अगले पांच वर्षों में डिमा हसाउ का कायाकल्प करना है। उन्होंने नव-नियुक्त पर्यटन अधिकारियों से आह्वान किया कि वे राज्य के पर्यटन क्षेत्र को सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा विभाग में योग्य और प्रशिक्षित शिक्षकों की नियुक्ति से शैक्षणिक माहौल में सुधार लाया जा रहा है। सरकार ने हमेशा युवाओं के सामूहिक हितों की रक्षा की है और बीते साढ़े चार वर्षों से इसे अपने कार्यों से प्रमाणित भी किया है। इस अवसर पर पर्यटन मंत्री रंजीत कुमार दास, शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगू, पशुपालन मंत्री कृष्णेंदु पॉल, पशुपालन निगम के अध्यक्ष मनोज सैकिया, मुख्य सचिव डॉ. रवि कोटा, पर्यटन विभाग के आयुक्त एवं सचिव दिगंत बोरा, पशुपालन विभाग के सचिव एमएस मणिवन्नन, शिक्षा विभाग के सचिव शाहनवाज चौधरी समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

कांग्रेस को पुनर्जीवित ...

डॉ. शर्मा ने कहा कि स्रोत को सही किया जाना चाहिए। जिस दिन कांग्रेस गांधी परिवार को हटा देगी, शायद उस दिन पार्टी में कुछ समझदारी आ जाएगी। पत्रकारों के एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री मे कहा कि हमसे केवल उतना ही पूछें, जितना हम बता सकते हैं। भाजपा कांग्रेस के बारे में क्या जवाब दे सकती है? कांग्रेस से संबंधित सवाल कांग्रेस से पूछें। डॉ. शर्मा ने कांग्रेस पार्टी में सुधार के बार-बार प्रयासों की आलोचना करते हुए कहा कि जितेंद्र सिंह, भूपेन बोरा और रिपुन बोरा जैसे नेताओं ने इसे बदलने की कोशिश की है, लेकिन वास्तविक बदलाव अभी भी मायावी है। उन्होंने कहा कि जब तकसमस्या के स्रोत यानि गांधी परिवार को लेकर विचार नहीं किया जाता, तब तकपार्टी लगातार खराब होती रहेगी। वहीं, दूसरी ओर डॉ. शर्मा ने चिकन नेककॉरिडोर, कश्मीर और यहां तककि सिंधु जल संधि सहित कई राष्ट्रीय मुद्दों के लिए गांधी परिवार को दोषी ठहराया, जिसका अर्थ है कि उनके नेतृत्व में दीर्घकालिक नीतिगत विफलताएं निहित हैं। अपनी पूर्व की पार्टी यानि कांग्रेस के खिलाफ अपने मुखर रुख के लिए जाने जाने वाले मुख्यमंत्री ने दोहराया कि कांग्रेस के नेतृत्व में पूर्ण बदलाव के बिना उसका कायाकल्प होने की संभावना नहीं है। उन्होंने कहा कि जब तकमूल मुद्दे को ठीकनहीं किया जाता, पार्टी वैसी की वैसी ही रहेगी।

असम : मातृ मृत्यु दर ...

एकभविष्य जो संवर गया। मुख्यमंत्री ने इस उपलब्धि पर व्यक्तिगत संतोष जताते हुए असम के डॉक्टरों, नर्सों, आशा कार्यकर्ताओं और स्वास्थ्य अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपकी समर्पित सेवा के बिना यह संभव नहीं हो पाता। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि मातृत्व मृत्यु दर किसी राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता का महत्वपूर्ण संकेतकहै। कभी इस मोर्चे पर देश के सबसे पीछे रहने वाले राज्यों में शामिल असम अब निरंतर और सार्थक प्रगति की ओर अग्रसर है। राज्य सरकार संस्थागत प्रसव, गर्भवती महिलाओं को पोषण सहायता, प्रसवपूर्व देखभाल और आपातकालीन प्रसूति सेवाओं की सुविधा, विशेषकर दूरदराज के इलाकों में लक्षित उपायों को लगातार लागू कर रही है। हालिया आंकड़े इन पहलों की सफलता की पुष्टि करते हैं और असम को इस क्षेत्र में मातृ स्वास्थ्य सुधार के मॉडल के रूप में स्थापित करते हैं।

पार्टी के कुछ लोगों ...

छोड़ने की अटकलें हैं। वे अपने कई बयानों में केंद्र सरकार के फैसलों की तारीफकर चुके हैं। कांग्रेस ने भी उनके रवैये पर सवाल उठाए हैं। अब शशि थरूर ने अटकलों को लेकर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व में कुछ लोगों के साथ मेरे मतभेद हैं। आप जानते हैं कि मैं किस बारे में बात कर रहा हूं, क्योंकि उनमें से कुछ मुद्दे सार्वजनिक डोमेन में हैं और मीडिया द्वारा रिपोर्ट किए गए हैं। कांग्रेस सांसद ने संकेत दिया कि उपचुनाव के नतीजों के बाद वह इन मतभेदों के बारे में बात कर सकते हैं। उपचुनाव प्रचार का हिस्सा न बनने पर थरूर ने कहा कि मैं वहां नहीं जाता जहां मुझे आमंत्रित नहीं किया जाता, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि वह चाहते हैं कि पार्टी कार्यकर्ताओं के अभियान के प्रयास सफल हों और नीलांबुर से यूडीएफ उम्मीदवार की जीत हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बातचीत के बारे में थरूर ने कहा कि यह ऑपरेशन सिंदूर के सिलसिले में प्रतिनिधिमंडलों की विभिन्न देशों की यात्रा और वहां हुई चर्चाओं के बारे में थी। वहां किसी घरेलू राजनीति पर चर्चा नहीं हुई। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के केंद्र के निमंत्रण को स्वीकार करने के फैसले पर कांग्रेस सांसद ने कहा कि जब वह संसद की विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष बने थे, तब उन्होंने स्पष्ट कर दिया था कि उनका ध्यान भारत की विदेश नीति और उसके राष्ट्रीय हित पर है, न कि कांग्रेस और भाजपा की विदेश नीति पर। मैंने अपनी बात नहीं बदली है। जब देश से जुड़ा कोई मुद्दा सामने आता है तो हम सभी का कर्तव्य है कि हम देश के लिए काम करें और बोलें। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मैंने जो कहा कि वह मेरी अपनी राय थी। उन्होंने कहा कि केंद्र ने मेरी सेवाएं मांगी थीं। मेरी पार्टी ने नहीं मांगी थी। इसलिए मैंने गर्व के साथ एकभारतीय नागरिकके रूप में अपना कर्तव्य निभाया।

ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल ...

आकलन किया जा रहा है। इस हमले में विभिन्न क्षेत्रों में व्यापकक्षति हुई है। यह अस्पताल इजराइल के प्रमुख चिकित्सा केंद्रों में से एकहै। इमारत का बड़ा हिस्सा मलबे के ढेर में बदल चुका है। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने कहा कि ईरानी मिसाइलों के ताजा हमले के बाद खोज और बचाव दल देश भर में कई स्थानों पर काम कर रहे हैं। इस हमले में तेल अवीव में एक बहुमंजिला इमारत क्षतिग्रस्त हो गई है। इस बीच ईरान ने कहा कि इजराइल ने आज उसके अराकभारी जल रिएक्टर पर बम बरसाए हैं। यह स्थान राजधानी तेहरान से लगभग 155 मील (250 किलोमीटर) दक्षिण-पश्चिम में है। यह एकपरमाणु सुविधा केंद्र है। स्थानीय समयानुसार सुबह 6 बजे के आसपास सुविधा पर दो प्रोजेक्टाइल दागे गए। हालांकि गंभीर नुकसान नहीं हुआ है। इससे पहले इजराइल ने अराक के पास रहने वाले निवासियों को निकासी की चेतावनी जारी की थी। सनद रहे कि अराकभारी जल रिएक्टर अमेरिका और अन्य शक्तियों के साथ 2015 के परमाणु समझौते का केंद्र बिंदु था। इजराइल सात दिन के भीतर ईरान के नतांज और इस्फहान परमाणु सुविधा केंद्र पर हमला कर चुका है।

सोनिया गांधी को ...

जन्मदिन भी है। पार्टी नेताओं और शुभचिंतकों ने सोनिया गांधी के जल्द ठीक होने की कामना की है। डॉक्टरों ने सोनिया गांधी को आराम करने की सलाह दी है। सर गंगा राम अस्पताल के अनुसार, सोनिया गांधी की हालत स्थिर है और उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। उन्हें पेट में संक्रमण के चलते यहां भर्ती कराया गया था। अब उनकी हालत में सुधार हुआ है। 78 वर्षीय सोनिया को गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग में निगरानी में रखा गया था। सोनिया को इस महीने दूसरी बार अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। इससे पहले 7 जून को शिमला के इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में उनका एमआरआई किया गया था।

आसू ने केंद्र और ...

आंशिक पुनर्सत्यापन की। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती जिलों में 20 प्रतिशत और अन्य में 10 प्रतिशत पुन: सत्यापन का सरकार का पिछला प्रस्ताव अपर्याप्त था और हम इसका समर्थन नहीं करते। अंतिम एनआरसी में 19 लाख लोगों को छोड़ दिया गया, जबकि प्रारंभिक आंकड़ा 40 लाख था। इस विसंगति को पूरी तरह से दूर करने की आवश्यकता है। आसू ने जोर देकर कहा कि केंद्र और राज्य दोनों ने प्रकाशित एनआरसी पर असंतोष व्यक्त किया था लेकिन अपने वादों पर अमल करने में विफल रहे। शर्मा ने कहा कि उन्होंने हमसे कहा था कि परिसीमन प्रक्रिया पूरी होने के बाद कार्रवाई की जाएगी, लेकिन कुछ नहीं किया गया। उन्होंने पुष्टि की कि आसू जल्द ही एक नई याचिका दायर करेगा और सरकार से भी ऐसा करने का आग्रह किया। आसू के मुख्य सलाहकार समुज्ज्वल भट्टाचार्य ने कहा कि मुख्यमंत्री के साथ चर्चा शुरू हो गई है और समझौते से संबंधित 67 प्रमुख मुद्दों की पहचान कर ली गई है। उन्होंने कहा कि इनमें से 38 मुद्दों पर राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र में निर्णय लिए गए हैं। राज्य स्तर पर 13 मुद्दे अभी भी अनसुलझे हैं, जबकि 15 मुद्दे केंद्र सरकार के अधीन हैं और इन पर त्रिपक्षीय चर्चा की आवश्यकता है। हमें बताया गया है कि इन केंद्रीय मुद्दों पर बातचीत जुलाई के पहले सप्ताह में शुरू होने की उम्मीद है। चर्चा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा असम समझौते के खंड 6 पर केंद्रित था, जिसका उद्देश्य असमिया लोगों की सांस्कृतिक, सामाजिक और भाषाई पहचान की रक्षा करना और उसे बढ़ावा देना है। उप-समिति वर्तमान में न्यायमूर्ति बिप्लब कुमार शर्मा समिति द्वारा प्रस्तुत 39 सिफारिशों की समीक्षा कर रही है और 8 अगस्त से पहले मुख्यमंत्री को अपनी अंतिम रिपोर्ट सौंपने वाली है। धारा 6 के अतिरिक्त, आसू ने धारा 7 की ओर भी ध्यान आकृष्ट किया, जो असम के आर्थिक विकास से संबंधित है। मंत्री बोरा ने कहा कि आसू नेतृत्व ने कार्यान्वयन प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए कई मूल्यवान सुझाव दिए, जिसमें असम समझौते के खंड 7 पर एक उप-समिति का गठन भी शामिल है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि हमारी सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप, मैंने संबंधित अधिकारियों को सौंपे गए कार्यों का समयबद्ध और प्रभावी निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

ओएनजीसी के पूर्व ...

उनके सहयोगी तत्कालीन संविदा चिकित्सा अधिकारी (व्यावसायिकस्वास्थ्य) ईशित्व तामुली तथा आठ सूचीबद्ध निजी मेडिकल दुकानों के मालिकों के नाम शामिल हैं। उन्होंने बताया कि एजेंसी ने आरोप लगाया है कि समूह ने 2019 और 2022 के बीच मिलीभगत से काम किया और इस दौरान फर्जी चिकित्सा दस्तावेज बनाकर धन की हेराफेरी की गई।

आईआईटी गुवाहाटी ने विकसित की 20 रुपए में एक हजार लीटर फ्लोराइड मुक्त पानी की तकनीक

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी के वैज्ञानिकों ने 20 रुपए में 1000 लीटर फ्लोराइड मुक्त पानी उपलब्ध कराने वाली तकनीक विकसित की है। इस तकनीक में, 1000 लीटर पानी को शुद्ध करने की लागत केवल 20 रुपए है। इस तकनीक को बहुत कम निगरानी की आवश्यकता होती है और इसका अनुमानित जीवनकाल 15 वर्ष है। आईआईटी द्वारा यह तकनीक विशेष रूप से असम के ग्रामीण क्षेत्रों में आर्सेनिक और फ्लोराइड मुक्त पेयजल उपलब्ध कराने के लिए विकसित की गई है। यह तकनीक भारत सरकार को देश के कई अन्य राज्यों में ग्रामीण आबादी को दूषित पानी से बचाने में मदद करेगी। चार-चरणीय उपचार प्रणाली लाखों भारतीयों को प्रभावित करने वाले गंभीर स्वास्थ्य संकट का निदान करती है, विशेष रूप से असम, राजस्थान, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, हरियाणा और गुजरात जैसे राज्यों में, जहां भूजल में अत्यधिक फ्लोराइड के कारण कंकाल फ्लोरोसिस होता है। यह एक दुर्बल करने वाली स्थिति होती है, जो हड्डियों को सख्त और जोड़ों को अकड़ा देती है। केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर मिहिर कुमार पुरकाइत ने शोध दल का नेतृत्व किया, जिसने वास्तविक दुनिया की परिस्थितियों में प्रणाली का परीक्षण करने में 12 सप्ताह का समय लगाया। प्रतिष्ठित एसीएस ईएसएंडटी वाटर जर्नल में प्रकाशित उनके निष्कर्ष, दूषित पानी से 94 प्रतिशत आयरन और 89 प्रतिशत फ्लोराइड को हटाने की तकनीक की क्षमता को प्रदर्शित करता है, जिससे पानी का स्तर भारतीय सुरक्षा मानकों के भीतर आ जाता है। सोधन प्रक्रिया वातन (हवा को किसी तरल या ठोस पदार्थ में मिलाना) से शुरू होती है, जहां एक विशेष रूप से डिजाइन किया गया एरेटर घुले हुए आयरन को हटाने के लिए ऑक्सीजन जोड़ता है। फिर पानी एक इलेक्ट्रोकोएग्यूलेशन यूनिट से होकर गुजरता है, जहां एक हल्का विद्युत प्रवाह एल्युमिनियम इलेक्ट्रोड से होकर बहता है, जो दूषित पदार्थों से बंधे हुए आवेशित धातु कणों को छोड़ता है। प्रोफेसर पुरकाइत ने बताया कि एक ताकतवर धातु एनोड, आमतौर पर एल्युमिनियम या आयरन को घोलने के लिए एक विद्युत क्षमता लागू की जाती है, जिससे घोल में सीधे कोएगुलेंट प्रजातियां उत्पन्न होती हैं। ये कोएगुलेंट निलंबित ठोस पदार्थों को एकत्र करने और घुले हुए दूषित पदार्थों को सोखने या अवक्षेपित करने में मदद करते हैं। तीसरे चरण, फ्लोक्यूलेशन और सेटलमेंट के दौरान, बंधे हुए दूषित पदार्थ बड़े गुच्छे बनाते हैं, जो एक विशेष कक्ष में बस जाते हैं। अंत में, पानी शेष अशुद्धियों को हटाने के लिए कोयला, रेत और पत्थर युक्त एक बहु परत फिल्टर से होकर गुजरता है। सिस्टम की वहनीयता इसकी ऊर्जा-कुशल डिजाइन और न्यूनतम् रखरखाव आवश्यकताओं से उपजी है। अनुमानित 15 साल की जीवन अवधि और हर छह महीने में इलेक्ट्रोड प्रतिस्थापन की आवश्यकता के साथ, इस तकनीक को लगातार परिणाम देते हुए न्यूनतम पर्यवेक्षण की आवश्यकता होती है। राज्य के सार्वजनिक स्वास्थ्य इंजीनियरिंग विभाग और काकती इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से चांगसारी, असम में एक पायलट इंस्टॉलेशन पहले ही पूरा हो चुका है, जो सिस्टम की व्यावहारिक व्यवहार्यता को प्रदर्शित करता है। ऐसे में शोध दल सिस्टम को पूरी तरह से आत्मनिर्भर बनाने के लिए अक्षय ऊर्जा एकीकरण की खोज कर रहा है। प्रोफेसर पुरकाइत ने कहा कि हम यूनिट को संचालित करने और इलेक्ट्रोकोएग्यूलेशन प्रक्रिया के दौरान उत्पन्न हाइड्रोजन गैस का उपयोग करने के लिए सौर या पवन ऊर्जा के उपयोग की भी खोज कर रहे हैं। टीम ने मैनुअल हस्तक्षेप को और कम करने के लिए रीयल-टाइम सेंसर और स्वचालित नियंत्रण सहित स्मार्ट तकनीकों को शामिल करने की योजना बनाई है, जिससे सिस्टम दूरस्थ और कम सेवा वाले समुदायों के लिए आदर्श बन जाएगा। उनका लक्ष्य इस तकनीक को अन्य जल उपचार विधियों के साथ जोड़कर एक व्यापक विकेन्द्रीकृत जल उपचार समाधान बनाना है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख पहुंचे होजाई स्थित गीता आश्रम

होजाई (निसं)। भारी सुरक्षा के बीच अपने तीन दिवसीय संगठनिक कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत आज सायं होजाई स्थित गीता आश्रम पहुंचे। आरएसएस प्रमुख तीन दिवसीय विशेष कार्यक्रम के लिए होजाई में हैं। मिली जानकारी के अनुसार, मोहन भागवत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, असम क्षेत्र के कार्यकर्ता विकास वर्ग-प्रथम (विशेष) में कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत की उपस्थिति को देखते हुए गीता आश्रम की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

विश्व योग दिवस पर असम भाजपा का व्यापक आयोजन

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी, असम प्रदेश की ओर से आगामी 21 जून को *विश्व योग दिवस* के अवसर पर राज्य के 434 संगठनात्मक मंडलों में योग कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा बाक्सा जिले के शालमारी मंडल, प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया गुवाहाटी महानगर जिले के राजधानी मंडल, जबकि भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री जीआर रविंद्र राजू दिसपुर मंडल में योग कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसके अलावा राज्य मंत्रिमंडल के सदस्य, सांसद, विधायक, पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी व नेता भी राज्य के सभी 434 मंडलों में आयोजित योग सत्रों में हिस्सा लेंगे। ज्ञात हो कि 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में सरकार बनने के बाद योग को वैश्विक मान्यता दिलाने के प्रयास शुरू हुए। मोदी के अथक प्रयासों के चलते 11 दिसंबर, 2014 को संयुक्त राष्ट्र ने हर वर्ष 21 जून को *अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस* के रूप में मनाने का निर्णय लिया। तब से हर साल पूरी दुनिया इस दिन को योग दिवस के रूप में मना रही है। योग दिवस को सफल बनाने के लिए भाजपा असम प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने प्रदेश कार्यालय की ओर से एक अपील जारी कर सभी कार्यकर्ताओं और नागरिकों से कार्यक्रमों में भाग लेने का अनुरोध किया।

असम प्रदेश भाजपा ने जारी की नए पदाधिकारियों की सूची

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी, असम प्रदेश के अध्यक्ष एवं सांसद दिलीप सैकिया ने गुरुवार को पार्टी की राज्य समिति के नए पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की। पार्टी के आठों मोर्चों के अध्यक्षों के नामों की घोषणा भी अगले 10 दिनों के भीतर कर दी जाएगी। भाजपा प्रदेश के मुख्य कार्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान असम प्रदेश के 10 उपाध्यक्ष, 4 महासचिव, 10 सचिव, कोषाध्यक्ष और कार्यालय सचिव के साथ-साथ सोशल मीडिया प्रबंधक, आईटी प्रबंधक, मुख्य प्रवक्ता, मीडिया समन्वयक और कार्यालय प्रबंधक के नामों की घोषणा की गई। प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में कुशल और अनुभवी कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत कोकराझाड़ में मादक द्रव्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ जिला समाज कल्याण विभाग कार्यालय द्वारा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, असम के सहयोग से आज यहां साइंस कॉलेज ऑडिटोरियम में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत एक मादक द्रव्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और युवाओं के बीच नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाना तथा एक नशा-मुक्त समाज के निर्माण में सामूहिक भूमिका को प्रोत्साहित करना था। यह कार्यक्रम साइंस कॉलेज, कोकराझाड़ के एंटी-ड्रग क्लब, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) तथा बोड़ोलैंड कम्युनिटी काउंसलिंग सेंटर के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत जिंतु मोनी फुकन, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, कोकराझाड़ द्वारा की गई। उन्होंने इस अभियान के उद्देश्यों को रेखांकित करते हुए समाज में नशीली दवाओं के बढ़ते दुष्प्रभावों को रोकने के लिए सामूहिक प्रयास, जन-जागरूकता, रोकथाम और पुनर्वास की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ. वाशिम अख्तर बारी ने नशे के दुष्प्रभावों पर बोलते हुए इसके शारीरिक और मानसिक परिणामों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने नशा करने के कारणों में साथियों का दबाव, आर्थिक तंगी, नशीले पदार्थों की आसान उपलब्धता, मानसिक तनाव, पारिवारिक कलह और हीनता या असुरक्षा की भावना को प्रमुख बताया। देवजीत महंत, उप पुलिस अधीक्षक, कोकराझाड़, तथा धजेन बसुमतारी, जिला परिवहन अधिकारी, कोकराझाड़ ने अपने प्रेरणादायक संबोधनों में युवाओं और समाज की अहम भूमिका पर जोर दिया, जिससे कोकराझाड़ को एक नशा-मुक्त जिले में बदला जा सके। रंजीत बसुमतारी, अधीक्षक, सल्वेशन फाउंडेशन; देबश्री भार्गव, कार्यपालक दंडाधिकारी, कोकराझाड़, तथा माधव उपाध्याय, डीएलएसए प्रतिनिधि ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि नशीली दवाओं के खिलाफ लड़ाई केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है, खासकर युवाओं की, जिन्हें एक स्वस्थ, जागरूक और नशा-मुक्त समाज का वाहक बनना होगा। इस अवसर पर जिला जन संपर्क अधिकारी, साइंस कॉलेज के उप-प्राचार्य, शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं, अधिकारी एवं अन्य सम्मानित अतिथि उपस्थित रहे।

राजा हत्याकांड में सोनम और राज की पुलिस हिरासत दो दिन बढ़ी

शिलांग (हिंस)। इंदौर के व्यवसायी राजा रघुवंशी की हत्या के मामले में उनकी पत्नी सोनम रघुवंशी और उसके कथित प्रेमी राज कुशवाहा की पुलिस हिरासत को शिलांग के जिला एवं सत्र न्यायालय ने गुरुवार को दो दिन के लिए बढ़ा दिया। इस सनसनीखेज हत्या मामले में मेघालय पुलिस ने गुरुवार को सभी पांच आरोपियों सोनम रघुवंशी, राज कुशवाहा, विशाल चौहान, आकाश राजपूत और आनंद कुर्मी को अदालत में पेश किया। पुलिस ने सोनम और राज की हिरासत बढ़ाने की मांग करते हुए कहा कि जांच के शेष हिस्से पूरे करने के लिए और समय चाहिए। इस पर कोर्ट ने दोनों की पुलिस हिरासत दो दिनों के लिए बढ़ा दी। कोर्ट ने तीन अन्य आरोपियों विशाल चौहान, आकाश राजपूत और आनंद कुर्मी को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

पत्नी की बेवफाई से आहत पति ने की आत्महत्या

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिले के जोकसिमलू इलाके में एक व्यक्ति ने आत्महत्या महज इस लिए कर लिया, क्योंकि उसकी पत्नी का दूसरे के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। पत्नी की बेवफाई से वह बेहद आहत था। गुरुवार को जिले के जोरसिमलू कलातली पथार गांव के कदम अली (38) ने आत्महत्या इसलिए कर लिया क्योंकि उसकी पत्नी का दूसरे के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। मौत से पहले कदम अली द्वारा लिखी गई तीन पन्नों का सुसाइड नोट में बताया है कि वह अपनी पत्नी की वजह से आत्महत्या कर रहा है। मृतक ने अपने सुसाइड नोट में बताया है कि उसकी पत्नी उसे और तीन बच्चों को छोड़कर दूसरे से प्रेम के चक्कर में पड़ी हुई है। पत्नी का दूसरे के साथ प्रेम प्रसंग को लेकर कदम द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटना पूरी इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है।

कलागुरु बिष्णुप्रसाद राभा श्रेष्ठ विद्यार्थी पुरस्कार वितरण समारोह दरंग महाविद्यालय में आयोजित

तेजपुर (हिंस)। दरंग महाविद्यालय छात्र एकता सभा 2024-25, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) शोणितपुर जिला और तेजपुर नगर शाखा के संयुक्त तत्वावधान में कलागुरु बिष्णुप्रसाद राभा की पुण्यतिथि के अवसर पर एक विशेष समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में हाई स्कूल की समापन परीक्षा और उच्चतर माध्यमिक अंतिम परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को *कलागुरु बिष्णुप्रसाद राभा श्रेष्ठ विद्यार्थी* पुरस्कार से सम्मानित किया गया तथा उन्हें हार्दिक बधाई भी दी गई। इस समारोह में शोणितपुर जिले के 784 से अधिक विद्यार्थी उपस्थित रहे। यह पुरस्कार वितरण समारोह दरंग महाविद्यालय के बिपिन पाल दास स्मृति मंच पर आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे तेजपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक पृथ्वीराज राभा। विशिष्ठ वक्ता के रूप में उपस्थित थे दरंग महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पलाश मणि सैकिया और तेजपुर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार हजारिका। कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि के रूप में वरिष्ठ पत्रकार अनुपम चक्रवर्ती और अभाविप शोनितपुर के सह-आह्वायक मानस ज्योति नाथ भी उपस्थित थे। दरंग महाविद्यालय छात्र एकता सभा के महासचिव मृण्मय दास ने कार्यक्रम का संचालन किया।

स्प्रे छिड़ककर चोरों ने की लूटपाट, चार लोग मिले बेहोश

मोरीगांव (हिंस)। मोरीगांव जिले के जाजरी फूकन खाट इलाके में एक घर में चार लोगों को बेहोशी की अवस्था में आज सुबह पाया गया। इस घटना के चलते गांव में दहशत का माहौल व्याप्त है। बताया गया है कि बीती रात के समय चोरों का गिरोह घर के लोगों पर नशीला स्प्रे छिड़कर बेहोश करने के बाद घर में मौजूद कीमती सामान लूटकर फरार हो गए। स्थानीय लोगों ने बताया कि जाजरी फूकन खाट के एक घर से चार लोगों को अचेत अवस्था में गुरुवार की सुबह पाया गया, जिन्हें इलाज के लिए पुलिस की मदद से नगांव रेफर किया गया। बेहोश हुए लोगों की पहचान तोलन दुवारा, चितरंजन दुवारा, बीजू दुवारा और केशव दुवारा के रूप में की गई है। पुलिस ने प्रारंभिक जांच में पाया कि घर से सोने-चांदी के आभूषण की लूट हुई है। पुलिस ने आशंका व्यक्त किया है कि नशीला स्प्रे या खाद्य में नशीला पदार्थ खिलाकर लूटपाट की घटना को अंजाम दिया गया होगा।

राहुल गांधी के जन्मदिन पर राजीव भवन में रक्तदान शिविर आयोजित

गुवाहाटी (हिंस)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के जन्मदिन पर गुरुवार को गुवाहाटी में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया और संचार विभाग की ओर से आयोजित शिविर के दौरान पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर रक्तदान किया। राजीव भवन में कार्यक्रम की शुरुआत विधायक रेकीबुद्दीन अहमद द्वारा रक्तदान कर की गई। मीडिया और संचार विभाग के अध्यक्ष बेदब्रत बोरा ने दूसरे रक्तदाता के रूप में भाग लिया। शिविर में असम महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, सेवा दल, एनएसयूआई, ओबीसी सेल और मीडिया विभाग के सौ से अधिक कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने रक्तदान किया। इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मेहदी आलम बोरा ने कहा कि रक्तदान के माध्यम से समाज सेवा करना कांग्रेस की पुरानी परंपरा है, जिसे पार्टी ने वर्षों से निभाया है। गुवाहाटी शहरिया ब्लड सेंटर के सहयोग से सुबह लगभग 10.45 बजे से आयोजित रक्तदान शिविर में महिला कांग्रेस की अध्यक्ष मीरा बरठाकुर, गुवाहाटी जिला कांग्रेस के नेता रमेन शर्मा, मीडिया विभाग की महासचिव मोनालिसा बरुवा हजारिका सहित अनेक नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भी भाग लिया। शिविर के समापन पर प्रदेश कांग्रेस के मीडिया और संचार विभाग की ओर से ब्लड सेंटर के वरिष्ठ चिकित्सक को सम्मानित किया गया। शिविर में मीडिया विभाग के महासचिव रूपक दास, इफ्तिकार यूनुस, सचिव हैप्पी गोगोई, वरिष्ठ प्रवक्ता गणेश बर्मन, रूपा कलिता, बर्णाली फूकन, साइजुद्दीन अहमद, जेहरुल इस्लाम, पीताम्बर जोशी सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए बेदब्रत बोरा ने सभी को धन्यवाद दिया।

होजाई जिला वरिष्ठ नागरिक सम्मेलन का वार्षिक अधिवेशन संपन्न

होजाई (विभास)। असम वरिष्ठ नागरिक सम्मेलन की सक्रिय शाखा होजाई जिला वरिष्ठ नागरिक सम्मेलन का प्रथम वार्षिक मध्यकालिन अधिवेशन 18 जून 2025 वार बुधवार को जिले के राजागांव स्थित शिंगीमारी नाट्य मंच सभागार में एक दिवसीय विभिन्न कार्यक्रमों के साथ संपन्न हुआ। प्रातः 9 बजे राजागांव के वरिष्ठ नागरिक सम्मेलन के अध्यक्ष वावुल चक्रवती ने सम्मेलन का ध्वज फहराकर अधिदेशन का शुभआरंभ किया। वहीं शिक्षाविद, सुहास चन्द्र दास ने दीप प्रज्जवलित कर स्मृति तपर्ण किया। दिन में 11 वजे प्रतिनिधि सभा आयोजित हुई जिसमे होजाई, लंका लामडिंग, एक, दो, तीन नं. काकी, डबका, शंकरदेवे नगर अंचल से भारी संख्या में प्रतिनिधि उपस्थित हुये। प्रतिनिधि सभा में वीतेवर्ष के कार्यकलापों और संगठनिक कार्यक्रमों पर चची हुयी। तत्पश्चात वरिष्ठजकों के हित में कई प्रस्ताव ग्रहण किए गए। व जिले की सभी शाखाओं हेतु स्थायी कार्यालय के निमार्ण हेतू भूमि की व्यवस्था का प्रस्ताव भी ग्रहण किया गया। दौपहर कृष्ण कुमार शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित सभा में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे होजाई के विधायक रामकृष्ण घोष। विधायक ने अपने संबोधन में वरिष्ठजनों को हार्दिक शुभकामनाये देते हुये कहा कि वरिष्ठ नागरिक सम्मेलन के बैनर तले सभी वरिष्ठजनों के कल्याण का कार्य किया जायेगा। एवं उनकी हर समस्या का समाधान इस संस्था द्वारा संभव हो पायेगा। उन्होने आश्वासन दिया कि वे हमेशा वरिठजनों के कल्याण हेतू उत्त संस्था के साथ खड़े है। सभा में जिला सम्मेलन की तरफ से हो स्थानीय वरिजनों का सम्मान किया गया।

महानिरीक्षक सीमांत मुख्यालय एसएसबी गुवाहाटी का छठी वाहिनी अंतर्गत चौकियों का दौरा

कोकराझाड़ (विभास)। सीमांत मुख्यालय सशस्त्र सीमा बल गुवाहाटी के महानिरीक्षक सुधीर वर्मा ने 18 व 19 जून को सशस्त्र सीमा बल, छठी वाहिनी के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली सीमा चौकियों का भ्रमण कर सीमा की स्थिति का जायजा लिया। साथ ही महोदय ने भारत-भूटान मुख्य प्रवेश/निकास द्वार दादगिरी का भी भ्रमण किया एवं कार्य प्रणाली-गतिविधियों की जानकारी ली एवं सशस्त्र सीमा बल के कार्मिकों व ग्रामीण नागरिकों के मध्य अच्छे संबंध स्थापित करने व सुविधा-असुविधा के बारे में चर्चा की। *मित्र राष्ट्र - भूटान* के श्री दासो पास्संग दोर्जे, महानिदेशक कानून एवं व्यवस्था व कर्नल नामगे रॉयल भूटान पुलिस अधीक्षक, गेलेफू (भूटान) के साथ अनौपचारिक बैठक सुधीर वर्मा महानिरीक्षक महोदय की अध्यक्षता में की गई। इस बैठक में सशस्त्र सीमा बल के अन्य अधिकारी अमित कुमार ठाकुर, उप-महानिरीक्षक क्षेत्रक मुख्यालय बंगाईगांव, श्री रविंद्र कुमार, कमांडेंट छठी वाहिनी, मनोज सोनवाल, द्वितीय-कमान-अधिकारी व अन्य अधिकारी मौजूद रहे। इस बैठक के दौरान दोनों देशों के बीच आपसी सहयोग व समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया गया। सीमा चौकी दादगिरी में महानिरीक्षक महोदय की उपस्थिति में जवानो के मध्य वॉलीबॉल मैच का आयोजन कराया गया तदोपरांत महोदय द्वारा जवानो के साथ सैनिक सम्मलेन लिया गया जिसमे जवानो व उनसे जुड़ी समस्याए पूछी गई एवं इसके पश्चात जवानो व उनके कर्तव्यों के प्रति कुछ दिशा-निर्देश महोदय द्वारा दिया गया एवं राष्ट्रीयगान के साथ सैनिक सम्मलेन का समापन किया गया एवं इस पूरे कार्यक्रम में आम-नागरिक व मित्र-राष्ट्र भूटान के आला अधिकारियों तथा अपने बल कार्मिको पर एक प्रेरणादायक प्रभाव पड़ा है। जिससे की जवानो में अपने कर्तव्य के प्रति संवेदनशीलता व निष्ठा की बाहुल्यता रहेगी जिससे की बल में एक उच्च दर्जे का अनुशासन कायम रखा जा सके।

सतिया में देह व्यापार के विरुद्ध महिलाओं ने खोला मोर्चा

विश्वनाथ (विभास)। सतिया के कुछ जगहों पर अनैतिक कार्य को लेकर महिलाओं में गुस्सा दिख रहा था दो दिन पहले एक अभियान में सतिया व नागशंकर में अभियान चलाया गया था जिसमें नागशंकर के नेशनल हाईवे पर मां ढाबा पर अभियान के तहत बहुत सी अनैतिक कार्य में ढाबा मालिक के लिप्त होने संदेह सच साबित हुआ और ढाबा मालिक हेमंत मैच को गिरफ्तार किया है उसके बाद से ही पूरे अंचल में गुस्सा दिख रहा था आज नागशंकर विकाश समिति के सहयोग से सैंकड़ों महिलाएं राजस्व चक्र कार्यालय पहुंचकर चक्र अधिकारी को ज्ञापन सौंपा शीघ्र ही इस व्यापार से जुड़े सभी लोगों पर उचित करवाई की मांग की है।

संपादकीय

युद्ध रोकने की मंशा?

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा है-'हमें पता है कि ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई कहां छिपे हैं? वह आसान टारगेट हैं, लेकिन अभी वहां सुरक्षित हैं, क्योंकि अभी हम उन्हें मारना नहीं चाहते।' लगभग यही भाषा इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू भी बोल रहे हैं। दोनों नेताओं के पास पर्याप्त जानकारी है कि ईरान के 'मजहबी नेता' मौजूदा दौर में बेबस और अलोकप्रिय हैं। यदि अमरीका या इजरायल उन्हें निशाना बना कर खत्म करते हैं, तो ईरान में किसी भी तरह का विद्रोह नहीं होगा। ये हालात तब से बने हैं, जब ईरान में एक महिला सामाजिक कार्यकर्ता माहसा अमीनी को जेल में यातनाएं देकर मार दिया गया था। महिलाएं सडक़ों पर उतरी थीं। उन्होंने अपने बुर्के जलाए थे। बाल काट-काट कर आग के हवाले कर दिए थे। उन विरोध-प्रदर्शनों के दौरान भी खामेनेई हुकूमत ने 500 से अधिक महिलाओं को मार दिया था। उस सोच के तबके आज भी 'मजहबी नेता' की हुकूमत के खिलाफ हैं। कुछ इस्लामी देशों समेत ईरान में भी, अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के खिलाफ, छिटपुट विरोध-प्रदर्शन किए जा सकते हैं, लेकिन अमरीका और इजरायल के खिलाफ व्यापक विद्रोह सामने नहीं आएंगे। एक तबका तो आज भी ट्रंप और नेतन्याहू को 'शैतान' करार देता है। बहरहाल ईरान में राजनीतिक अस्थिरता, हिंसा और सरकारी संस्थानों के ध्वस्त होने का दौर शुरू हो सकता है, क्योंकि बाहरी शक्ति के हस्तक्षेप और हुकूमत को उखाड़ फेंकने के अभियानों के बाद ऐसा होना स्वाभाविक है। इराक के तानाशाह सद्दाम हुसैन और लीबिया के स्वयंभू शासक एम. गद्दाफी की हत्याओं के बाद अस्थिरता महसूस की गई थी, लेकिन दोनों देश आज भी लोकतंत्र नहीं हैं। तानाशाही और आतंकवाद बदलते रूपों के साथ हुकूमत में हैं। अफगानिस्तान में घोषित आतंकी 'तालिबान', बिना चुनाव और लोकतांत्रिक जनादेश के, आज हुकूमत में हैं। दिलचस्प यह है कि भारत समेत दुनिया के ज्यादातर देश इस तालिबानी हुकूमत के साथ ही काम कर रहे हैं, लिहाजा तालिबान सरकार को मान्यता दे रहे हैं। अफगानिस्तान में सोवियत संघ और अमरीका दोनों ही महाशक्तियां पराजित हुई हैं। अमरीकी सैनिक तालिबान लड़ाकों के बढ़ते कदमों को रोक नहीं पाए, नतीजतन तत्कालीन राष्ट्रपति बाइडेन को अमरीकी सेनाओं की वापसी का निर्णय घोषित करना पड़ा। बहरहाल अब ईरान के संदर्भ में अमरीका और इजरायल की मंशा क्या है?

बहरहाल ईरान में राजनीतिक अस्थिरता, हिंसा और सरकारी संस्थानों के ध्वस्त होने का दौर शुरू हो सकता है, क्योंकि बाहरी शक्ति के हस्तक्षेप और हुकूमत को उखाड़ फेंकने के अभियानों के बाद ऐसा होना स्वाभाविक है। इराक के तानाशाह सद्दाम हुसैन और लीबिया के स्वयंभू शासक एम. गद्दाफी की हत्याओं के बाद अस्थिरता महसूस की गई थी, लेकिन दोनों देश आज भी लोकतंत्र नहीं हैं। तानाशाही और आतंकवाद बदलते रूपों के साथ हुकूमत में हैं। अफगानिस्तान में घोषित आतंकी 'तालिबान', बिना चुनाव और लोकतांत्रिक जनादेश के, आज हुकूमत में हैं। दिलचस्प यह है कि भारत समेत दुनिया के ज्यादातर देश इस तालिबानी हुकूमत के साथ ही काम कर रहे हैं, लिहाजा तालिबान सरकार को मान्यता दे रहे हैं। अफगानिस्तान में सोवियत संघ और अमरीका दोनों ही महाशक्तियां पराजित हुई हैं। अमरीकी सैनिक तालिबान लड़ाकों के बढ़ते कदमों को रोक नहीं पाए, नतीजतन तत्कालीन राष्ट्रपति बाइडेन को अमरीकी सेनाओं की वापसी का निर्णय घोषित करना पड़ा। बहरहाल अब ईरान के संदर्भ में अमरीका और इजरायल की मंशा क्या है? कैसे थमेगा यह युद्ध? यह युद्ध भी वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं और सप्लाई चेन को बुरी तरह प्रभावित करेगा।

कैसे थमेगा यह युद्ध? यह युद्ध भी वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं और सप्लाई चेन को बुरी तरह प्रभावित करेगा। ईरान की राजधानी तेहरान को तुरंत खाली कर देने के बयान राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री नेतन्याहू दोनों ने दिए हैं, नतीजतन पलायन और विस्थापन शुरू हो गए हैं। भारतीय छात्रों को सुरक्षित निकालने का अभियान भी आरंभ हो चुका है। तेहरान में करीब 98 लाख लोग बसते हैं। शहर छोडऩे की होड़ मची है। खाड़ी देशों और इजरायल में करीब 1 करोड़ भारतीय व्यापार और नौकरी कर रहे हैं और विद्यार्थी भी हैं। अकेले ईरान में ही 10,765 भारतीय हैं, जिनमें 1500 से अधिक छात्र हैं। वे सभी अस्थिर होंगे। इजरायल-ईरान युद्ध पर महत्वपूर्ण रुख अख्तियार करने का मौका जी-7 समूह के विकसित और संपन्न देशों के पास भी था, लेकिन वे चूक गए और संघर्ष कम करने का ही आह्वान कर सके। उन्होंने इजरायल का पक्ष भी लिया और हमले को 'आत्मरक्षा का अधिकार' करार दिया। राष्ट्रपति ट्रंप ने संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर नहीं किए, बल्कि शिखर सम्मेलन के अधबीच ही वाशिंगटन लौट गए। उन्होंने कहा है कि हम जंग का अंत चाहते हैं, बिल्कुल अंत, सिर्फ युद्धविराम के पक्ष में नहीं हैं। अंत तभी होगा, जब ईरान अपना परमाणु कार्यक्रम बंद करना स्वीकार कर लेगा। हम ईरान के पास परमाणु बम नहीं देख सकते और न ही वह बना सकता है, लिहाजा ईरान 'बिना शर्त आत्मसमर्पण' करे। एक तरफ अमरीका का रुख यह है और दूसरी तरफ 40 से ज्यादा लड़ाकू विमान यूरोप भेजे हैं, जिससे युद्ध समाप्त किए जाने की मंशा साफ नहीं होती। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल में जो समग्र कार्य योजना बनाई गई थी, उसमें ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को अच्छी तरह काट दिया गया था। कोई भी सैन्य अभियान यह संभव नहीं कर सकता। विडंबना है कि ट्रंप उस कार्य योजना को खारिज कर चुके हैं।

साइप्रस की राजधानी निकोसिया में प्रधानमंत्री मोदी ने वहां के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स से बातचीत भी की

साइप्रस यात्रा के जरिए तुर्की को कूटनीतिक जवाब

उमेश चतुर्वेदी

ऑपरेशन सिंदूर के बाद जब समूचा विपक्ष भारत सरकार की विदेश नीति की नाकामी को लेकर मोदी सरकार पर निशाना लगा रहा था, प्रधानमंत्री ने साइप्रस की यात्रा करके देश को चौंका दिया है। भूमध्य सागर के द्वीपीय देश साइप्रस की यात्रा का अचानक से ऐलान होना और कनाडा जाते हुए रास्ते में प्रधानमंत्री मोदी का साइप्रस उतरना और वहां के शीर्ष नेताओं से मिलना भारतीय विदेश नीति का चौंकाऊं फैसला ही है। देश के शीर्ष नेताओं की विदेश यात्राएं अरसा पहले से तय होती हैं, उसकी जानकारी राजनीति के साथ ही पत्रकारिता को भी होती है। लेकिन प्रधानमंत्री की साइप्रस यात्रा अचानक से हुई है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने प्रधानमंत्री की साइप्रस यात्रा का 14 मई को अचानक ऐलान किया।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद एक टीवी चैनल के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी से पूछा गया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों पर भारत की कार्रवाई इतनी सटीक क्यों रही? पाकिस्तान की खुफिया सेवा इसे भांप क्यों नहीं पाई, पाकिस्तानी राजनेता और सेना क्यों भारतीय कार्रवाई का अंदाजा नहीं लगा पाए। सवाल खत्म होते ही प्रधानमंत्री ठठाकर हंस पड़े। हंसते हुए उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी सेना और राजनीति भारत के विपक्षी दलों की ही तरह हैं। जिस तरह वे मेरे बारे में अंदाजा नहीं लगा सकते, कुछ उसी तरह पाकिस्तानी भी अंदाजा नहीं लगा सकते। दिल्ली में केंद्रीय सत्ता संभालने के बाद प्रधानमंत्री मोदी के कदमों को देखिए। हर बार वे चौंकाते रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद जब समूचा विपक्ष भारत सरकार की विदेश नीति की नाकामी को लेकर मोदी सरकार पर निशाना लगा रहा था, प्रधानमंत्री ने साइप्रस की यात्रा करके देश को चौंका दिया है। भूमध्य सागर के द्वीपीय देश साइप्रस की यात्रा का अचानक से ऐलान होना और कनाडा जाते हुए रास्ते में प्रधानमंत्री मोदी का साइप्रस उतरना और वहां के शीर्ष नेताओं से मिलना भारतीय विदेश नीति का चौंकाऊं फैसला ही है। देश के शीर्ष नेताओं की विदेश यात्राएं अरसा पहले से तय होती हैं, उसकी जानकारी राजनीति के साथ ही पत्रकारिता को भी होती है। लेकिन प्रधानमंत्री की साइप्रस यात्रा अचानक से हुई है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने प्रधानमंत्री की साइप्रस यात्रा का 14 मई को अचानक ऐलान किया। साइप्रस की राजधानी निकोसिया में प्रधानमंत्री मोदी ने वहां के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स से बातचीत भी की। ऐसे में सवाल यह उठ सकता है कि साइप्रस की यह अचानक यात्रा क्यों ? इस सवाल के जवाब में एक बार फिर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हुई घटनाओं की ओर लौटना होगा। याद कीजिए, तब पाकिस्तान ने भारत पर ड्रोन के जरिए सैकड़ों हमले किए थे। उन हमलों को बेशक भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने नाकाम कर दिया। साइप्रस की यात्रा के लिए हमें उन हमलों में इस्तेमाल हुए ड्रोन को देखना होगा। पाकिस्तान ने जिन ड्रोन से हमले किए, ज्यादातर तुर्की में बने सोनगार ड्रोन थे। हवाई हमलों में तुर्की के इन ड्रोन को बेहद मारक माना जाता है। हालांकि वे भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम के सामने बेकार ही साबित हुए। कूटनीतिक हलकों को पता है कि तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप अर्दोआन ने पाकिस्तान को उपलब्ध कराया। अर्दोआन ने पर्दे के पीछे से पाकिस्तान का साथ दिया। इतना ही नहीं, भारत ने जब इस बात को अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने रखा तो अर्दोआन ने ट्वीटर पर 'पाकिस्तान-तुर्की दोस्ती

जिंदाबाद' लिखकर एक तरह से भारत के आरोप को साबित कर दिया। इसे भारत को मुंह चिढ़ाना भी कह सकते हैं। यह उस तुर्की का कदम था, जिसे भारत ने दो साल पहले दिल खोलकर मानवीय आधार पर सहयोग दिया था। छह फरवरी 2023 को तुर्की में 7.8 तीव्रता का भूकंप आया था, उस झटके में तुर्की में 53 हजार लोगों की मौत हो गई थी, हजारों लोग घायल हो गए थे। जान-माल के भारी नुकसान के बाद भारत ने मानवीय सहायता के साथ ही विशेषज्ञों की टीम के साथ बचाव दल भेजा था। राहत के तुर्की पहुंचने वाली टीमों में भारत की टीम भी शामिल थी। तुर्की के राष्ट्रपति ने जब ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान से दोस्ती को जगजाहिर किया तो उसे भारत के लोगों ने भारत के लिए मुंह चिढ़ाना माना। रही-सही कसर पूरी हुई मई के आखिर में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ की तुर्की की यात्रा से। तब भारत के सामने अर्दोआन के रूख को लेकर कोई गुंजाइश ही नहीं रही। तुर्की को लेकर भारतीय समुदाय की सोच अब भी ऐसी ही है। ऐसा नहीं कि पहली बार तुर्की ने भारत के खिलाफ पाकिस्तान का पक्ष लेते हुए ऐसा कदम उठाया है। संयुक्त राष्ट्र संघ समेत कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान के पक्ष में अर्दोआन सहयोगी भूमिका पेश करते रहे हैं। इन वजहों से तुर्की को लेकर भारत में गुस्सा भी बहुत रहा है। कश्मीर के मसले पर तुर्की हर बार पाकिस्तान के साथ ही खड़ा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी का साइप्रस दौरा भारत के उसी गुस्से की अभिव्यक्ति और भारत को मुंह चिढ़ाने के अर्दोआन के प्रयासों का जवाब माना जा सकता है। इसकी वजह है कि साइप्रस और तुर्की के बीच जारी बरसों पुराना विवाद। साइप्रस में यूनानी और तुर्की मूल के लोग रहते हैं। तुर्की के दोनों समुदायों में नस्ली आधार पर विवाद रहा है। साइप्रस में साल 1974 में तत्कालीन सरकार के खिलाफ यूनानी मूल के आतंकी समूहों ने तख्तापलट की कोशिश की। इसे तुर्की ने अपने लोगों के खिलाफ युद्ध माना। इसके बाद तुर्की ने साइप्रस पर हमला कर दिया। इस दौरान तुर्की की सेनाओं ने साइप्रस के दूसरे नंबर के मशहूर शहर वरोशा पर कब्जा कर लिया। यह शहर अपने बहुमंजिला भवनों के लिए प्रसिद्ध रहा है। यहां पूरे साल सैलानी आते रहते थे। लेकिन जब से तुर्की के कब्जे में यह शहर है, सैलानियों के लिए तरस रहा है। तुर्की की सेना के 35 हजार जवान यहां तैनात हैं। इसके बाद से एक तरह से यह द्वीपीय देश दो हिस्सों में बंट गया है। तुर्की के कब्जे वाले इलाके को तुर्की ने राष्ट्र का दर्जा दे रखा है। दिलचस्प है कि इस राष्ट्र के अस्तित्व को तुर्की के अलावा कोई देश स्वीकार नहीं करता। साइप्रस यूरोपीय संघ का भी सदस्य है और एक जनवरी 2026 से वह संघ का अध्यक्ष बनने जा रहा है। भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते को लेकर बातचीत चल रही है। भारत को उम्मीद है कि साइप्रस के अध्यक्ष रहते यूरोपीय संघ और भारत के बीच मुक्त व्यापार समझौता हो जाएगा। साइप्रस ने कई मौकों पर भारत की संयुक्त राष्ट्र संघ सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट की दावेदारी का समर्थन कर चुका है। मोदी ने साइप्रस जाकर दो संदेश देने की कोशिश की है। पहला संदेश तुर्की के लिए है। भारत ने जता दिया है कि वह साइप्रस को सहयोग देगा और साइप्रस से सहयोग लेगा। वैसे भी साइप्रस के आईटी उद्योग और पर्यटन में भारत के हजारों लोग कार्यरत हैं। साइप्रस स्थित भारतीय हाईकमीशन के मुताबिक साइप्रस में साढ़े ग्यारह हजार लोग रहते हैं। मोदी की साइप्रस यात्रा का दूसरा संदेश भारतीयों के लिए है। पहले भारत से बहुत सारे सैलानी तुर्की जाते थे, लेकिन अब वे साइप्रस जाएंगे। वैसे पाकिस्तान के सहयोग के खुलासे के बाद से ही तुर्की के लिए बुक टिकटों को भारतीयों ने कैंसल कराना शुरू कर दिया था। मोदी की कोशिश साइप्रस को बढ़ाकर तुर्की की आर्थिक रीढ़ पर चोट पहुंचाना है। साथ ही तुर्की को संदेश देना है कि जरूरत पड़ने पर भारत तुर्की के खिलाफ कड़े कदम भी उठा सकता है। प्रधानमंत्री ने कनाडा जाते हुए साइप्रस की यात्रा से तुर्की को भी चौंकाया है। तुर्की के राष्ट्रपति अर्दोआन ने 2021 में कहा था कि साइप्रस की जिम्मेदारी तुर्की की है। यानी एक तरह से वह साइप्रस के एकीकरण के संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्ताव के खिलाफ हैं। हालांकि अर्दोआन के कदम का इजरायल कड़ा विरोध करता है। साइप्रस की मौजूदा सरकार के साथ इजरायल मजबूती से खड़ा है। जाहिर है कि तुर्की के कदम का इजरायल विरोध कर रहा है। भारतीय प्रधानमंत्री की साइप्रस की यात्रा के बाद इजरायल, भारत और साइप्रस संबंधों को भी गति मिलने की संभावना है। दुनिया इन दिनों चीन के 'वन बेल्ट-वन रोड' के जवाब में मध्य पूर्व के देशों के साथ यूरोप 'इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर' यानी आईएमईसी पर काम कर रहा है।

देश दुनीया से

संघर्ष से उपजी चुनौतियों के बीच व्यापार घाटे की चिंता

गौरतलब है कि वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान भारत से कुल माल और सेवाओं का निर्यात 824 अरब डॉलर रहा है। जबकि भारत का कुल आयात 918 अरब डॉलर रहा। ऐसे में पिछले वर्ष व्यापार घाटा करीब 94 अरब डॉलर रहा है। इसके पूर्ववर्ती वर्ष 2023-24 में भारत का व्यापार घाटा करीब 78 अरब डॉलर रहा था। ऐसे में कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि के साथ वैश्विक व्यापार में कमी आने की आशंका से भारत का व्यापार घाटा इस वर्ष 2025-26 में और बढ़ सकता है। मौजूदा हालात में भारत आयात बिल बढ़ने की चुनौती के मद्देनजर रणनीतिपूर्वक कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों की चुनौती को कम कर सकता है। भारत ने अमेरिका की रूस से कच्चा तेल न खरीदने संबंधी किसी चेतावनी पर ध्यान न देते हुए पिछले वर्ष 2024-25 में 50 अरब डॉलर मूल्य का रूसी कच्चा तेल खरीदा है। यह भारत के कच्चे तेल के कुल आयात बिल का करीब 35 फीसदी है। यूक्रेन के साथ युद्ध के कारण प्रतिबंध लगने के बाद रूस ने रियायती कीमतों पर अपना कच्चा तेल बेचना शुरू किया था। भारत ने इस मौके का फायदा उठाते हुए अपने कुल कच्चे तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी बढ़ाई। ऐसे में भारत रूस का सहारा मिलने से कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों के उछाल से बचते हुए व्यापार घाटे की चिंताओं से भी कुछ बच सकेगा। इतना ही नहीं, भारत ने सफलतापूर्वक अपने तेल आयात के स्रोतों का विस्तार कर लिया है और जरूरत के हिसाब से इन स्रोतों का उपयोग करके व्यापार घाटे में बढ़ोतरी रोकी जा सकेगी। निःसंदेह युद्ध की चुनौती के बीच चीन से आयात में कमी लाकर व्यापार घाटा नियंत्रित करना होगा। हाल ही प्रकाशित नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक चीन के साथ द्विपक्षीय कारोबार में भारत लगातार घाटे की स्थिति में बना हुआ है। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में चीन के साथ व्यापार घाटा बढ़कर 99.2 अरब डॉलर हो गया, जो 2023-24 में 85.07 अरब डॉलर था। चीन 2024-25 में 127.7 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार के साथ भारत का दूसरा

सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना रहा। दोनों देशों के बीच 2023-24 में 118.4 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार हुआ था। वस्तुतः चीन पर निर्भरता कम करने के जो रणनीतिक कदम उठाए गए हैं, उनका अभी जमीनी तौर पर कोई विशेष असर नहीं दिखा है। ऐसे में भारत के साथ शत्रुतापूर्ण व्यवहार कर रहे चीन से व्यापार घाटा कम करने के लिए सरकार को और अधिक कारगर प्रयास करने होंगे। साथ ही अब एक बार फिर से देश के करोड़ों लोगों को चीनी उत्पादों की जगह स्वदेशी उत्पादों के उपयोग के नए संकल्प के साथ आगे बढ़ना होगा। निश्चित रूप से सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यम (एमएसएमई) से निर्यात बढ़ाते हुए आयात नियंत्रित करके व्यापार घाटा कम कर सकते हैं। इस समय नए व्यापार युग के बदलाव के दौर में भारत के एमएसएमई के लिए चुनौतियों के बीच दुनिया में आगे बढ़ने के ऐतिहासिक अवसर भी हैं। ये उद्योग वैश्विक आपूर्ति शृंखला में प्रतिस्पर्धी बन सकते हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि टैरिफ वार से एमएसएमई क्षेत्र को जो झटका लग रहा है, उसके मद्देनजर सरकार को एमएसएमई के समक्ष दिखाई दे रही चुनौतियों के समाधान के लिए रणनीति बनाकर निर्यातकों को सहारा देना होगा। वहीं एमएसएमई क्षेत्र के उद्यमियों और निर्यातकों को भी नई चुनौतियों के मद्देनजर तैयार होना होगा। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि देश से सेवा निर्यात बढ़ाकर व्यापार घाटे में कमी लाई जा सकती है। इस समय पूरी दुनिया में भारत सेवा निर्यात की डगर पर छलांगें लगाकर आगे बढ़ रहा है। भारत को सेवा निर्यात की नई वैश्विक राजधानी के रूप में रेखांकित किया जा रहा है। पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत का सेवा निर्यात करीब 387.5 अरब डॉलर का रहा है। भारत में बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) की तेजी से नई स्थापनाओं के कारण भी सेवा निर्यात तेजी से बढ़ रहा है। भारत को नए मुक्त व्यापार समझौतों और द्विपक्षीय व्यापार समझौतों से व्यापार घाटे में कमी लानी होगी। भारत द्वारा ब्रिटेन के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौते के बाद अब अमेरिका और यूरोपीय यूनियन के साथ-साथ मुक्त व्यापार समझौतों को 31 दिसंबर, 2025 तक पूर्ण किए जाने के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ना होगा। इस समय भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय कारोबार समझौते (बीटीए) के शुरुआती चरण के लिए वार्ता तेजी से आगे बढ़ रही है। भारत द्वारा ओमान, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, इस्राइल, भारत गल्फ कंट्रीज काउंसिल सहित अन्य प्रमुख देशों के साथ भी एफटीए को शीघ्रतापूर्वक अंतिम रूप दिया जाना होगा।

कुछ अलग

तुरुप का पत्ता

उन्होंने हमारे कंधे पर हाथ रख कर बताया कि वह मेरे बड़े भाई हैं। अचानक यह एक और बड़ा भाई पाकर हम अचकचा गए। हम तो आज तक अपने आपको निपट अकेला मानते रहे थे। उदासीन और निर्वासित, जिसे बिना इज्जत और धक्के से काम करवा देने वाला कोई सहारा नहीं मिलता। लेकिन यह चुनावी दिन क्या आए, कि अचानक हमारा महत्व बढ़ गया। हमारे पददलित रह जाने की हमदर्दी प्रकट करने वाले इतने रहनुमा मिल गए कि इनमें से हमारा बड़ा भाई कौनसा है, इसी के सही चुनाव के लिए कठिनाई पैदा होने लगी। अचानक हमें पता चला कि हम तो इस राज्य की एक-तिहाई आबादी हैं, और हमें पटाने के लिए बड़े भाइयों की कतार लग रही है। आजकल एक नया रंग इन बड़े भाइयों ने बदला है कि पहले पददलित कौन हैं, और इनके कितने वर्ग हैं, इनकी भली-भांति पहचान की जाए। आज तक हर दस साल के बाद इतनी बार जनगणना हुई है, लेकिन इस बार इसकी प्रक्रिया भी पददलितों से हमदर्दी सी बन गई। इनकी वर्ग गिनती होनी चाहिए, इसका फैसला हो रहा है। चाहे इसका कारण यह बताया गया है कि हमारा सर्व हितकारी कल्याणकारी राज्य है। इसलिए पहले दलितों की वर्गगत पहचान हो। बाद में उनके कायाकल्प के लिए विशेष प्रयास किया जाएं। अब यह कायाकल्प कैसे होगा? आजादी का अमृत महोत्सव मना लिया गया, लेकिन हमें इसकी खबर नहीं हुई। गरीब और मुजारा किसानों का खुदा बन कर देश में पहली कृषि क्रांति हुई थी, लेकिन यह कुछ फसलों और कुछ राज्यों तक ही सीमित क्यों रह गई? पहली कृषि क्रांति को दम तोड़ते देखा, फिर पिछले चार दशक से दूसरी हरित क्रांति कर देने की योजना बन रही है। लेकिन अब इस क्रांति को हुंकारा नहीं मिल रहा। पहली कृषि क्रांति की जन्मभूमि पंजाब थी। इसने मना कर दिया, और पूर्वोत्तर राज्य भी इसे शुरू करने से पूर्व जम्हाई ले रहे हैं। योजनाबद्ध आर्थिक विकास का लक्ष्य था प्रजातांत्रिक समाजवाद की स्थापना, लेकिन आज कोरोना लहर से पुनः पुनः दंडित राष्ट्र अपना वही परिचय दे रहा है कि चंद धनियों ने देश के भाग्य को अपनी मु_ी में बंद कर रखा है, और देश की अधिकांश जनता सही और बेहतर जीवन जीने का सपना देखने के अपराध में सपनों की दुनिया से बेदखल हो गई है। लेकिन अब नई दुनिया का यह संकल्प पददलित विकास की भूमिका बांधने लगा। इसीलिए निर्णय लिया गया कि पहले उनकी वर्गचेतना को उभार कर उनके चयनित विकास का संकल्प करो। अब इनकी जेबों को तलाश कर इनके फटीचर बखियों को सीना है। इसलिए जनगणना से लेकर इनकी मतगणना का आधार बना इनकी गिनती को प्राथमिकता देनी है। अब तो जनगणना भी जातिगत होगी बंधु। वंचित का पेट भरा जाए, उनकी आंखों के सपने लौटा दिए जाएं, इसे कौन मना करता है, लेकिन इसके लिए जाति, धर्म और वर्ग की यह सीमा बांधने का प्रयास क्यों? भूख और अभावग्रस्तता की पीड़ा सब स्थान पर एक जैसी है, इसलिए इसे हरने का प्रयास आर्थिक आधार से पिछड़ा रह जाने की पहचान क्यों नहीं बनता? हवा में सवाल उछलते हैं, लेकिन उस पर चयनित विकास के घेरे बन गए। शेष लोग जो जातीय पिछड़ेपन की कसौटी पर खरे नहीं उतरते, वे अपने दिन बदलने का इंतजार कब तक करें।

आप का नजरीया

इन हरकतों के कठघरे

गलत हरकतें समाज, राज्य या राष्ट्र की किसी भी भूमिका में हों, उनके खिलाफ आम नागरिक को उद्वेलित होना पड़ेगा। हिमाचल के कुछ लम्हे अपना जिक्र कर रहे हैं, जहां कठघरों के बीच हरकतें खड़ी हैं और न्यायाधीश की भूमिका में समाज है या राज्य की व्यवस्था। कुनिहार के समीप एक स्कूल अध्यापक के चरित्र का जब विश्लेषण हुआ, तो समाज की पहरेदारी में दोष चस्पां हो गए। बुरी नजर के छेद स्कूल की दीवारों को इतना जर्जर बना गए कि 'गुरु परंपरा' घायल होकर तड़पने लगी। पांवटा साहिब के माजरा क्षेत्र में कथित तौर पर एक लडक़ी के अपहरण से उग्र हुआ माहौल समाज को बैसाखियों पर ले आया, जबकि कानून व्यवस्था के घायल पंख फडफ़ड़ा रहे हैं। शोर जमाने में बहुत था उनके किरदार का, वो तोहमतों से छूट के पाक दामन निकले। पांवटा साहिब में तोहमतें तो समाज और व्यवस्था का छिद्रान्वेषण कर रही थीं, जब झूठ के घूंघट खुले तो किरदार बदल गया। आखिर लव जिहाद की खोज में कब्रें क्यों खोदी जा रही हैं। इश्क की गलियों ने इकरार क्या किया, मोहल्ले में जूतम पैजार हो गई। उपद्रव की आंख से देखेंगे तो अपने ही समाज के टुकड़े मिलेंगे और यह माहौल शांत प्रदेश की गरिमा को क्षत-विक्षत कर सकता है। सांप्रदायिक विवाद की कई ध्वनियां निकलीं और चबूतरों पर लहूलुहान होता मंजर, हमारे ही बीच के सौहार्द को कैद कर गया। कौन जीता और किसे कसूरवार ठहराएं। क्या हत्या के प्रयास के मामले में राजीव बिंदल और सुखराम चौधरी के खिलाफ लगे आरोपों को छान कर दूध का दूध या पानी का पानी हो जाएगा या उस युवती के बयान को सुनें, जो अदालत के कठघरे में खड़े अपहरण से एक युवक को निर्दोष बता रही है। जो भी हो, कानून व्यवस्था का मामला इंतकाम पर क्यों उतारू हो गया। अदालत में एक बालिग लडक़ी का बयान अचानक उन हथियारों से ऊपर हो गया, जो भीड़ में शिकार खोज रहे थे। पुलिस पर हुए तेज धारदार हथियारों के वार बताते हैं कि चुनौती कहीं भीतर से गर्म है। इन लपटों को आगे बढऩे से न रोका गया, तो सामाजिक ताने-बाने से कई मर्यादाएं टूट जाएंगी। तब कोई प्रशासनिक अधिकारी भीड़ के सामने अपराधी घोषित हो जाएगा या फर्ज की कचहरी लूट ली जाएगी। समाज के भीतर युद्ध की घोषणा का अर्थ अगर सियासत है, तो इसे रोकना होगा, टोकना होगा। सियासी विरोध की एक नई परंपरा अब प्रशासन के गले पड़ रही है। सत्ता और विपक्ष के बीच हिमाचल के मुद्दे और व्यवस्था के प्रश्न उठने चाहिएं। लोकतांत्रिक और चुनावी चरित्र में हिमाचल सदा नागरिक जागरूकता की मिसाल रहा है, लेकिन पिछले कुछ समय से विरोध की दूरबीन नए सुराग खोज रही है। इन्हीं सुरागों की खोज पांवटा साहिब के आचरण को तमतमा गई, तो समाज के दो गुट हो गए। यहां वो सब कुछ हुआ जो अशोभनीय-निंदनीय कहा जा सकता है। एक बेटी के माथे पर राजनीति ने जो कलंकित शब्द चस्पां किए हैं, क्या वे धुल पाएंगे या अब दो वयस्कों की निजता व स्वतंत्रता के अधिकार को सियासी मंसूबों की छावनी तय करेगी। अंततः सियासत की अदालत से बड़ी साबित हुई कानून की अदालत, लेकिन प्रश्नों की फांस में बयानबाजियों के नाखून चुभ रहे हैं। हम दो संप्रदायों के बीच एक बच्ची के वयस्क अधिकारों को बौना करके समाज को बचाएंगे या एक स्कूल परिसर के भीतर एक गुरु की बुरी नजर से मासूम बेटियों की परवरिश को बचा पाएंगे। हैं बहुत विषय बेटियों की इज्जत के, लेकिन बहस के पैमानों में जहर भर के फैसला नहीं होगा।

दृष्टि कोण

वैश्विक शांति को प्रभावित करते युद्ध

विगत 24 फरवरी 2022 से रूस-यूक्रेन के बीच जारी युद्ध और इसी साल 7 मई को भारत-पाकिस्तान के बीच सीमित सैन्य संघर्ष के बाद अब इजरायल और ईरान के बीच युद्ध के कारण पश्चिम एशिया में परिस्थितियां गंभीर और जटिल बनी हुई हैं। इस समय दोनों देशों के बीच तनाव चरम सीमा पर है और दोनों देशों की सेनाएं प्रत्यक्ष सैन्य आक्रमणों में उलझी हुई हैं। 12 और 13 जून 2025 को अलसुबह इजरायल ने ईरान के परमाणु सुविधाओं और सैन्य ठिकानों नतांज स्थित एटॉमिक फैसिलिटी सेंटर, इस्फहान, तेहरान और तबरीज पर बड़े पैमाने पर हवाई हमले शुरू किए, जिसे 'ऑपरेशन राइजिंग लायन' नाम दिया गया था। इन हमलों का उद्देश्य ईरान के यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम को नष्ट करना और उसकी परमाणु हथियार बनाने की क्षमता को रोकना था। इजरायल ने हमलों से पहले अपनी खुफिया एजेंसी मोसाद के साथ मिलकर आईडीएफ ने ईरान में ड्रोन और अन्य हथियारों को पहुंचाया। इसके अलावा हथियार प्रणालियों से लदे वाहनों को भी ईरान लाया गया। इसने ईरान की हवाई सुरक्षा को नष्ट कर दिया तथा इससे इजरायली विमानों को ईरान पर हवाई प्रभुत्व कायम करने में मदद मिली। प्रत्युत्तर में 13 जून 2025 की शाम को ईरान ने भी इजरायल पर 150 से अधिक बैलिस्टिक मिसाइलों और 100 से ज्यादा ड्रोनों के साथ जवाबी हमला किया। ये हमले इजरायल के प्रमुख शहरों जैसे येरुशलम, तेल अबीब और रिशोन लेजियन को निशाना बनाकर किए गए, जिससे नागरिक क्षेत्रों में संपत्ति के नुकसान और इजरायली नागरिकों के हताहत होने की खबरें हैं। भले ही दोनों देशों के बीच जमीनी सीमा रेखा नहीं है, तथापि दोनों देशों के बीच लंबे समय से तनाव बना हुआ है। खासकर ईरान के परमाणु कार्यक्रम के पूर्णता की ओर बढऩे से इजरायल की सुरक्षा चिंताएं बढ़ गई थीं। इस युद्ध से अंतरराष्ट्रीय समुदाय चिंतित है, लेकिन अभी तक कोई ठोस मध्यस्थता या युद्धविराम की पेशकश सामने नहीं आई है। दूसरी तरफ अमरीकी सेना ईरान की ओर से इजरायल पर जवाबी कार्रवाई में दागी गई मिसाइलों को रोकने में मदद कर रही है। वर्तमान में इजरायल-फिलिस्तीन, ईरान-सऊदी और यूक्रेन-रूस युद्ध जैसे मुद्दे पहले से ही विश्व मंच पर तनाव बढ़ा रहे हैं। जहां तक वर्तमान ईरान-इजराइल युद्ध की बात है तो ईरान और इजराइल के बीच संभावित या वास्तविक युद्ध न केवल पश्चिम एशिया (मध्य पूर्व), बल्कि संपूर्ण विश्व के लिए गंभीर खतरे उत्पन्न कर सकता है। यह संघर्ष धार्मिक, राजनीतिक, भू-रणनीतिक और आर्थिक आयामों से जुड़ा हुआ है और इससे वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति पर संकट मंडरा सकता है। दूसरे, ईरान दुनिया के प्रमुख तेल उत्पादकों में है और होरमुज जलडमरूमध्य से वैश्विक तेल का 20 फीसदी गुजरता है। युद्ध की स्थिति में ईरान इस रास्ते को बंद कर सकता है जिससे वैश्विक तेल कीमतों में भारी उछाल आ सकता है। इससे अमरीका, यूरोप, भारत जैसे देशों में ईंधन महंगा होगा और महंगाई बढ़ेगी। इस लड़ाई के परमाणु युद्ध में तबदील होने का खतरा भी है क्योंकि इजराइल के पास घोषित परमाणु हथियार हैं, जबकि ईरान पर परमाणु हथियार बनाने के आरोप हैं। यदि संघर्ष परमाणु हथियारों तक पहुंचता है, तो यह मानव सभ्यता के लिए विनाशकारी हो सकता है। इन दिनों विश्व युद्ध जैसे हालात बने हुए हैं, क्योंकि अमरीका इजराइल का प्रमुख सहयोगी है। चीन और रूस, ईरान के रणनीतिक साझेदार हैं। यदि ये महाशक्तियां प्रत्यक्ष रूप से युद्ध में शामिल होती हैं, तो यह टकराव तीसरे विश्व युद्ध का रूप ले सकता है। यह युद्ध शिया (ईरान) और यहूदी (इजराइल) के बीच है, परंतु इसका प्रभाव मुस्लिम देशों में सुन्नी-शिया संघर्ष को भडक़ा सकता है। युद्ध के कारण लाखों लोग शरणार्थी बन सकते हैं जो यूरोप, तुर्की और एशियाई देशों की ओर पलायन करेंगे। इससे स्थानीय संसाधनों पर दबाव और सामाजिक असंतोष बढ़ सकता है। युद्ध की स्थिति में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित होगी और व्यापार व निवेश में गिरावट आएगी, जिसका विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था, जैसे भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश आदि देशों पर खासा असर पड़ेगा। ईरान-इजरायल के बीच इस लड़ाई के गंभीर होने की स्थिति में खाड़ी क्षेत्र में काम करने वाले 90 लाख से एक करोड़ भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर भी चिंताएं पैदा हो सकती हैं। इन भारतीयों ने पिछले साल ही करीब 45 अरब डॉलर की राशि भारत भेजी है जो देश की इकोनमी में अहम भूमिका निभाती है। इन दिनों ईरान और इजराइल दोनों ही साइबर युद्ध में भी सक्रिय हैं। चूंकि बैंकिंग, संचार और ऊर्जा क्षेत्रों पर साइबर हमले हो सकते हैं जो वैश्विक स्तर पर प्रभावी होंगे।

नीट-यूजी पेपर लीक और बिहार कांस्टेबल भर्ती घोटाला मामले में ईडी की देशभर के 11 ठिकानों पर छापेमारी

पटना (हिंस)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीमों ने गुरुवार को 2024 के नीट-यूजी पेपर लीक मामले और बिहार बिहार कांस्टेबल भर्ती घोटाले के सिलसिले में देशभर के 11 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। ईडी के एक अधिकारी ने इसकी पुष्टि की। नीट पेपर लीक मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने की एक टीम ने बिहार के नालंदा के नगरनौसा में संजीव मुखिया के बलवा गांव में डॉ. शिव कुमार और गोसाईमठ निवासी संदीप कुमार के घर छापेमारी कर तलाशी ली। पूरे मामले में नालंदा के संजीव मुखिया, उसका पुत्र और उसके गैंग का नाम सामने आया है। प्रवर्तन निदेशालय की टीम जब नालंदा जिले के नगरनौसा थाना क्षेत्र में एक आरोपित के घर छापेमारी करने पहुंची तो वहां लोगों ने हंगामा किया। सूत्रों के अनुसार छापेमारी के दौरान घर के एक सदस्य ने ईडी अधिकारी का मोबाइल फोन छीन लिया। हालांकि नगरनौसा थानाध्यक्ष शशि रंजन मिश्रा ने मोबाइल छीनने की बात से इंकार किया है। प्रवर्तन निदेशालय ने इसके साथ ही बिहार कांस्टेबल भर्ती घोटाले के सिलसिले में देशभर के 11 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी कर रही है। ईडी अधिकारी के अनुसार यह कार्रवाई दिल्ली ईडी टीम की अगुवाई में की जा रही है जिसमें पटना, नालंदा, रांची, लखनऊ और कोलकाता समेत कई शहर शामिल हैं। ईडी की शुरुआती जांच में यह सामने आया है कि इस भर्ती घोटाले के पीछे वही मास्टरमाइंड हैं जो 2024 के चर्चित नीट-यूजी पेपर लीक कांड में शामिल थे। ईडी के एक अधिकारी ने बताया कि यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत की जा रही है। शुरुआती जांच में पाया गया है कि नीट-यूजी और बिहार कॉस्टेबल भर्ती घोटाले के मास्टरमाइंड एक ही हैं। नीट यूजी पेपर लीक कांड का मुख्य आरोपित संजीव मुखिया पुलिस गिरफ्त में है जबकि उसका बेटा डॉ. शिव कुमार जो हाल ही में जेल से छूटकर बाहर आया है। वह अपनी मां ममता सिन्हा के चुनाव प्रचार में सक्रिय है। ममता सिन्हा 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में हरनौत सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। नालंदा जिले के नागरगौसा प्रखंड के नगरनौसा गांव का रहने वाले संजीव मुखिया को गांव वाले लूटन मुखिया के नाम से भी जानते हैं। उसके पिता जनक किशोर प्रसाद किसान हैं। संजीव मुखिया नालंदा के नूरसराय स्थित उद्यान महाविद्यालय में तकनीकी सहायक के पद पर कार्यरत है। नीट प्रश्न पत्र लीक मामले में नाम सामने आने के बाद संजीव मुखिया अपने ऑफिस में बीमार होने का आवेदन देकर फरार हो गया था। थर्ड ग्रेड की नौकरी करने वाला संजीव मुखिया अकूत संपत्ति का मालिक है। आर्थिक अपराधिकारी की जांच में पता चला है कि आय से 144 प्रतिशत अधिक संपत्ति उनके पास है, जो 1.75 करोड़ की है। कई मामलों में सीबीआई और ईडी उसके संपत्ति की जांच कर रही है। उसकी पत्नी ममता देवी ने 2020 में लोक जनशक्ति पार्टी के टिकट पर हरनौत सीट से विधानसभा का चुनाव भी लड़ी थीं। हालांकि उसे हार का मुंह देखना पड़ा था।

सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क समेत 23 आरोपियों के खिलाफ एसआईटी ने दाखिल की चार्जशीट

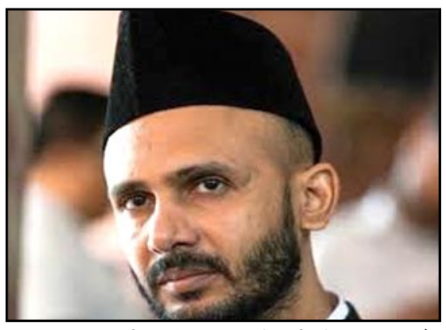

मुरादाबाद (हिंस)। उत्तर प्रदेश के जनपद संभल में बीते वर्ष 24 नवम्बर को विवादित जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा में आरोपित बनाए गए समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर्रहमान बर्क, पूर्व मंत्री संभल सदर विधायक नवाब इकबाल के बेटे समेत 23 आरोपियों के खिलाफ विशेष जांच दल (एसआईटी) ने बुधवार को एमपीएमएलए कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी है। सांसद व विधायक इकबाल महमूद के बेटे सुहेल इकबाल को मुकदमा अपराध संख्या 335/24 में नामजद आरोपित बनाया गया था साथ अन्य विभिन्न अज्ञात आरोपित भी शामिल थे। इसी मुकदमें में जामा मस्जिद कमेटी के सदर जफर अली एडवोकेट की भूमिका प्रकाश में आने के बाद उनकी भी गिरफ्तारी कर ली थी। अब एसआईटी ने तथ्यों के आधार पर सांसद, विधायक पुत्र समेत 23 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। संभल पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि एसआईटी ने तथ्यों के आधार पर विवेचना पूरी कर ली है। बुधवार को न्यायालय में विवेचक द्वारा चार्जशीट दाखिल कर दी गई है। मालूम हो 24 नवंबर 2024 को हुए बवाल के बाद संभल कोतवाली और नखासा थाने में 12 मुकदमे दर्ज किए गए थे। इसमें चार हत्या के मामले शामिल थे। एसआईटी को इन मुकदमों की जांच सौंपी गई थी। 10 मुकदमों की चार्जशीट तो एसआईटी द्वारा न्यायालय में दाखिल कर दी गई थी। सांसद और विधायक के बेटे जिस मुकदमे में नामजद आरोपी बनाए गए थे। उसी को इस पूरे बवाल को मुख्य मुकदमा पुलिस द्वारा भी माना जा रहा था। जामा मस्जिद के नजदीक हुए बवाल में मुकदमा अपराध संख्या 335/24 में दर्ज एफआईआर के अनुसार सांसद जियाउर्रहमान बर्क पर बवाल से पहले भड़काऊ भाषण देने का आरोप लगा था। जबकि बवाल के दिन विधायक नवाब इकबाल महमूद के बेटे सुहेल इकबाल पर भीड़ को उकसाने का आरोप है। बाद में सांसद पर आरोप लगा कि बवाल से पहले ही उन्होंने सर्वे को रोकने और भीड़ एकत्र करने के लिए कहा था। इसी तरह के अन्य कई आरोप सांसद पर लगे हैं।

लुधियाना पश्चिम उपचुनाव सभी राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों ने डाला वोट

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब की लुधियाना पश्चिम विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए मतदान जारी है। निवार्चन आयोग के अनुसार सुबह 9 बजे तक यहां 8.50 प्रतिशत मतदान हो चुका है। लुधियाना के चुनावी रण में उतरे सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के सभी उम्मीदवारों की तरफ से अपने मताधिकार का प्रयोग किया जा चुका है। कांग्रेस उम्मीदवार भारत भूषण आशु मालवा स्कूल में तो भाजपा उम्मीदवार जीवन गुप्ता ने जैन स्कूल में मतदान किया। आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार और राज्यसभा सांसद संजीव अरोड़ा अपने परिवार के साथ गुरु नानक पब्लिक स्कूल में वोट डालने पहुंचे और अकाली दल के उम्मीदवार परउपकार सिंह घुम्मन ने जेजेएन पब्लिक स्कूल में वोट डाला। इस बीच पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लोगों से मतदान की अपील की है। पोस्ट में उन्होंने लिखा कि आज के दिन को छुट्टी वाला दिन मत समझना, वोट डालने जरूर जाना।

रोजगार मेले में 45 छात्रों को मौके पर ही मिला चयन पत्र

नारनौल (हिंस)। नारनौल के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में गुरुवार को लगे रोजगार मेले में 187 युवाओं ने भाग लिया। इसमें 83 छात्रों को चिन्हित किया तथा 45 छात्रों को मौके पर ही चयन पत्र जारी कर दिए गए। युवाओं ने खुशी जाहिर करते हुए सरकार की इस पहल का स्वागत किया है। अतिरिक्त उपायुक्त सुशील कुमार ने कहा कि सरकार के निर्देशानुसार युवाओं को रोजगार देने के लिए इस प्रकार के रोजगार मेले का आयोजन किया जाता रहता है। युवाओं को इस प्रकार के रोजगार मेले में भाग लेना चाहिए। उन्होंने रोजगार मेले में चयनित युवाओं को बधाई भी दी। जिला रोजगार अधिकारी रणजीत सिंह रावत ने बताया कि इस रोजगार मेले में पुखराज हेल्थ केयर, इंटर इंस्टीट्यूशनल कंप्यूटर सेंटर, फ्रीडम एम्प्लायबिलिटी एकेडमी, लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, एसबीआई बैंक, नारनौल नव ज्योति बायो फर्टिलाइज़र, जी-4एस, सिक्योर सॉल्यूशन लिमिटेड गुरुग्राम, ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन इंडिया गुरुग्राम, एआरजीएल मानेसर व जय भारत मारुति गुरुग्राम कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस मौके पर औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्रधानाचार्य विनोद खनगवाल, सहायक रोजगार अधिकारी जितेंद्र कुमार के अलावा कार्यालय के स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री देना नहीं, व्यक्ति की बौद्धिक क्षमता बढ़ाना हो : राज्यपाल

जयपुर /कोटा (हिंस)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य महज डिग्री प्रदान करना नहीं बल्कि व्यक्ति की बौद्धिक क्षमता बढ़ाना होना चाहिए। स्कूल, कॉलेज एवं विश्वविद्यालय में सिर्फ किताबी पाठ्यक्रम के आधार पर नहीं वरन् व्यावहारिक ज्ञान के आधार पर शिक्षा दी जाए ताकि व्यक्ति की बौद्धिक क्षमता में वृद्धि हो सके। बागडे गुरुवार को राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय के नवनिर्मित मुख्य प्रवेश द्वार के लोकार्पण समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विश्वविद्यालय का नया प्रवेश द्वार बनने पर सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। राज्यपाल ने कहा कि किसी भी शिक्षण संस्थान का सही परिचय वहां प्रदान की जा रही शिक्षा से होता है। प्राचीन समय में गुरुकुलों में दी जाने वाली शिक्षा का उल्लेख करते हुए कहा कि गुरुकुलों में विविध भाषाओं एवं विषयों की अभ्यास आधारित शिक्षा दी जाती थी। उस जमाने में डिग्री वाले इंजीनियर नहीं होते थे लेकिन वे तकनीकी दृष्टि से इतने दक्ष थे कि मजबूत इमारतें बनाते थे। वहां विद्यार्थियों की स्मरण शक्ति को ब ?ाते हुए ज्ञान दिया जाता था। बागडे ने कहा कि विकसित प्रौद्योगिकी से जीवन की जटिलताओं के समाधान में मदद मिलती है। तकनीकी शिक्षा व्यक्ति के जीवन को समृद्ध बनाते हुए उसे समाज में उच्चतम स्तर प्रदान करने का मार्ग भी प्रशस्त करती है। उन्होंने तकनीकी विश्वविद्यालयों का आव्हान किया कि वे गुणवत्तापूर्ण प्रौद्योगिकी का विकास कर विश्व में भारत को अलग पहचान दिलाएं। राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा के साथ विद्यार्थियों के शारीरिक विकास के लिए स्कूलों में खेल मैदान अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में खेल मैदान नहीं होंगे तो बच्चों के शारीरिक विकास में बाधा उत्पन्न होगी। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति विद्यार्थियों की बौद्धिक एवं शारीरिक क्षमता विकसित करने पर आधारित है। राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. एसके सिंह ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि विश्वविद्यालय का मुख्य प्रवेश द्वार धौलपुर के लाल रंग के पत्थरों से बनाया गया है और यह राजस्थान की वास्तुकला को भी दर्शाता है। यह प्रवेश द्वार संस्थान की परम्परा एवं गरिमा के साथ आधुनिकता का भी प्रतीक है। इस प्रवेश द्वार से ज्ञान के मंदिर में प्रवेश करते हुए विद्यार्थी सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव करेंगे। लोकार्पण के बाद राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण भी किया।

विश्व के दस स्कूलों में फरीदाबाद का नाम शामिल होना बड़ी उपलब्धि : महिपाल

फरीदाबाद (हिंस)। हरियाणा के शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने कहा कि टी-4 एजुकेशन द्वारा विश्व के शीर्ष दस स्कूलों में राजकीय कन्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल एनआईटी-5 फरीदाबाद को शामिल किया गया है। यह उपलब्धि प्रदेश के राजकीय स्कूलों के लिए प्रेरणादायक है। इससे यह भी साबित होता है कि सरकारी स्कूल वैश्विक मंच पर श्रेष्ठता प्राप्त कर सकते हैं। प्रदेश सरकार द्वारा स्मार्ट क्लासरूम, एसटीईएम लैब और शिक्षकों के प्रशिक्षण जैसी शिक्षा सुधार पहलों को नई ऊर्जा मिलेगी। महिपाल ढांडा ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि राजकीय कन्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल फरीदाबाद की यह सफलता पूरे प्रदेश के लिए मार्गदर्शक है और सरकारी स्कूलों को नवाचार और समग्र छात्र कल्याण की दिशा में प्रेरित करती है। उन्होंने कहा कि टी-4 एजुकेशन द्वारा आयोजित वर्ल्ड्स बेस्ट स्कूल प्राइज 2025 की स्पोटिंग हैल्थी लिवस श्रेणी में विश्व के शीर्ष 10 स्कूलों को शामिल किया गया है, जिसमें राजकीय कन्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल फरीदाबाद को भी स्थान दिया गया है। बता दें कि टी-4 एजुकेशन एक अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक संगठन है, जिसकी स्थापना 2020 में लंदन, यूनाइटेड किंगडम में हुई थी। यह संगठन 100 से अधिक देशों में कार्य कर रहा है और स्कूल शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए शिक्षकों, स्कूल प्रमुखों और शिक्षा प्रणालियों को सशक्त बना रहा है। टी-4 एजुकेशन द्वारा विश्व के शीर्ष 10 स्कूलों में भारत के राजकीय कन्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल फरीदाबाद, जिला परिषद स्कूल जलिंदर नगर पुणे (महाराष्ट्र), एक्या स्कूल जेपी नगर (कर्नाटक), दिल्ली पब्लिक स्कूल वाराणसी (उत्तर प्रदेश) शामिल हैं।

राज्य स्तरीय संस्कृत दिवस समारोह पुरस्कारों के लिए प्रस्ताव आमंत्रित

जयपुर (हिंस)। राज्य सरकार द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी राज्य स्तरीय संस्कृत-दिवस-समारोह में संस्कृत-क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले संस्कृत विद्वानों का सम्मान किया जाएगा। आयुक्त, संस्कृत-शिक्षा, राजस्थान द्वारा सभी जिला कलक्टर, विश्वविद्यालय-कुलसचिवों, संभागीय संस्कृत शिक्षा अधिकारियों, निदेशक, प्रारम्भिक एवं माध्यमिक शिक्षा, एवं संस्कृत शिक्षा विभाग के संस्था-प्रधानों के माध्यम से विद्वत्प्रस्ताव आमंत्रित किए गए हैं। आयुक्त, संस्कृत-शिक्षा प्रियंका जोधावत ने बताया कि प्रस्तावों के साथ विद्वानों का संक्षिप्त परिचयात्मक विवरण निर्धारित प्रपत्र में चाहा गया है। प्रस्ताव 15 जुलाई 2025 तक अनिवार्य रूप से डाक द्वारा/व्यक्तिगत रूप से एवं विभागीय ईमेल पर भेजे जा सकेंगे। विस्तृत जानकारी एवं आवेदन-प्रारूप विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध है।

यूनेस्को की विश्व प्राकृतिक धरोहर की सूची में दर्ज होगा सलखन फॉसिल्स पार्क

लखनऊ (हिंस)। जनपद सोनभद्र स्थित सलखन जीवाष्म पार्क यूनेस्को की विश्व प्राकृतिक धरोहर की सूची में दर्ज होगा। भूवैज्ञानिकों, पर्यावरणविदों और अंतर्राष्ट्रीय विरासत विशेषज्ञों के सहयोग से यूनेस्को की सूची में दर्ज कराने के लिए आवश्यक तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। यह जीवाश्म पृथ्वी पर जीवन के शुरुआती चरणों का महत्वपूर्ण प्रमाण है, जो जीवन की शुरुआत की कहानी बयां करते हैं। यूनेस्को की सूची में दर्ज होने से देश-विदेश के पर्यटक एवं भू-वैज्ञानिक देखने एवं शोध करने सोनभद्र पहुंचेंगे, जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय लोगों को आय का साधन सृजित होगा। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश के लिए गौरव की बात होगी। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि बताया कि स्थानीय समुदायों को जागरूक करने, उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने और सतत संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए जन अभियान भी शुरू किए जाएंगे। यूनेस्को की सम्भावित सूची में शामिल होने के बाद उत्तर प्रदेश इको पर्यटन विकास बोर्ड ने सलखन फॉसिल्स पार्क को विश्व धरोहर स्थलों की स्थायी सूची में शामिल कराने के लिए प्रयास तेज कर दिए हैं। उन्होंने बताया कि जनपद सोनभद्र प्राकृतिक रूप से दर्शनीय एवं रमणीक स्थलों के लिए जाना जाता है। सलखन जीवाष्म पार्क पर्यटकों की भीड़ बढ़ने से उत्तर प्रदेश का नाम वैश्विक पर्यटन सूची में दर्ज हो जाएगा। जयवीर सिंह ने बताया कि विशेषज्ञों के अनुसार, स्ट्रोमेटोलाइट्स प्रकार के यह जीवाश्म पार्क के करीब 1400 मिलियन वर्ष पुराना होने का अनुमान है। रॉबर्ट्सगंज से लगभग 15 किलोमीटर दूर सलखन गांव के पास स्थित जीवाश्म पार्क कैमूर वन्यजीव अभयारण्य और विन्ध्य पर्वतमाला क्षेत्र में फैला है। करीब 25 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला यह स्थल अपनी पुरातन चूना पत्थर संरचनाओं और दुर्गम भौगोलिक परिक्षेत्र के लिए जाना जाता है। यहां मौजूद स्ट्रोमैटोलाइट्स (प्राचीन परतदार सूक्ष्मजीवी शैल संरचनाएं) दुनिया के सबसे पुराने और सुरक्षित जीवाश्मों में गिने जाते हैं। पर्यटन मंत्री ने बताया कि अमेरिका के एलो स्टोन पार्क को दुनिया का सबसे प्राचीन जीवाष्म पार्क माना जाता है। भू-वैज्ञानिकों का अनुमान है कि सलखन जीवाष्म पार्क उससे भी अधिक प्राचीन है। सलखन फॉसिल पार्क न केवल भारत के लिए बल्कि पूरी मानवता के लिए एक महत्वपूर्ण भू-वैज्ञानिक और सांस्कृतिक धरोहर के रूप में स्थापित होगा। पर्यटन निदेशक प्रखर मिश्रा ने बताया कि यह केवल जीवाश्मों की बात नहीं है, बल्कि हम उस धरोहर की बात कर रहे हैं जो हमें पृथ्वी के शुरुआती दिनों से जोड़ती है।

मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना : तीसरे चरण की मैरिट सूची जारी

जयपुर (हिंस)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना के अंतर्गत पात्र अभ्यर्थियों की तीसरे चरण की मेरिट सूची जारी कर दी है। चयनित अभ्यर्थियों को 25 जून, 2025 तक कोचिंग संस्थानों में अपनी उपस्थिति देनी होगी। निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव बचनेश अग्रवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजनान्तर्गत प्रथम एवं द्वितीय चरण की मेरिट सूची में से कुछ अभ्यर्थियों ने समय पर उपस्थिति नहीं देने के कारण रिक्त रह गई। ऐसे में जिन अभ्यर्थियों के आवेदन पत्र अनुमोदित थे लेकिन अभी तक उनको कोई कोचिंग संस्थान आवंटित नहीं हुआ। उन अभ्यर्थियों को सम्मिलित करते हुए सत्र 2024-25 के लिए तृतीय चरण की मेरिट सूची जारी की गई है। अग्रवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजनान्तर्गत सत्र 2024-25 के लिए जारी तृतीय चरण की मेरिट सूची विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि योजनांतर्गत सत्र 2024-25 के लिए जारी तृतीय चरण की मेरिट सूची में चयनित अभ्यर्थी की एसएसओ आईडी पर प्रदर्शित कोचिंग संस्थान अपनी सुविधानुसार 25 जून, 2025 तक अपनी उपस्थिति दर्ज करवा सकते हैं। गौरतलब है कि विभिन्न प्रोफेशनल कोर्स के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षाओं एवं सरकारी नौकरियों के लिए आयोजित होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी उत्कृष्ट ढंग से कराने एवं समान अवसर प्रदान करने के लिए विभाग द्वारा यह अवसर दिया जा रहा है।

नदी में डूबने से चार बच्चों की मौत

पटना (हिंस)। बिहार के बेगूसराय जिले में नदी में नहाने के दौरान चार बच्चों की डूबने से मौत हो गई है, वहीं तीन बच्चों को बचा लिया गया है। मृतकों में सभी बच्चे एक ही गावं के हैं, जिसमें दो बच्चे जुड़वां भाई थे। घटना के सूचना मिलने के बाद स्थानीय गोताखोरों के द्वारा चारों शव को बारी-बारी से बाहर निकाला गया। पुलिस के मुताबिक जिले के खोदाबंदपुर थाना क्षेत्र में सागी पंचयात के नुरुल्लाहपुर गांव के कुल आठ बच्चे बूढ़ी गंडक नदी के सहनी घाट पर स्नान करने आए थे। स्नान करने के दौरान चार बच्चों की डूबने से मौत हो गई, वहीं तीन बच्चे जैसे-तैसे बाहर निकल आए। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतकों में नुरुल्लाहपुर गांव के ब्रह्मस्थान के रहने वाले कल्लर दास का 12 वर्षीय पुत्र रौशन कुमार, वहीं कल्लर दास के दो जुड़वां पोते और चांदसी दास के पुत्र अविनाश कुमार और अभिषेक कुमार के रूप में हुई है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर वृहद पौधरोपण कराएगी योगी सरकार

लखनऊ (हिंस)। योगी सरकार भावी पीढ़ी को एक तरफ डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के कृतित्व-व्यक्तित्व से परिचित करा रही है तो वहीं दूसरी तरफ उनके बलिदान दिवस पर पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश देगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वन विभाग को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस (23 जून) पर पूरे प्रदेश में वृहद पौधरोपण कराने का निर्देश दिया है। इसमें जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों-परिवारजनों की सहभागिता भी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया है। योगी सरकार के निर्देश पर पूरे प्रदेश में भव्य पौधरोपण किया जाएगा। प्रधान मुख्य वन संरक्षक व विभागाध्यक्ष सुनील चौधरी ने सभी प्रभागों को निर्देशित किया है कि 23 जून को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर प्रत्येक जनपद में वृहद स्तर पर पौधरोपण किया जाएगा। सभी प्रभागों द्वारा चयनित स्थल की जानकारी से आमजन को अवगत कराया जाए। चयनित स्थल पर स्थायी बोर्ड की स्थापना कर उसमें *डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस दिनांक- 23 जून 2025 पर पौधरोपण* भी हर हाल में अंकित हो। हर प्रभाग द्वारा रोपित किए गए पौधों व स्थलों की जानकारी से मुख्यालय को अवगत कराया जाएगा। चौधरी ने सभी मंडलीय-जोनल वन संरक्षकों, प्रभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि सोमवार को होने वाले इस वृहद पौधरोपण कार्यक्रम की तैयारी समय से पूरी कर लें। पौधरोपण अभियान में जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, सामाजिक संस्थाओं, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों व उनके परिवारजनों की सहभागिता सुनिश्चित हो।

उत्तर बिहार के लोगों को मिलेगी वंदे भारत की सौगात, पीएम करेंगे उद्घाटन

पूर्वी चंपारण (हिंस)। रेलवे ने चंपारण और मुजफ्फरपुर समेत उत्तर बिहार को बड़ी सौगात दी है। अब गोरखपुर से पटना के बीच वंदे भारत ट्रेन दौड़ेगी। जिसकी शुरूआत 20 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सिवान में आयोजित कार्यक्रम में वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से करेगे। इस ट्रेन की शुरूआत होने से पूर्वी व पश्चिमी चंपारण के साथ मुजफ्फरपुर और वैशाली जिले के लोगो को कम समय में पटना पहुंचने में सहुलियत होगी। रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार उद्घाटन स्पेशल बंदे भारत ट्रेन पाटलिपुत्र से रवाना होकर दोपहर दो बजे के करीब बापूधाम मोतिहारी स्टेशन पहुंचेगी। जहां सांसद सह पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री राधामोहन सिंह ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर अगले स्टेशन के लिए रवाना करेंगे। बंदे भारत ट्रेन

की सुरक्षा को लेकर आरपीएफ लगातार जागरूकता अभियान चला रही है। वही इस ट्रेन को लेकर रेलवे बोर्ड ने समय सारणी जारी किया है। जिसके अनुसार, गाड़ी संख्या 26502 गोरखपुर-पाटलिपुत्र बंदे भारत एक्सप्रेस गोरखपुर से सुबह 05-40 बजे खुलकर, 06-24 बजे कप्तानगंज, 07-05 बजे पनियहवा, 07-30 बजे बगहा, 08-05 बजे नरकटियागंज, 08-35 बजे बेतिया, 08-50 बजे सुगौली,, 9-08 बजे बापूधाम मोतिहारी, मुजफ्फरपुर, 10-50 11-40 बजे हाजीपुर होते हुए दोपहर 12-45 बजे पाटलिपुत्र पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 26501 पाटलिपुत्र-गोरखपुर बंदे भारत एक्सप्रेस दोपहर 02-25 बजे पाटलिपुत्र से खुलकर 03-00 बजे हाजीपुर, 03-55 बजे मुजफ्फरपुर, शाम 05-38 बजे बापूधाम मोतिहारी, 06-05 बजे बेतिया, 06-33 बजे नरकटियागंज, 07-02 बजे बगहा, 07-50 बजे पनियहवा, 08-24 बजे कप्तानगंज होते हुए रात्रि 09-35 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। शनिवार को छोड़कर यह ट्रेन सप्ताह में छह दिन चलेगी। आरपीएफ के अनुसार वंदेभारत ट्रेन परिचालन शुरू होने को लेकर रेलवे लाइन किनारे बसे लोगों को रेलवे ट्रैक से दूर रहने के लिए जागरूक किया जा रहा है।

एयर इंडिया ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की संख्या में 15 प्रतिशत की कटौती की, मध्य जुलाई तक जारी रहेगी कटौती

नई दिल्ली

टाटा ग्रुप की स्वामित्व वाली कंपनी एयर इंडिया ने अपनी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में 15 प्रतिशत की कटौती करने का ऐलान किया है। बताया जा रहा है कि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में कटौती करने का ये फैसला 12 जून को अहमदाबाद में हुए विमान हादसे के बाद शुरू हुई सुरक्षा जांच, ईरानी एयर स्पेस के बंद होने और अन्य तकनीकी कारणों की वजह से लिया गया है। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की संख्या में की गई ये कटौती कम से कम जुलाई के पहले पखवाड़े तक जारी रहेगी। एयर इंडिया द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किए गए एक पोस्ट में कहा गया है कि एयर इंडिया के सामने उत्पन्न कठिन स्थितियों को देखते हुए एयरलाइन के ऑपरेशन की स्थिरता और बेहतर दक्षता को सुनिश्चित करने के लिए तथा मुसाफिरों की असुविधा को कम करने के लिए एयरलाइन ने अगले कुछ सप्ताह तक अंतरराष्ट्रीय विमान की उड़ानों की संख्या में 15 प्रतिशत की कटौती करने का फैसला किया है। एयरलाइन के अनुसार अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की संख्या में कटौती शुक्रवार 20 जून से लागू की जाएगी, जो कम से कम मध्य जुलाई तक जारी रहेगी। सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा गया है कि मिडिल ईस्ट में जारी जियो पॉलिटिकल टेंशन, यूरोप और पूर्वी एशिया के कई देशों में जारी नाइट कर्फ्यू और एयरलाइन की सुरक्षा जांच की वजह से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में अस्थिरता आ रही है। उल्लेखनीय है कि अहमदाबाद प्लेन क्रैश के बाद से ही एयर इंडिया को संचालन व्यवधान (ऑपरेशन हर्डल्स) का सामना करना पड़ा है, जिसकी वजह से पिछले 6 दिनों में एयरलाइन की 80 से अधिक अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। एयरलाइन ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की संख्या में की गई कटौती से प्रभावित होने वाले मुसाफिरों से असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया है। एयर इंडिया की ओर से कहा गया है कि जिन यात्रियों की उड़ानें प्रभावित हुई हैं, उन सभी को समय रहते सूचित किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

टीवीएस आईक्यूब इलेक्ट्रिक स्कूटर ने की रिकॉर्ड बिक्री, ओला-बजाज को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली। टीवीएस आईक्यूब भारतीय बाजार में बिक्री के नए इतिहास रच रहा है। इसने घरेलू बाजार में 6 लाख थोक बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया है। ओला और बजाज को पीछे छोड़ा। आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल 2025 के आखिर में केवल 1,345 यूनिट की कमी थी, जो मई 2025 के पहले दो दिनों में हासिल की गई, जिसमें 27,642 यूनिट की बिक्री हुई और कुल मिलाकर 6,26,297 यूनिट हो गई। ये कंपनी का पहला इलेक्ट्रिक स्कूटर है। ये मई में देश का नंबर-1 ई-स्कूटर भी है। आईक्यूब की पहली 1,00,000 यूनिट की बिक्री में तीन साल से थोड़ा ज्यादा समय लगा। 1,00,000 से 2,00,000 यूनिट तक का सफर सिर्फ 10 महीने में पूरा कर लिया, जबकि, 3,00,000 यूनिट थोक बिक्री मई 2024 की शुरुआत में पार कर ली, जो 53 महीने या चार साल और चार महीने है। पिछले 3,00,000 यूनिट्स को सिर्फ़ 12 महीनों में पूरे भारत में टीवीएस डीलरों को भेजा गया है, जो ई-स्कूटर की बढ़ती मांग को दर्शाता है। बता दें आईक्यूब को जनवरी 2020 में लॉन्च किया गया था, जो फुल एलईडी लाइट्स, कनेक्टेड टेक्नोलॉजी से लैस है और इसे एक बड़ी सीट और बढ़िया स्टोरेज स्पेस के साथ एक फैमिली ई-स्कूटर के रूप में पेश किया गया है। इलेक्ट्रिक स्कूटर को 6,00,000 बिक्री करने में 65 महीने लगे हैं। जैसा कि डेटा दिखता है कि पिछले तीन फाइनेंशियल ईयर में मांग बढ़ी है, जो फाइनेंशियल ईयर 2025 में तेजी से बढ़ेगी।

एनसीआर में खरीद सकते हैं 8 लाख का भू-खंड, पैसे भी किश्तों में चुकाना है

नोएडा। यमुना प्राधिकरण ने इसके लिए सबसे पुराने आवासीय सेक्टर-18 और 20 में जगह चिह्नित कर ली है। भूखंड की कीमत 7.5 लाख से लेकर 8 लाख रुपये के बीच होगी। योजना में सफल होने वाले आवेदक ढाई मंजिला मकान बना सकेंगे। लोगों को किस्तों में रुपये जमा करने की सुविधा प्रदान की जाएगी। महत्वपूर्ण शर्त यह रखी जाएगी कि 10 साल तक भूखंड या मकान बेच नहीं सकेंगे। ग्रेटर नोएडा के यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोग भी आवास बना सकेंगे। इस वर्ग के लोगों के लिए 30 वर्गमीटर के छोटे भूखंडों की योजना शुरू आएगी। पहले चरण में कुल 4288 भूखंडों की योजना निकाली जाएगी। इस प्रस्ताव को बोर्ड ने बुधवार को मंजूरी दे दी। इस योजना में गौतमबुद्ध नगर और उत्तर प्रदेश के मूल निवासी ही आवेदन कर सकेंगे। साथ ही, तीन लाख रुपये प्रतिवर्ष आय वाले लोग ही पात्र होंगे। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए लाई जाने वाली इस योजना में भारतीय सेना के जवान, पूर्व सैनिकों, युद्ध में शहीद हुए जवान की विधवा, दिव्यांगजनों को 5-5 फीसदी आरक्षण का लाभ दिया जाएगा।

अमेरिकी फेड ने बेंचमार्क ब्याज दर में नहीं किया कोई बदलाव

नई दिल्ली। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की फेडरल ओपन मार्केट कमेटी ने अपनी बेंचमार्क ब्याज दर में कोई बदलाव नहीं किया है। अब यह दर 4.25 फीसदी से 4.5फीसदी के बीच ही बनी रहेगी। यह चौथी बार जब फेड ने दरों को स्थिर रखा है। कमेटी के सदस्यों ने इस फैसले का समर्थन किया। बैठक के बाद फेड ने कहा कि महंगाई अभी भी कुछ हद तक ज्यादा है। साथ ही यह भी बताया गया कि हाल के आंकड़े बताते हैं कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था में मजबूती के साथ विकास जारी है। बढ़ती महंगाई की वजह ट्रंप के लगाए गए टैरिफ को बताया फेड ने कहा कि बेरोजगारी दर अब भी कम है और श्रम बाजार की स्थिति मजबूत बनी हुई है, जिससे यह पता चलता है कि अर्थव्यवस्था को लेकर फेड का भरोसा कायम है। फेडरल रिजर्व के चेयरमैन ने कहा है कि अमेरिका में गर्मी के मौसम में वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। उन्होंने इसकी वजह राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ को बताया। चेयरमैन ने कहा कि हम देख रहे हैं कि वस्तुओं की महंगाई थोड़ी बढ़ रही है। हमें उम्मीद है कि गर्मियों में यह और बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि टैरिफ का असर पूरी सप्लाई चेन पर पड़ता है, क्योंकि बहुत सी वस्तुएं महीनों पहले आयात की गई थीं। उन्होंने यह भी बताया कि अब कुछ श्रेणियों जैसे पर्सनल कंप्यूटर और ऑडियो-विजुअल उपकरणों में कीमतें बढ़ रही हैं, और यह टैरिफ बढ़ने की वजह से है।

भारत दे सकता है यूके की अर्थव्यवस्था को तेज रफ्तार : पीयूष गोयल

कहा- मुक्त व्यापार समझौते से दोनों देशों के रिश्ते होंगे और मजबूत

नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था को तेजी से बढ़ने में मदद कर सकता है। भारतीय यूके जाकर वहां की अर्थव्यवस्था में मूल्य जोड़ते हैं। मुक्त व्यापार समझौते से दोनों देशों के रिश्ते और मजबूत होंगे।

गोयल ने लंदन में इंडिया ग्लोबल फोरम (आईजीएफ) में यह बात कही। उन्होंने कहा कि हम इस अनिश्चित विश्व में जो अस्थिरता, अनिश्चितता, चुनौतियों और संकटों से भरा हुआ है, ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था को तेजी से बढ़ने में मदद कर सकते हैं। इस समय दुनिया संकटों और चुनौतियों से भरी है। फिर भी भारत स्थिरता, तेज विकास के दौर में है। यहां के लोग अपने शांत स्वभाव के कारण पूरे विश्वभर में जाने जाते हैं।

उन्होंने कहा कि चार करोड़ भारतीय विश्व के अलग-अलग देशों में रहते हैं, जो अपनी प्रतिभा और कौशल के लिए पहचाने जाते हैं। इंडिया ग्लोबल फोरम में बोलते हुए गोयल ने यूके-भारत मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि इसे मुफ्त में दिए जाने वाला कहना अनुचित है। भारतीय लोग जब यहां आते हैं तो वे यूके की अर्थव्यवस्था में मूल्य जोड़ते हैं।

एफटीए के लागू होने की समयसीमा के बारे में उन्होंने कहा, ''मेरा मानना है कि ब्रिटेन की संसद द्वारा उनकी प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद बहुत जल्द इसे एक लागू करने योग्य समझौते का रूप दे दिया जाएगा। भारत में हमारी प्रक्रिया तुलनात्मक रूप से काफी तेज है, इसलिए जैसे ही कानूनी प्रक्रिया पूरी हो जाएगी और दस्तावेज तैयार हो जाएगा, हम (इसे लागू करने के लिए) तैयार होंगे।'' केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने 'एक्स' पोस्ट में कहा कि ब्रिटेन के व्यापार और व्यापार सचिव जोनाथन रेनॉल्ड्स के साथ एक सार्थक वार्ता बैठक आयोजित की। बैठक में दोनों देशों की महत्वाकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करने वाले व्यापक और पारस्परिक रूप से लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते को लागू करने के हमारे साझा लक्ष्य को दोहराया। इससे पहले पीयूष गोयल ने बुधवार को ब्रिटेन की संस्कृति, मीडिया और खेल मंत्री लिसा नंदी से मुलाकात की। उल्लेखनीय है कि गोयल यूके और भारत के बीच मुक्त व्यापार समझौते के क्रियान्वयन से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने तथा दोनों देशों के बीच व्यापार एवं निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों का पता लगाने के लिए दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर लंदन में हैं।

सेल ने आईएनएस अर्णाला का उत्पादन करने के लिए आपूर्ति की स्टील

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की सबसे बड़ी इस्पात उत्पादक कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने रक्षा के क्षेत्र में देश की आत्मनिर्भरता और आयात प्रतिस्थापन की दिशा में एक और कदम बढ़ाया है। देश की महारत्न कंपनी सेल ने देश के पहले एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट अर्णाला के लिए विशेष इस्पात की जरूरत को सफलतापूर्वक पूरा किया है। आईएनएस अर्नाला को 18 जून को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया। मंत्रालय ने कहा कि सेल ने गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) में बनाए जा रहे अन्य सात एएसडब्ल्यू-एसडब्ल्यूसी कोरवेट के लिए भी विशेष इस्पात की पूरी आपूर्ति की है। रक्षा स्वदेशीकरण की दिशा में भारत के प्रयासों में एक प्रमुख भागीदार के तौर पर सेल ने इस परियोजना के लिए आवश्यक जरूरत की विशेष स्टील की आपूर्ति की है। यह देश की आत्मनिर्भर भारत की पहल को लागू करने और आयात पर निर्भरता को कम करने में सेल की प्रतिबद्धता का एक और प्रभावशाली उदाहरण है। महारत्न कंपनी सेल ने इससे पहले भी आईएनएस विक्रांत, आईएनएस विंध्यगिरि, आईएनएस नीलगिरी, आईएनएस सूरत जैसी कई परियोजनाओं के लिए विशेष इस्पात की आपूर्ति की है।

अब देश में सभी मोबाइल नंबरों के लिए केवॉयसी अनिवार्य, सरकार ने लिया फैसला

नई दिल्ली

सरकार ने मोबाइल सेवाओं में पारदर्शिता और सुरक्षा को लेकर बड़ा फैसला किया है। अब देश में सभी मोबाइल नंबरों के लिए केवॉयसी यानी नो योर कस्टमर प्रक्रिया को पूरी तरह अनिवार्य कर दिया है। सरकार के इस फैसला विशेष रूप से उन उपभोक्ताओं पर असर पड़ेगा जो अब तक बिना पूरी पहचान के प्रीपेड सिम कार्ड ले लेते थे। पहले तक प्रीपेड ग्राहकों को कुछ हद तक केवॉयसी में छूट दी गई थी, लेकिन अब यह छूट पूरी तरह से समाप्त कर दी गई है। अब चाहे मोबाइल नंबर प्रीपेड हो या पोस्टपेड, ग्राहक को पहचान और पते का प्रमाण भी देना ही होगा। यह प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से जैसे टेलीकॉम कंपनियों की वेबसाइट या ऐप के जरिए या फिर ऑफलाइन टेलीकॉम स्टोर्स पर जाकर पूरी की जा सकती है। सरकार का कहना है कि यह कदम देश में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए उठाना जरुरी था। मोबाइल नंबरों का दुरुपयोग टेरर फंडिंग, मनी लॉन्ड्रिंग और साइबर फ्रॉड जैसी गतिविधियों में किया जाता है। बिना केवॉयसी वाले नंबर इन अपराधों में सहायक हो सकते हैं, इसलिए इस फैसले से इन पर काफी हद तक नियंत्रण लगेगा। इसके अलावा हर मोबाइल नंबर एक वैध और प्रमाणित व्यक्ति से जुड़ा होगा, जिससे सरकार को आपातकालीन सेवाओं और कल्याणकारी योजनाओं की डिलीवरी में भी मदद मिलेगी। इस नए नियम का असर प्रीपेड मोबाइल यूजर्स पर पड़ेगा। उन्हें अब सिम खरीदते समय पूरी केवॉयसी प्रक्रिया से गुजरना होगा। यह प्रक्रिया थोड़ी समय लेने वाली और असुविधाजनक लग सकती है, लेकिन सरकार का मानना है कि इससे लंबे समय में आम नागरिकों को ही फायदा होगा। वहीं पोस्टपेड यूजर्स पर इसका प्रभाव सीमित रहेगा क्योंकि वे पहले से ही केवॉयसी प्रक्रिया से गुजर होंगे। हालांकि उन्हें भी समय-समय पर अपनी जानकारी अपडेट करनी होगी। कुल मिलाकर सरकार का यह कदम मोबाइल यूजर्स की सुरक्षा बढ़ाने, डिजिटल ट्रैकिंग को मजबूत करने और अवैध कार्यों को रोकने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

तकनीकी खराबी के कारण लेह जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट दिल्ली वापस लौटी

इंडिगो एयरलाइन की नई दिल्ली से लेह जाने वाली उड़ान संख्या 6ई 2006 तकनीकी खराबी के कारण गुरुवार सुबह दो घंटे से अधिक समय तक हवा में रही और उसके बाद उसे आईजीआई हवाई अड्डे पर उतारना पड़ा। एयरलाइन के प्रवक्ता ने बताया कि दिल्ली से लेह के लिए 19 जून को उड़ान भरने वाली फ्लाइट (6ई-2006) तकनीकी समस्या के कारण अपने मूल स्थान पर लौट आई है। प्रवक्ता ने यह भी कहा कि परिचालन पुनः शुरू करने से पहले विमान का आवश्यक रखरखाव किया जा रहा है। यात्रियों को लेह ले जाने के लिए एक वैकल्पिक विमान की व्यवस्था की गई है। उन्होंने इस विमान में सफर करने वाले यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद जताया है। हालांकि, इस विमान में सवार यात्रियों की संख्या के बारे में तत्काल जानकारी नहीं मिल सकी। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार दिल्ली से लेह जाने वाली इंडिगो एयरलाइंस की उड़ान 6ई-2006 का संचालन करने वाला A320 विमान दो घंटे से अधिक समय तक हवा में रहने के बाद राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली लौट आया है। इसके अलावा एक अलग घटना में हैदराबाद से तिरुपति जा रहा स्पाइसजेट एयरलाइन का एक विमान गुरुवार को तकनीकी खराबी के कारण उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर वापस आ गई।

डीपीआईआईटी और योरस्टोरी मीडिया ने देशभर में जमीनी स्तर पर उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए हाथ मिलाया

नई दिल्ली

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने अग्रणी डिजिटल प्लेटफॉर्म योरस्टोरी मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ में एक रणनीतिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस पहल का उद्देश्य समावेशी उद्यमिता को बढ़ावा देना और पूरे भारत में गतिशील स्टार्टअप का समर्थन करना है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में बताया कि इस समझौता ज्ञापन पर औपचारिक रूप से डीपीआईआईटी के उप सचिव राजेश कुमार और योरस्टोरी एवं द भारत प्रोजेक्ट की संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) श्रद्धा शर्मा ने दोनों संगठनों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर डीपीआईआईटी के संयुक्त सचिव संजीव सिंह ने उद्यमियों की अगली पीढ़ी को आगे बढ़ाने में समावेशी प्लेटफार्मों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि साझेदारी नेटवर्क, ज्ञान और सफलता की कहानियों तक पहुंच का विस्तार करेगी, विशेष रूप से वंचित क्षेत्रों के महत्वाकांक्षी संस्थापकों के लिए जिससे भारत की वैश्विक नवाचार केंद्र बनने की यात्रा में तेजी आएगी।

मंत्रालय ने कहा कि यह साझेदारी जमीनी स्तर पर उद्यमशीलता को बढ़ावा देने और ग्रामीण भारत में उभरती प्रतिभाओं का समर्थन करने के डीपीआईआईटी के दृष्टिकोण के अनुरूप है। इस सहयोग का उद्देश्य भारत परियोजना के तहत एआई-संचालित टूल, वेंचर लॉन्चपैड और क्षेत्रीय भाषा की कहानी कहने की पहल के जरिए एक मिलियन उद्यमियों को सशक्त बनाना है। ये समझौता भारत के प्रौद्योगिकी क्षेत्र में जुड़ाव बढ़ाने के लिए प्रमुख स्टार्टअप कार्यक्रमों को एकीकृत करेगा।

इसके अतिरिक्त यह पहल भारत के स्टार्टअप और प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र के भीतर जुड़ाव को बढ़ाने के लिए प्रमुख स्टार्टअप कार्यक्रमों और डेवलपर-केंद्रित प्लेटफार्मों का भी लाभ उठाएगी। ये प्लेटफॉर्म इनोवेशन शोकेस, संस्थापक-निवेशक नेटवर्किंग और एआई, जेनएआई, डेटा और ब्लॉकचेन जैसे उभरते क्षेत्रों में सहायता की सुविधा प्रदान करेंगे।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में भी चौतरफा बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी कमजोरी के साथ कारोबार कर रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के कारोबार के दौरान लगातार बिकवाली होती रही। वहीं एशियाई बाजारों में भी बिकवाल हावी नजर आ रहे हैं।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती नहीं करने और ईरान-इजराइल के बीच तनाव बढ़ने की वजह से अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान निराशा का माहौल बना रहा। डाउ जॉन्स अपने ऊपरी स्तर से 350 अंक से अधिक फिसल कर बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 0.03 प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ 5,980.87 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर, नैस्डेक 0.13 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 19546.27 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ 42,121.05 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.11 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,843.47 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स ने 0.36 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,656.12 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 116.84 अंक यानी 0.50 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,317.81 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में भी चौतरफा दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजार में से 8 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक मामूली बढ़त के साथ हरे निशान में बना हुआ है। एशियाई बाजार में से इकलौता गिफ्ट निफ्टी फिलहाल 0.08 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,830 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स 267.59 अंक यानी 0.69 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 38,617.56 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.24 प्रतिशत टूट कर 3,911.49 अंक के स्तर तक गिर गया है। हैंग सेंग इंडेक्स में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 443.66 अंक यानी 1.87 प्रतिशत फिसल कर 23,267.03 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स भी 1.87 प्रतिशत लुढ़क कर 1,074.09 अंक के स्तर तक पहुंचा हुआ है। इसके अलावा ताइवान वेटेड इंडेक्स 263.98 अंक यानी 1.18 प्रतिशत फिसल कर 22,092.75 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 99.83 अंक यानी 1.40 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,007.96 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.86 प्रतिशत लुढ़क कर 3,359.78 अंक के स्तर पर और कोस्पी इंडेक्स 0.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,966.90 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

रवि शास्त्री की शुभमन गिल को सलाह-उन्हें अपना समय लेना चाहिए

नई दिल्ली

भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज कल यानी शुक्रवार से शुरू हो रही है। पहला टेस्ट लीड्स में खेला जाएगा। शुभमन गिल के नेतृत्व में एक युवा टीम इस दौरे पर गई है। भारतीय टीम रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन जैसे दिग्गजों के बिना टेस्ट क्रिकेट में उतरेगी।

ऐसे में 25 साल के गिल की कप्तानी में भारतीय टीम की यह पहली परीक्षा होगी। इस बीच पूर्व क्रिकेटर और पूर्व हेड कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि बतौर कप्तान गिल के लिए ये टेस्ट सीरीज बिल्कुल भी आसान नहीं होगी। युवा कप्तान को इस चुनौतीपूर्ण भूमिका को निभाने के लिए धैर्य और संयम की जरुरत है।

रवि शास्त्री ने आईसीसी रिव्यू के नवीनतम एपिसोड में कहा कि मुझे लगता है कि उन्हें अपना समय लेना चाहिए। यह आसान नहीं होगा। उन्हें एक कठिन काम करने के लिए कहा गया है जो है इंग्लैंड दौरे पर भारत की कप्तानी करना।

गिल ने अपने टेस्ट करियर में अभी 32 मैच ही खेले हैं। उन्होंने दिसंबर 2020 में पदार्पण के बाद से इतने मैचों में 35.05 की औसत से 1893 रन बनाए हैं। इंग्लैंड की पिचें हमेशा खिलाड़ियों की परीक्षा लेती हैं। ऐसे में देखना होगा कि बतौर कप्तान शुभमन गिल का करियर कैसे शुरू होता है, वो भी तब जब विराट कोहली, रोहित शर्मा जैसे दिग्गज टीम में नहीं हैं, जिन्होंने टेस्ट से संन्यास ले लिया है। हालांकि, शास्त्री का मानना है कि यह दौरा युवा खिलाड़ी के करियर के लिए महत्वपूर्ण विकासात्मक चरण साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि ये कभी आसान नहीं होता लेकिन मुझे लगता है कि वह इस अनुभव से सीखेगा। मैंने आईपीएल में गुजरात टाइटन्स के साथ खेलते हुए उन्हें देखा, वे बहुत ही शांत और संतुलित नजर आए। उनका स्वभाव बहुत अच्छा है। शास्त्री ने कहा, वह एक व्यक्ति के रूप में परिपक्व हो गए हैं, उनके साथ कुछ युवा खिलाड़ी हैं और मुझे लगता है कि जहां तक शुभमन गिल की बात है तो यह सीखने का एक मौका है।

भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मैच कल से लीड्स में खेला जाएगा। दूसरा टेस्ट मैच बर्मिंघम के एजबेस्टन में 2 से 6 जुलाई, तीसरा मैच लॉर्ड्स में 10 से 14 जुलाई, चौथा टेस्ट मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड क्रिकेट ग्राउंड पर 23 से 27 जुलाई और पांचवां टेस्ट मैच केनिंग्टन ओवल में 31 जुलाई से 4 अगस्त के बीच खेला जाएगा। -

न्यूज ब्रीफ

आलिया एलीन और कियाना जोसेफ आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन पर दोषी करार

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज महिला क्रिकेट टीम की दो खिलाड़ियों आलिया एलीन और कियाना जोसेफ को

दूसरे महिला वनडे मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति जताने के कारण आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया है। यह मुकाबला बीते सप्ताहांत बारबाडोस के ओवल में दक्षिण अफ्रीका महिला टीम के खिलाफ खेला गया था। दोनों खिलाड़ियों ने आईसीसी की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.8 का उल्लंघन किया है, जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के निर्णय पर असंतोष प्रकट करने से संबंधित है। आलिया एलीन को आउट दिए जाने के बाद खुले हाथों से इशारा करते हुए मैदान छोड़ने में देरी करने पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना और एक डिमेरिट पॉइंट दिया गया। कियाना जोसेफ ने यही गलती और अधिक आक्रामक अंदाज में की, जिसके चलते उन्हें मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना और दो डिमेरिट पॉइंट दिए गए। दोनों खिलाड़ियों ने अपने-अपने अपराध को स्वीकार कर लिया और अंपायरों की सिफारिश पर मैच रेफरी अख्तर अहमद द्वारा सुझाए गए दंड को भी मान लिया। इसलिए किसी भी तरह की औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता नहीं पड़ी। चारों अंपायर—जैकलीन विलियम्स, निमाली परेरा, कैंडेस ला बोर्डे (तीसरे अंपायर) और मारिया एबट (चौथे अंपायर)—ने इन खिलाड़ियों पर आरोप लगाए थे। गौरतलब है कि लेवल 1 के उल्लंघन में अधिकतम मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना और एक या दो डिमेरिट पॉइंट दिए जा सकते हैं।

भारत की अंडर-23 टीम ताजिकिस्तान के खिलाफ दोस्ताना मुकाबले में 2-3 से हारी

नई दिल्ली। तुरसुंजोदा स्थित टेल्को एरीना में बुधवार को खेले गए एक अंतरराष्ट्रीय दोस्ताना फुटबॉल मुकाबले में भारत की अंडर-23 पुरुष फुटबॉल टीम को ताजिकिस्तान के हाथों 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। मोहन बागान सुपर जाइंट्स के फॉरवर्ड सुहैल अहमद भट ने 33वें मिनट में गोल कर भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई। यह गोल मैकार्टन की तेज रफ्तार से दाहिनी ओर से भेजी गई लो क्रॉस पर हुआ, जिसे सुहैल ने एक ही टच में गोल में तब्दील कर दिया। हालांकि, भारत को जल्द ही झटका लगा जब एफसी गोवा के मिडफील्डर आयुष देव छेत्री को रेड कार्ड दिखाकर मैदान से बाहर कर दिया गया। इसके बाद 59वें मिनट में मुसो खाखोरोव की क्रॉस पर अंसोर खबीबोव ने गोल कर ताजिकिस्तान को बराबरी दिला दी। हालांकि, 85वें मिनट में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड के फॉरवर्ड पार्थिब गोगोई ने मोहम्मद ऐमन के पास पर गोल करते हुए भारत को एक बार फिर से बढ़त दिलाई। ऐमन ने हाफलाइन के पास से इंटरसेप्शन किया और सटीक थ्रू बॉल पर पार्थिब ने गोलकीपर को चकमा देकर गेंद को नेट में डाला।

हैम्पशायर काउंटी क्लब ने तिलक वर्मा के करार की पुष्टि की, चार रेड-बॉल मुकाबलों के लिए टीम में चयन

नई दिल्ली। हैम्पशायर काउंटी क्रिकेट क्लब ने भारतीय युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा के साथ करार की पुष्टि की

है। तिलक रेड-बॉल क्रिकेट के लिए टीम के साथ जुड़ेंगे और काउंटी चैम्पियनशिप के अगले चार मुकाबलों में चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। उनका पहला मुकाबला 22 से 25 जून तक एसेक्स के खिलाफ चेल्म्सफोर्ड में होगा। भारतीय टीम की ओर से 29 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके तिलक वर्मा ने अब तक 25 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 749 रन बनाए हैं। इसमें दो शतक शामिल हैं, जो नवंबर 2024 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लगातार पारियों में आए थे। इसके अलावा उन्होंने तीन अर्धशतक भी जड़े हैं, जिसमें साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई 72* रनों की पारी शामिल है। टी20 और खासकर आईपीएल में अपने प्रदर्शन के लिए चर्चित तिलक ने 2019 में छोटे फॉर्मेट में पदार्पण किया था। 2022 में मुंबई इंडियंस ने उन्हें अपनी टीम में शामिल किया और तब से उन्होंने फ्रेंचाइजी के लिए 54 मैचों में लगभग 1500 रन बनाए हैं। उनका औसत 37.47 और स्ट्राइक रेट 144.41 है। जून 2025 तक तिलक वर्मा टी20 अंतरराष्ट्रीय में किसी भी पूर्ण सदस्य देश के बल्लेबाजों में सबसे ऊंचे औसत (49.93) के साथ शीर्ष पर हैं। हैम्पशायर के क्रिकेट निदेशक जाइल्स व्हाइट ने एक बयान में कहा, तिलक जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी को अगले चार मुकाबलों के लिए टीम में पाकर हम बेहद उत्साहित हैं।

भारतीय फुटबॉल कैलेंडर से गायब हुआ आईएसएल

एआईएफएफ ने 2025-26 योजना में नहीं किया शामिल

नई दिल्ली

भारतीय फुटबॉल के 2025-26 सीज़न के लिए अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की ओर से जारी किए गए प्रतियोगिता कैलेंडर में एक बड़ा बदलाव देखने को मिला है। देश की शीर्ष पुरुष फुटबॉल लीग मानी जाने वाली इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) को इस बार के शेड्यूल से पूरी तरह हटा दिया गया है।

आईएसएल की शुरुआत 2014 में फ्रेंचाइज़ी लीग के रूप में हुई थी और 2019 में इसे भारत की शीर्ष श्रेणी (टॉप फ्लाइट) की लीग का दर्जा मिला था। यह लीग फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड (एफएसडीएल) द्वारा संचालित होती है, लेकिन अब इसका भविष्य अधर में लटका हुआ है। इसका मास्टर राइट्स एग्रीमेंट (एमआरए) दिसंबर में समाप्त हो रहा है और अब तक इसके नवीनीकरण पर कोई निर्णय नहीं हुआ है।

अप्रैल 2025 में एआईएफएफ की कार्यकारी समिति ने एफएसडीएल के साथ एमआरए के भविष्य को लेकर चर्चा करने के लिए एक आठ सदस्यीय टास्क फोर्स का गठन किया था। लेकिन इस मुद्दे पर अभी तक कोई ठोस फैसला सामने नहीं आया है, जिससे लीग से जुड़े क्लब भी आने वाले सीज़न को लेकर अनिश्चितता में हैं।

आईएसएल को शेड्यूल से बाहर किए जाने से कई क्लबों की ट्रांसफर योजनाएं भी प्रभावित हुई हैं, क्योंकि वे लीग की समय-सीमा तय नहीं कर पा रहे हैं। इसके चलते खिलाड़ियों की खरीद-फरोख्त और टीम गठन की प्रक्रिया ठप पड़ी हुई है।

2025-26 सीज़न की शुरुआत 15 जुलाई से ड्यूरंड कप के साथ होगी,

जिसके बाद 1 सितंबर से सुपर कप का आयोजन किया जाएगा। खास बात यह है कि सुपर कप अब आईएसएल के बाद नहीं, बल्कि आईएसएल के बिना ही सीज़न के बीच में खेला जाएगा।

एआईएफएफ के इस फैसले के पीछे एक प्रमुख कारण आईएसएल में कम दर्शक संख्या और घटती लोकप्रियता भी मानी जा रही है। साथ ही कई क्लबों द्वारा आईएसएल के मुकाबलों में रिज़र्व या युवा टीमों को भेजा जाना भी इसे एक द्वितीय श्रेणी टूर्नामेंट जैसा बना रहा था।

एआईएफएफ कैलेंडर 2025-26

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने 2025-26 सीज़न के लिए प्रतियोगिताओं का शेड्यूल जारी कर दिया है। जूनियर बालक और बालिका वर्ग (टीयर 1 और 2) की प्रतियोगिताएं 10 जुलाई 2025 से शुरू होकर 31 जुलाई 2025 तक चलेंगी। इसी बीच प्रतिष्ठित ड्यूरंड कप 15 जुलाई से 23 अगस्त 2025 तक आयोजित किया जाएगा।

सुपर कप (या फेडरेशन कप) और सीनियर महिला ग्रुप स्टेज दोनों 1 सितंबर से 20 सितंबर 2025 के बीच खेले जाएंगे। सब-जूनियर बालिकाओं की प्रतियोगिता 10 अगस्त से 31 अगस्त 2025 तक चलेगी।

एआईएफएफ की एलीट यूथ लीग (अंडर-14, अंडर-16 और अंडर-18) 1 सितंबर 2025 से शुरू होकर 31 मई 2026 तक चलेगी। सीनियर महिला फाइनल राउंड 1 से 15 अक्टूबर 2025 तक होगा। वहीं आई-लीग 3 का आयोजन 1 अक्टूबर से 30 नवंबर 2025 तक किया जाएगा।

आई-लीग 19 अक्टूबर 2025 से शुरू होकर 30 अप्रैल 2026 तक चलेगी, जबकि इंडियन विमेन्स लीग (आईडब्ल्यूएल) भी 25 अक्टूबर 2025 से 30 अप्रैल 2026 तक आयोजित होगी।

संतोष ट्रॉफी का ग्रुप स्टेज 5 से 20 दिसंबर 2025 तक और फाइनल राउंड 1 से 20 जनवरी 2026 तक होगा। आईडब्ल्यूएल-2 (इंडियन विमेन्स लीग 2) 25 जनवरी से 30 अप्रैल 2026 तक चलेगी।

इसके अलावा बीच सॉकर चैम्पियनशिप 1 से 15 फरवरी 2026 तक, फुटसल क्लब चैम्पियनशिप 1 से 20 मई 2026 तक, और स्वामी विवेकानंद अंडर-20 चैम्पियनशिप 1 अप्रैल से 31 मई 2026 तक आयोजित की जाएगी।

सीपीएल 2025: डिफेंडिंग चैंपियन सेंट लूसिया किंग्स ने टिम डेविड के साथ किया करार

नई दिल्ली

कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2025 के लिए डिफेंडिंग चैंपियन सेंट लूसिया किंग्स ने आईपीएल विजेता टिम डेविड को ड्राफ्ट के पहले राउंड में अपनी टीम में शामिल किया है। हालांकि, टीम इस बार अपने कप्तान फाफ डु प्लेसिस के बिना मैदान में उतरेगी, जिन्होंने इस बार सीपीएल के बजाय 'द हंड्रेड' में खेलने को प्राथमिकता दी है। डु प्लेसिस सदर्न ब्रेव के लिए खेलेंगे, जो कि आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स के सह-मालिक जीएमआर ग्रुप की संभावित नई संपत्ति है। जीएमआर ग्रुप ने पिछले साल होस्ट काउंटी हैम्पशायर का अधिग्रहण किया था। मोईन अली सीपीएल में, राशिद खान बाहर इंग्लैंड के ऑलराउंडर मोईन अली, जिन्होंने पिछले साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था, इस बार 'द हंड्रेड' छोड़कर सीपीएल खेलेंगे। उन्हें गयाना अमेजन वॉरियर्स ने सातवें राउंड में दोबारा साइन किया। वहीं इमरान ताहिर (46 वर्ष) को भी अमेजन वॉरियर्स ने पहले पिक के रूप में बनाए रखा। दिग्गज स्पिनर राशिद खान इस बार भी सीपीएल में नहीं खेलेंगे, लेकिन अफगानिस्तान के अन्य खिलाड़ियों की उपस्थिति बनी रहेगी। एएम गजनफर, जो इस समय टी20 ब्लास्ट में डर्बीशायर के लिए शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं, फाल्कन्स में शामिल होंगे। अन्य प्रमुख ट्रांसफर और साइनिंग त्रिनबागो नाइट राइडर्स (टीकेआर) ने मोहम्मद आमिर और पहली बार खेलने जा रहे उस्मान तारीक को साइन किया है। फाल्कन्स ने इमाद वसीम और शाकिब अल हसन को अपनी शुरुआती पसंद के रूप में जोड़ा। बारबाडोस रॉयल्स के लिए मुझेब उर रहमान और अजमतुल्लाह ओमारजई वापसी करेंगे। ग्लेन फिलिप्स अमेजन वॉरियर्स में शामिल होंगे, जबकि टिम सिफर्ट किंग्स में बने रहेंगे। कोलिन मुनरो और डैरेन ब्रावो टीकेआर में वापसी करेंगे, जहां ड्वेन ब्रावो अब मुख्य कोच की भूमिका में होंगे। ब्रेकआउट लीग से उभरते खिलाड़ियों को मौका सीपीएल 2025 में हर फ्रेंचाइज़ी को हर मैच में ब्रेक आउट लीग का कम से कम एक खिलाड़ी खिलाना अनिवार्य होगा। इससे फ्रेंचाइज़ी को अपनी प्लेइंग इलेवन में पांच विदेशी खिलाड़ी शामिल करने का विकल्प भी मिलेगा। सेंट लूसिया किंग्स ने लोकल खिलाड़ी अकीम ऑगस्टे को दोबारा टीम में शामिल किया। त्रिनिदाद एंड टोबैगो लीजियंस को ब्रेकआउट लीग खिताब जिताने वाले कप्तान जोशुआ डा सिल्वा अब अपने घरेलू फ्रेंचाइज़ी टीकेआर से जुड़ेंगे। जाइड गूली, जो हाल ही में सीनियर वेस्टइंडीज टीम में चयनित हुए हैं, को पैट्रियट्स ने साइन किया है। सीपीएल 2025 सभी टीमों की पूरी स्क्वॉड: सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स: काइल मेयर्स, जेसन होल्डर, राइली रूसो, एविन लुईस, फजलहक फारूकी, कोर्बिन बॉश, वाकर सलामखेल, आंद्रे फ्लेचर, अलिक अथानाजे, मोहम्मद नवाज, डोमिनिक ड्रेक्स, मिकाइल लुईस, एशमेड नेड, जेरमियाह लुईस, जाइड गूली, नाविन बिदाईसी, लेनिको बुचर एंटीगुआ एंड बारबुडा फाल्कन्स: इमाद वसीम, शाकिब अल हसन, फेबियन एलेन, नावीन-उल-हक, ओबेड मैकॉय, जस्टिन ग्रीव्स, बेवन जैकब्स, जेडन सील्स, एएम गजनफर, रहकीम कॉर्नवाल, ओडियन स्मिथ, ज्वेल एंड्रयू, शमार स्प्रिंगर, अमीर जंगू, करीमा गोर, केविन विकहम, जोशुआ जेम्स।

फर्स्ट हॉकी इंडिया मास्टर्स कप: पहले दिन कर्नाटक, तमिलनाडु और पंजाब की धमाकेदार जीत

चेन्नई में शुरू हुए फर्स्ट हॉकी इंडिया मास्टर्स कप 2025 में पहले दिन महिला और पुरुष वर्ग में कुल चार मुकाबले खेले गए, जहां हॉकी कर्नाटक, हॉकी यूनिट ऑफ तमिलनाडु और हॉकी पंजाब ने शानदार जीत दर्ज की। वहीं, महिला वर्ग में हॉकी महाराष्ट्र को हॉकी हिमाचल के खिलाफ आधिकारिक फॉरफिट के जरिए 5-0 की जीत मिली। कर्नाटक ने रचा इतिहास, स्नेहा की हैट्रिक से 7-0 की बड़ी जीत महिला वर्ग के पहले मुकाबले में हॉकी कर्नाटका ने केरल हॉकी को 7-0 से रौंदा। इस मुकाबले में स्नेहा सी (15', 17', 50') ने टूर्नामेंट की पहली हैट्रिक लगाई और टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। कप्तान के.के. कृतिक (42', 55') ने दो गोल किए, जबकि उषा विनायकुमार (22') और जोसेफिन लोरे सिक्वेरा (50') ने भी एक-एक गोल दागा। महाराष्ट्र को मिला वॉकओवर दूसरे महिला मुकाबले में हॉकी महाराष्ट्र को हॉकी हिमाचल के खिलाफ आधिकारिक वॉकओवर मिला, जिसके तहत उन्हें 5-0 से विजेता घोषित किया गया। पंजाब ने रोमांचक मुकाबले में ले पुडुचेरी को हराया पुरुष वर्ग में हॉकी पंजाब और ले पुडुचेरी हॉकी के बीच खेले गए रोमांचक मुकाबले में पंजाब ने 3-2 से जीत दर्ज की। पंजाब की ओर से पवनींदर सिंह (15'), धर्मपाल सिंह (36') और कप्तान रिपुदमन कुमार (42') ने गोल किए। वहीं पुडुचेरी की ओर से दिल्हिगणेश (21') और एन. कमलाकन्नन (47') ने वापसी की कोशिश की, लेकिन टीम हार टाल नहीं सकी। तमिलनाडु ने केरल को 8-0 से रौंदा दिन के अंतिम मुकाबले में हॉकी यूनिट ऑफ तमिलनाडु ने केरल हॉकी को 8-0 से करारी शिकस्त दी।

करुण नायर की टेस्ट टीम में वापसी पर बोले केएल राहुल- उसकी वापसी वाकई काबिल-ए-तारीफ है

नई दिल्ली

भारत और इंग्लैंड के बीच बहुप्रतीक्षित पांच मैचों की टेस्ट सीरीज शुक्रवार से शुरू होने जा रही है। इस सीरीज में इंडियन प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से खेलने वाले बल्लेबाज केएल राहुल और करुण नायर एक बार फिर भारत की टेस्ट जर्सी में नजर आएंगे। उनके साथ स्पिनर कुलदीप यादव भी इस विदेशी दौरे पर टीम का हिस्सा होंगे। आईपीएल 2025 में शानदार प्रदर्शन करने वाले केएल राहुल ने अपने पुराने साथी करुण नायर की टीम में वापसी को लेकर खुशी जताई है। करुण नायर पूरे आठ साल बाद भारतीय टेस्ट टीम में लौटे हैं और राहुल ने उनके संघर्ष व मेहनत की सराहना की। उन्होंने एक बयान में कहा, हमने 11 साल की उम्र में साथ क्रिकेट खेलना शुरू किया था और तब से यह सफर साथ चला है। दोनों के करियर में उतार-चढ़ाव आए। करुण को मौका मिला, उन्होंने तिहरा शतक जड़ा, लेकिन इसके बाद उन्हें कई वजहों से मुश्किलों का सामना करना पड़ा। पर जो बात सबसे ज्यादा प्रेरणादायक रही, वो यह है कि पिछले 2-3 सालों में उन्होंने जिस तरह से प्रदर्शन किया है, वह काबिल-ए-तारीफ है। राहुल ने आगे कहा, उन्हें वापस बुनियादी चीज़ों पर लौटते देखना अच्छा लगा। हमने इंग्लैंड में उनके काउंटी क्रिकेट खेलने और वहां के अनुभवों पर बात की है वो चुनौतियां, वो संघर्ष। इन सबके बावजूद भारतीय टीम में वापसी की चाह बनाए रखना, अपने आप में सराहनीय है। मुझे उम्मीद है कि हम दोनों लंबे समय तक भारत के लिए खेल पाएंगे। अपनी तैयारी को लेकर भी बोले राहुल अपनी व्यक्तिगत तैयारी को लेकर केएल राहुल ने बताया, आईपीएल खत्म होते ही मैंने इंग्लैंड सीरीज की तैयारी शुरू कर दी थी। मैंने अपने कोच से भी बात की ताकि इस चुनौती के लिए खुद को तैयार कर सकूं। इंग्लैंड जाना हमेशा एक बड़ी चुनौती होती है, खासकर जब वे अपने घर में खेलते हैं। हमारी टीम काफी युवा है, ऐसे में यह सीरीज हम सबके लिए परीक्षा की तरह होगी। कोहली और रोहित की कमी महसूस करेंगे खिलाड़ी विराट कोहली और रोहित शर्मा पहले ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर चुके हैं।

तमिलनाडु करेगा एफआईएच पुरुष जूनियर विश्व कप की मेजबानी, हॉकी इंडिया से समझौता

चेन्नई

हॉकी इंडिया और तमिलनाडु सरकार ने गुरुवार को एफआईएच हॉकी मेन्स जूनियर वर्ल्ड कप तमिलनाडु 2025 की मेज़बानी के लिए एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। चेन्नई के ताज कोरमंडल होटल में आयोजित इस समारोह के दौरान टूर्नामेंट का आधिकारिक लोगो भी लॉन्च किया गया, जिससे विश्व स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता की उलटी गिनती औपचारिक रूप से शुरू हो गई है।

यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा और पहली बार इसे तमिलनाडु के दो प्रमुख शहरों चेन्नई और मदुरै में संयुक्त रूप से आयोजित किया जाएगा। इस बार यह आयोजन और भी खास होगा, क्योंकि पहली बार 24 टीमें इसमें हिस्सा लेंगी, जिससे यह अब तक का सबसे समावेशी और प्रतिस्पर्धी जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप बन जाएगा।

डिप्टी सीएम उदयनिधि स्टालिन बोले - यह पूरे देश के लिए गर्व की बात

इस मौके पर डिप्टी सीएम उदयनिधि स्टालिन ने कहा, तमिलनाडु को एफआईएच हॉकी मेन्स जूनियर वर्ल्ड कप की मेज़बानी सौंपा जाना हमारे लिए बेहद गर्व की बात है। यह केवल राज्य नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए गौरव का क्षण है। हम टूर्नामेंट को अंतरराष्ट्रीय स्तर की उत्कृष्टता के साथ आयोजित करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने आगे कहा, चेन्नई और मदुरै जैसे शहर

पारंपरिक विरासत और आधुनिक विकास का बेहतरीन मिश्रण हैं। हमें पूरा भरोसा है कि ये दोनों शहर दुनिया भर से आने वाले खिलाड़ियों, अधिकारियों और प्रशंसकों को बेहतरीन अनुभव देंगे। यह आयोजन युवाओं के बीच खेलों के प्रति नया जोश और जुनून भरने का काम करेगा। पहली बार 24 देशों की भागीदारी हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने कहा, जूनियर वर्ल्ड कप युवा प्रतिभाओं के लिए सबसे अहम मंच होता है, जहां से भविष्य के सितारे निकलते हैं। इस बार 24 टीमों की भागीदारी इसे ऐतिहासिक बना देगी।

तमिलनाडु सरकार के साथ हमारा यह सहयोग बेहद उत्साहजनक है। मुझे पूरा विश्वास है कि चेन्नई और मदुरै टूर्नामेंट की मेज़बानी में शानदार भूमिका निभाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि भारत ने इससे पहले यह टूर्नामेंट भुवनेश्वर, लखनऊ और नई दिल्ली में सफलतापूर्वक आयोजित किया है, और अब 2025 संस्करण को सबसे यादगार बनाने का लक्ष्य है। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, भारत के लिए यह चौथी बार है जब हम एफआईएच जूनियर वर्ल्ड कप की मेज़बानी कर रहे हैं, और यह हमारे देश की खेल आयोजन क्षमता पर बढ़ते भरोसे का प्रतीक है। इस टूर्नामेंट में युवाओं की ऊर्जा और हॉकी की वैश्विक भावना का उत्सव मनाया जाएगा। उन्होंने आगे कहा, आज हस्ताक्षरित यह एमओयू केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करने के लिए एक साझा प्रतिबद्धता है। तमिलनाडु सरकार के सक्रिय सहयोग के लिए हम दिल से आभार प्रकट करते हैं। समारोह में तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री थिरु उदयनिधि स्टालिन, अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. अतुल्य मिश्रा (आईएएस), एसडीएटी के सदस्य सचिव मेघनाथ रेड्डी (आईएएस), हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह, कोषाध्यक्ष शेखर जे. मनोहरन और महानिदेशक कमांडर आर.के. श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

मोलर गर्भधारण बन सकता है समस्या का कारण

मोलर गर्भधारण, गर्भावस्था की एक दुर्लभ समस्या को कहा जाता है। यह समस्या गर्भाधान के दौरान निषेचन में किसी प्रकार की गलती या कमी रह जाने के कारण उत्पन्न होती है, जिस कारण से नाल का निर्माण करने वाली कोशिकाओं में खराबी आ जाती है।

मोलर गर्भधारण मोलर गर्भाधान को कभी-कभी हाइडेटिडिफॉर्म मोल भी कहा जाता है। जो कि गेस्टेशनल ट्रोफोब्लास्टिक ट्यूमर्स नाम की कई स्थितियों के समूह का एक हिस्सा होता है। सामान्यतः ये हानिकारक नहीं होते हैं। यह गर्भाशय से आगे तक भी फैल सकते हैं। हांलाकि इनका अपचार किया जा सकता है। भ्रूण के विकास में आने वाली समस्या गर्भधारण की दर को कम करने वाली विकृति में मोलर गर्भधारण भी एक है। यह समस्या आमतौर पर गर्भाधान के दौरान निषेचन में किसी प्रकार की त्रुटि होने पर उत्पन्न होती है। मोलर गर्भाधान हाइडेटिडिफॉर्म मोल के नाम से भी जाना जाता है। सामान्य गर्भावस्था में निषेचित अंडे में पिता और मां दोनों के 23-23 क्रोमोजोम मौजूद होते हैं। लेकिन, एक संपूर्ण मोलर गर्भाधान में निषेचित अंडे में माता का कोई क्रोमोजोम नहीं होता, किंतु पिता के शुक्राणुओं की संख्या दोगुनी हो जाती है। जिस कारण से पिता के क्रोमोजोम की संख्या भी दुगुनी हो जाती है। ऐसा होने पर निषेचित हुए अंडे में माता का एक भी क्रोमोजोम नहीं होता पर पिता के क्रोमोजोम के 2 सेट आ जाते हैं।

जानें कुछ और ऐसी ही महत्वपूर्ण बातें

- मोलर गर्भधारण की स्थिति में महिला का कोई क्रोमोसोम निषेचित अंडे में मौजूद नहीं होता और पुरूष के शुक्राणुओं की संख्या अधिक होने से क्रामोजोम की संख्या दुगुनी हो जाती है।
- मोलर गर्भधारण होने पर त्रुटिपूर्ण ऊतकों का गुच्छा बनने लगता है जो कि अल्ट्रासाउंड में आसानी से दिखाई देता है।
- बी रक्त वाली महिलाओं में मोलर गर्भधारण की आशंका ज्यादा होती है।
- मोलर गर्भधारण में शुरूआती अवस्था सामान्य गर्भधारण के लक्षणों जैसी ही होती है लेकिन कुछ समय के अंतराल के बाद रक्तस्राव होने लगता है।
- गर्भावस्था में रक्तस्राव हमेशा किसी गंभीर रोग का लक्षण नहीं होता, पर यह मोलर गर्भधारण का लक्षण हो सकता है।
- मोलर गर्भधारण के बारे में आप अल्ट्रासाउंड स्कैन के माध्यम से पता कर सकते है।
- मोलर गर्भधारण का पता रक्तजांच के माध्यम से एचसीजी स्तर पता करके भी लगा सकते हैं। ऐसे में एचसीजी स्तर अधिक तेजी से बढ़ने लगता है।
- मोलर गर्भधारण के दौरान 6 से 16वें हफ्ते के बीच रक्त स्राव शुरू हो जाता है और उल्टियां आने लगती हैं, उदर में सूजन आना इत्यादि लक्षण भी दिखाई देने लगते हैं।
- मोलर गर्भधारण का पता चलने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।
- मोलर गर्भधारण में त्रुटिपूर्ण ऊतकों को हटाया जाता है जिसके लिए डी एंड सी (डायलेशन एंड क्युरेटेज) शल्य-चिकित्सा की जाती है या फिर दवाईयों के जरिए भी इसे दूर किया जा सकता है।
- इलाज के बाद दोबारा मोलर गर्भधारण न हो, इसके लिए लगभग 6 महीने तक निगरानी रखना आवश्यक है।
- मोलर गर्भधारण के इलाज के दौरान दोबारा गर्भधारण के लिए कुछ समय का अंतराल जरूरी है। जैसे 6 महीने तक लगातार जांच उसके बाद डॉक्टर की सलाह पर ही पुनः गर्भधारण की सोचें।

कैसी हो पानी की बोतल...

अक्सर लोग बोतल से पानी पी लेते हैं तो कुछ लोग प्लास्टिक के गिलास में पानी पीते हैं। बोतल और गिलास में बहुत वैराइटी आती है। आज हम आपको बताएंगे कि कौन सी बोतल पानी पीने के लिए हेल्दी हैं। बीपीए यानी बिसफेनोल ए एक खतरनाक रसायन है जो कि पानी के साथ मिलकर काफी नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए जब भी आप प्लास्टिक की बोतल खरीदें तो इस बात का ध्यान रखें की आपकी बोतल बीपीए मुक्त हो। कांच की बोतल को नैचुरल चीजों जैसे लाइम और रेत से बनाया जाता है। इसलिए कांच की बोतल का इस्तेमाल ज्यादा बेहतर विकल्प हो सकता है। कांच की बोतल में पानी कितने ही दिन तक रखें लेकिन पानी का स्वाद नहीं बदलता जबकि प्लास्टिक की बोतल में पानी का स्वाद बदल जाता है। सूरज की किरणों से प्लास्टिक की बोतल में मौजूद रसायन काफी जल्दी पानी में मिल जाता है। ऐसे में प्लास्टिक की बोतल में पानी है तो उसे धूप से बचाएं। प्लास्टिक की बोतल को यदि ठीक से साफ ना किया जाए तो उसमें जीवाणु पैदा हो जाते हैं। वैसे भी प्लास्टिक से ज्यादा कांच की बोतल साफ करना ज्यादा आसान होता है। छोटे बच्चों को भी कांच की बोतल से ही दूध पिलाना बेहतर होता है। यूं तो कांच की बोतल टूटने का डर बरकरार रहता है। ऐसे में आप ऐसी कांच की बोतल लें जिस पर सिलिकॉन की एक परत चढ़ी हो जो कांच को जल्दी टूटने से बचाती हैं। प्लास्टिक की बोतल को साफ करने के लिए कड़े क्लीनर्स का इस्तेमाल न करें। खासतौर पर उन बोतलों को जिनमें पॉलीकार्बोनेट हो क्योंकि इससे पॉलीकार्बोनेट जल्दी टूटता हैं। गर्म पानी या तरल पदार्थों को प्लास्टिक की बोतलों में न रखें क्योंकि प्लास्टिक की बोतल में मौजूद रसायन इनमें मिक्स हो जाता है जिससे तरल पदार्थ खराब होने की आशंका रहती है। हर तरह की प्लास्टिक की बोतल को दोबारा इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। जैसे कोल्ड ड्रिंक्स की बोतल, मिनरल पानी की बोतल। यदि आप गौर करेंगे तो इन बोतलों के नीरे सिरे पर एक त्रिकोण बना होता है जिस पर 1 लिखा होता है। इसका मतलब है कि इस बोतल का इस्तेमाल सिर्फ एक बार हो सकता है। इन बोतलों का दोबारा इस्तेमाल करने से आप बीमारियों को बुलावा दे रहे हैं।

एक वक्त था जब लड़कियों की दुनिया शादी और शौहर के साथ जिंदगी बिताने के ख्वाबों में जाकर खत्म हो जाया करती थी। लेकिन यह वक्त दूसरा है और लड़कियों के ख्वाब दूसरे। इन दिनों दुनिया में अविवाहित महिलाओं की तादाद तेजी से बढ़ी है। यह ट्रेंड एशिया के देशों सहित तमाम मुल्कों में देखने को मिल रहा है। अविवाहित महिलाओं ने घर और रिश्तों की परिभाषा को ही बदल दिया है।

घर और रिश्तों की परिभाषा बदली...

ताइवान की नई नेता त्साई इंग-वेन पर चीन की सरकारी मीडिया में लिखे गए एक लेख पर बवाल मच गया है। लेख में कहा गया है कि शादीशुदा न होने के कारण त्साई इंग-वेन की काम करने की शैली उग्र है। इसके बाद सोशल मीडिया पर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। लेख में कहा गया है कि वेन पर परिवार का भावनात्मक बोझ नहीं है इसलिए उनके काम करने की आक्रामक शैली है। कई महिलाएं त्साई की दृढ़ता और जोश की वजह से उनकी प्रशंसक हैं, खास कर इस तथ्य को लेकर भी कि वो बहुत मजबूत और आजाद महिला हैं और उन्हें किसी ऐसे पुरुष की जरूरत नहीं जो उनपर शासन करे। वास्तव में एशिया में महिलाओं का शादी से भागने का एक कारण यह भी है कि यहां एक शादीशुदा कामकाजी महिला के लिए ज्यादा मुश्किलें होती हैं। महिलाओं की प्राथमिकता अपने पति, उसके बुजुर्ग माता-पिता और बच्चों का ध्यान रखना होती है। काम के साथ-साथ उनसे यह भी उम्मीद की जाती है कि वे अपने इस रोल को भी कामयाबी के साथ निभाएं। वैसे तो यह दुनिया की हर महिला की परेशानी है, लेकिन एशियन महिलाओं पर यह बोझ ज्यादा लाद दिया जाता है।

आजादी का सेलिब्रेशन

अविवाहित महिलाओं ने घर और रिश्तों की परिभाषा को ही बदल दिया है। पैसिफिक माइक्रोमार्केटिंग नामक अनुसंधान संस्था के अनुसार ज्यादा से ज्यादा महिलाएं जीवन भर अविवाहित रहने का फैसला कर रही हैं। ऐसे में बाजार और सरकार दोनों को यह स्वीकार करना होगा कि घर का मतलब अब पति-पत्नी और बच्चे नहीं रह गया है। शादी न करने का एक कारण यह भी है कि एशियन महिलाएं अपनी आजादी को इंजॉय करने लगी हैं। वे अपनी आजादी को सेलिब्रेट करने लगी हैं, पर इससे कई सामाजिक समस्याएं भी पैदा होने लगी हैं। अगर पश्चिमी देशों से तुलना की जाए तो एशिया के देश अपनी पेंशन और सोशल प्रोटेक्शन में बहुत कम इन्वेस्ट करते हैं। वे यह कल्पना कर लेते हैं कि बुढ़ापे या बीमार पड़ने पर उनका परिवार उनकी देखभाल कर लेगा। अब इस बात को इतनी आसानी से नहीं लिया जा सकता है। शादियों की संख्या में कमी आने से बर्थ रेट में भी गिरावट आई है। ईस्ट एशिया में 1960 के दौरान प्रत्येक महिला के 5.3 बच्चे होते थे जो कि अब 1.6 रेश्यो है। जिन देशों में शादियों की संख्या में गिरावट हो रही है, वहां फर्टिलिटी रेट 1.0 है। शादी करने से कोई भी व्यक्ति ज्यादा सोशल बनता है, लेकिन शादियों में कमी आने से सामाजिक व्यवहार में भी बदलाव आता है। शादियों में कमी से क्राइम रेट में इजाफा होता है। शादी होने से व्यक्ति फैमिली के साथ जुड़ा रहता है।

क्या बदलाव की गुंजाइश है ?

एशियाई देशों की सरकारों को अब इस भूल में नहीं जीना चाहिए कि उनके यहां फैमिली लाइफ पश्चिमी देशों से बेहतर है क्योंकि उनका यह भ्रम कभी भी टूट सकता है। दरअसल एशियाई देशों में जिस तरह से तेजी से सामाजिक बदलाव हो रहे हैं उससे इन देशों को अब संभलने की जरूरत है और इन बदलावों से कैसे निपटा जाए, सोचने की जरूरत है। क्या एशिया में शादियां दोबारा प्रचलन में आ सकती हैं? कुछ रास्ते हैं, जिनसे ऐसा हो सकता है। इसके लिए सरकार को भी कानून बनाने पड़ेंगे। महिलाएं शादी में तभी बंधना चाहेंगी जब उन्हें पता होगा कि अगर शादी काम नहीं करती तो वह इससे कभी भी आजादी पा सकती हैं। परिवार कानून के अंतर्गत तलाक लेने वाली महिला को संपत्ति का अच्छा खासा शेयर मिले। एशियाई देशों की सरकारों को ऐसे कानून बनाने चाहिए, जिसमें वे अपने कर्मचारियों को मेटरनल के साथ-साथ पेटरनल लीव भी दें। यानी बच्चे के पैदा होने के बाद मां के साथ-साथ पिता को भी छुट्टियां मिलें, जिससे पति-पत्नी दोनों मिलकर बच्चे की देखभाल कर सकें। इन कोशिशों से फैमिली लाइफ को प्रमोट करने में काफी मदद मिलेगी और महिलाओं के ऊपर से अतिरिक्त बोझ भी थोड़ा कम होगा।

महंगाई भी बनी वजह

अविवाहित महिलाओं की बढ़ती संख्या के पीछे लगातार बढ़ती महंगाई, नौकरी की अस्थिरता और आज की चमक-धमक वाली लाइफ स्टाइल भी है, जिसे शादी करके और परिवार बढ़ाकर मेंटेन करना बहुत मुश्किल है। यह आर्थिक जिम्मेदारी को बढ़ाने वाला काम है। अर्थशास्त्री कहते हैं कि कई युवक और युवतियां मकानों की बढ़ती कीमतों, घरों के बढ़ते किराए और महंगाई के चलते शादी की जिम्मेदारी उठाने से बचते हैं। वे अकेले रहकर ज्यादा पैसा जोड़ना चाहते हैं और इस तरह शादी की उम्र बीतती रहती है।

सामाजिक कारण भी

सामाजिक कार्यकर्ता मानते हैं कि महिलाओं के शादी देर से करने के पीछे मुख्य वजहों में से एक सामाजिक स्थितियां भी हैं। उनके मुताबिक शादी की महंगी आलीशान पार्टियां, शादी के बाद बढ़ने वाला खर्च और करियर को बिना किसी रोक-टोक को आगे ले जाने की इच्छा ने लड़कियों में शादी के प्रति गंभीरता को खत्म कर दिया है। मनोवैज्ञानिक महिलाओं के भीतर शादी के प्रति इस नीरसता के पीछे कई मनोवैज्ञानिक कारणों को गिनाते हैं। वे कहते हैं कि आज के हाईटेक होते समाज में इस तरह की मानसिकता स्त्री और पुरुषों दोनों में ही सामान्य है।

भारत में भी सिंगल पेरेंट

इक्कीसवीं सदी में शब्दकोश में सिंगल पेरेंट के नाम से एक नया शब्द जुड़ गया है। भारत में भी सिंगल पेरेंट का रिवाज बड़ी तेजी से बढ़ रहा है। पहले बीमारी, युद्ध, मृत्यु के कारण सिंगल पेरेंट होना विवशता थी। तब विधवा या विधुर बच्चों का पालन करते थे। बच्चे वाली विधवा या बच्चे वाले विधुर को सिंगल पेरेंट के नाम से नहीं पुकारा जाता था। पहले कुंआरी मां की कल्पना भी नहीं की जाती थी, सभ्य समाज में कुंआरी मां बहुत घृणात्मक शब्द गिना जाता था, परंतु अब यह एक सामान्य शब्द है। अब इसे पसंद किया जाने लगा है। केवल इतना ही नहीं, अब तो यह रिवाज और स्टेटस सिंबल बन गया है। वैसे तो उस समय कोई कुंआरी मां नहीं थी, यदि होती भी तो ऐसी महिला को कोई किराए पर भी मकान नहीं देता था। यही स्थिति कुंआरे पुरुष की भी थी, परंतु अब समय बदल गया है। उस समय केवल विवाहित दंपती को ही बच्चे पैदा करने का अधिकार था। पति-पत्नी दोनों मिल कर बच्चों का पालनपोषण करते थे। पहले जब 2 विवाहित महिलाएं मिलती थीं, एक महिला अपने लड़के की ओर संकेत करती हुई कहती थी, इस के पिता बाहर गए हुए हैं, कहना नहीं मानता तथा बहुत परेशान करता है। कहने का तात्पर्य है कि माता-पिता दोनों मिल कर ही बच्चों का पालनपोषण करने में समर्थ थे, अकेले नहीं। यद्यपि माता की गरिमा पृथ्वी से भी भारी है तो पिता का सम्मान आकाश से भी उच्चतर है। इस के विपरीत अब सिंगल मदर सहर्ष फुलटाइम काम भी करती है तथा बच्चों को पालती भी है।

भारत की स्थिति

जनगणना के आंकड़ों के अनुसार, भारत में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या में 39 फीसदी की वृद्धी हुई है। वर्ष 2001 में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या 51.2 मिलियन पाई गई थी जबकि 2011 के आंकड़ों के अनुसार यह आंकड़े बढ़ कर 71.4 मिलियन हुए हैं। अकेली रहने वाली महिलाओं में विधवाएं, तलाकशुदा महिलाएं, अविवाहित एवं पति से अलग रहने वाली महिलाएं शामिल हैं। एकल महिलाओं की संख्या में वृद्धि की कारण पति की मृत्यु होना, पति से अलग होना एवं तलाक लेना है। 20 से 24 की आयु वर्ग की महिलाओं (16.9 मिलियन) में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या 23 फीसदी है। यह आंकड़े संकेत है कि देश में लड़कियों की विवाह की उम्र और उपर हुई है। जनगणना के आंकड़ों के अनुसार 1990 में जहां लड़कियों की शादी की आयु 19.3 वर्ष थी वहीं 2011 में यह बढ़ कर 21.2 वर्ष हुई है। 20 से 24 वर्ष के आयु वर्ग के बाद सबसे अधिक अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या 60 से 64 के आयु वर्ग में है। 2011 के आंकड़ों के मुताबिक इस वर्ग में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या सात मिलियन है। 2001 से 2011 के बीच 25 से 29 वर्ष के आयु वर्ग में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या में सबसे अधिक वृद्धि (68 फीसदी) देखी गई है, वहीं 20 से 24 आयु वर्ग में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या 60 फीसदी दर्ज की गई है। यह आंकड़े निश्चित तौर पर विवाह व्यवस्था में विकार का संकेत देती है। ग्रामीण इलाकों में विधवाओं की संख्या, 29.2 मिलियन, सबसे अधिक दर्ज की गई है। वहीं अविवाहित महिलाओं की संख्या 13.2 मिलियन पाई गई है। शहरी इलाकों में भी स्थिति कुछ ऐसी ही है। यहां भी विधवा महिलाओं की संख्या सबसे अधिक, 13.6 मिलियन है जबकि अविवाहित महिलाओं की संख्या 12.3 मिलियन दर्ज की गई है। देश के ग्रामीण इलाकों में करीब 44.4 अकेले रहने वाली महिलाएं रहती हैं यानी देश की 62 फीसदी अकेले रहने वाली महिलाएं ग्रामीण क्षेत्र से हैं। हालांकि शहरी इलाकों के मुकाबले ग्रामीण क्षेत्रों में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या अधिक है, शहरों में अकली रहने वाली महिलाओं की संख्या में 58 फीसदी वृद्धि दर्ज की गई है। आंकड़ों के मुताबिक 2001 में शहरी इलाकों में ऐसी महिलाओं की संख्या 17.1 मिलियन थी जबकि 2011 में यह बढ़ कर 27 मिलियन हुए हैं।

चीन की स्थिति

चीन के शहरों में अविवाहित महिलाओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है। चीन में तेज आर्थिक प्रगति के बीच महिलाओं का वित्तीय विकास तेजी से हो रहा है। इस बीच ऐसी महिलाओं की संख्या भी बढ़ रही है जो शादी करने की बजाए अकेले जिंदगी गुजारना पंसद करती हैं। आर्थिक तरक्की के बीच महिलाओं को स्वतंत्र होकर रहने के बढ़ते चलन के बीच यहां के पारंपरिक समाज में उन्हें दोयम दर्जे का नागरिक माना जाता है। जनगणना के मुताबिक शंघाई में पांच लाख से अधिक अविवाहित महिलाएं हैं, जिनकी उम्र 20 से 50 साल के बीच है। एक शोधकर्ता का कहना है, चीन के समाज में अब भी अविवाहित महिलाओं को 'एलियन' माना जाता है। यहां का मीडिया भी 30 पार कर चुकी अवविवाहित महिलाओं को अकेला करार देता है। युवा अविवाहित महिलाएं अब समाज में प्रचलित अपमानजनक लेबल शेंग नू या लेफ्टओवर वुमन को सख्ती से नकार रही हैं। वे साफ कर रही हैं कि अविवाहित महिलाएं कैसे अपनी सफलता और आत्मनिर्भरता का आनंद ले रही हैं। अपनी पहचान को केवल शादी से जुड़ा न मानते हुए वे पूरे समाज को इसे नए नजरिए से दिखा रही हैं। सफल अविवाहित लड़कियों पर एक खास उम्र तक शादी कर लेने का दबाव उन्हें पावर वुमन मानने के बजाए लेफ्टओवर वुमन की संज्ञा देने से नहीं चूकता। चीन के कई शहरों में लगने वाले शादी के बाजार भी अपने आप में अनोखे होते हैं। यहां शादी के लायक लड़के-लड़की के माता-पिता उनके इश्तेहार लगाते हैं।

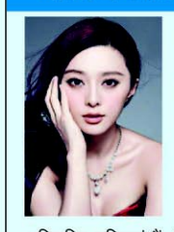

जापान की स्थिति

जापानी महिलाएं जो कि ऑफिस में एक हफ्ते में 40 घंटे काम करती हैं, वहीं उन्हें 30 घंटे घर का काम भी करना पड़ता है। उनके पति घर का काम सिर्फ 3 घंटे करते हैं। ऑफिस और घर संभालने के साथ-साथ बच्चों को देखना उनके लिए बेहद मुश्किल हो जाता है। इस साल एक सर्वे के अनुसार जापानी पुरुषों की अपेक्षा बहुत कम जापानी महिलाएं शादी को लेकर पोजिटिव महसूस करती हैं। बाहर के वर्क कल्चर ने शादी को लेकर महिलाओं को अकेले रहने का एक विकल्प दे दिया है। ज्यादातर महिलाएं फाइनैंशली इंडिपेंडेंट हैं और इस वजह से वे आसानी से अकेले जिंदगी गुजार सकती हैं। महिलाओं में बढ़ते एजुकेशन के ग्राफ ने भी शादियों की संख्या घटाई है। आज कई एशियन महिलाएं बेहद पढ़ी लिखी हैं और वे शादी को लेकर ज्यादा उत्सुक नहीं होती हैं।

सऊदी अरब का हाल

चौंकाने वाली बात यह है कि अविवाहित महिलाओं की संख्या के मामले में सऊदी अरब दूसरे पायदान पर है। एक तरह से सऊदी अरब दुनिया में अविवाहित महिलाओं और पुरुषों का गढ़ बनता जा रहा है। सऊदी समाज में हो रहे इस बदलाव को समाजशास्त्री और मनोवैज्ञानिक दोनों ही अलग-अलग निगाह से देखते हैं। सऊदी सरकार के विवाहित महिलाओं और पुरुषों की संख्या को लेकर जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार 1995 के बाद से देश में अविवाहित महिलाओं की संख्या में तकरीबन 15 फीसदी का इजाफा हुआ है। ये पिछले दो दशकों में सर्वाधिक है। विशेषज्ञों की मानें तो अविवाहित महिलाओं की संख्या में बढ़ोतरी के मामले में अन्य देशों की तुलना में सऊदी अरब दूसरे नंबर पर है। उनके मुताबिक अकेले रहने वाली स्त्रियों की संख्या में अब तक की यह सबसे बड़ी बढोतरी है। सऊदी समाज में लगातार बढ़ती अविवाहित महिलाओं की संख्या के पीछे समाजशास्त्रियों की अपनी-अपनी राय है। विशेषज्ञ मानते हैं कि लड़कियां शादी का फैसला मानसिक और शारीरिक परिपक्वता के आधार पर करने लगी हैं, जब तक वे खुद को शादी के लिए इस स्तर पर तैयार नहीं पातीं तब तक वे शादी जैसे बंधन में बंधने से हिचकने लगी हैं।

अब बन गई सेकेंड स्किन...

वैज्ञानिकों ने एक ऐसी कृत्रिम त्वचा विकसित की है, जिसे आप किसी टाइट कपड़े की तरह शरीर पर पहन सकते हैं। मजे की बात यह कि कोई इसे देख नहीं पाएगा यानी यह कृत्रिम त्वचा तकरीबन अदृश्य होगी। शोधकर्ताओं ने इसे 'सेकेंड स्किन' नाम दिया है, क्योंकि इसे मूल त्वचा के ऊपर धारण किया जाएगा। इससे आपकी झुर्रियां नहीं दिखेंगी और आप अपनी वास्तविक उम्र से काफी जवां दिखेंगे। इसलिए इसे लेकर दुनियाभर में व्यापक जिज्ञासा है।

उम्र बढ़ने के साथ इंसान की त्वचा ढीली पड़ने लगती है और उसके अनेक हिस्सों में झुर्रियां पड़ने लगती हैं। ऐसा किसी बीमारी के कारण नहीं होता, बल्कि उम्र बढ़ने के साथ यह एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। लेकिन, ज्यादातर लोग, खासकर महिलाएं, त्वचा की कसावट को बरकरार रखना चाहती हैं, ताकि ढलती उम्र में भी वे युवा दिख सकें।

इसके लिए महिलाएं अनेक प्रकार की कॉसमेटिक्स का इस्तेमाल करती हैं। साधन संपन्न परिवारों की महिलाएं इसके लिए नवीनतम तकनीक आधारित स्किन ट्रीटमेंट भी करवाती हैं।

अब इनके नए विकल्प के तौर पर वैज्ञानिकों ने 'सेकेंड स्किन' का विकास किया है, जिसे शरीर पर धारण किया जा सकेगा।

क्रॉसलिंक्ड पॉलिमर लेयर

वैज्ञानिकों ने एक्सपीएल यानी क्रॉसलिंक्ड पॉलिमर लेयर के रूप में इलास्टिक की तरह पहना जानेवाला एक नया प्रोडक्ट तैयार किया है, जिसमें प्राकृतिक त्वचा की तरह अनेक गुण मौजूद हैं और यह बिल्कुल उसका डुप्लीकेट प्रतीत होता है। एक्सपीएल एक ट्यूनेबल पॉलिसाइलोक्सेन आधारित मैटेरियल है, जिसे खास इलास्टिसिटी और ऐसे अनेक गुणों के साथ इंजीनियर्ड किया जा सकता है। एक्सपीएल को बिना किसी हीट या लाइट मीडिएटेड एक्टिवेशन के प्रयुक्त किया जा सकता है। हाल ही में इनसानों पर इसका एक पायलट अध्ययन किया गया है। इस दौरान वैज्ञानिकों ने पाया कि त्वचा के खिंचाव की दशा में एक्सपीएल के टेन्सिल मॉड्यूल्स ने ठीक वैसी ही प्रतिक्रिया दी, जैसी सामान्य प्राकृतिक त्वचा देती है। वैज्ञानिकों ने इसे एक बड़ी उपलब्धि करार दिया है। इसके विकास से यह उम्मीद भी जगी है कि जल्द ही हम सनबर्न से सुरक्षा के लिए इस तकनीक का इस्तेमाल कर पाएंगे। इसके अलावा एक्जिमा जैसी त्वचा की बीमारियों का इलाज भी इससे मुमकिन होगा। हालांकि, सामान्य लोगों में इसके प्रति जो उत्साह पैदा हुआ है, वह कुछ अलग तरीके का देखने में आ रहा है। उन्हें यह एहसास काफी गुदगुदाता है कि वे सुबह में इस डुप्लीकेट त्वचा को पहन लेंगे और दिनभर पहनने के बाद रात में उसे निकाल देंगे।

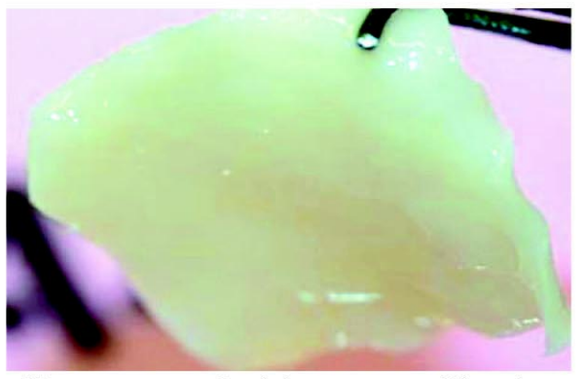

आंखों के नीचे पहला परीक्षण

शोधकर्ताओं ने इसका सबसे पहला परीक्षण इंसान की आंखों के हिस्से में किया है, जिससे बेहद आशाजनक नतीजे सामने आए हैं। शोधकर्ताओं को इससे एक नई उम्मीद जगी है कि वे शरीर के अन्य भागों में ढीली पड़ चुकी या झुर्रियोंवाली त्वचा को ठीक कर पाएंगे। इस शोध टीम में शामिल अमेरिका के मेसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के डेनियल एंडरसन का कहना है कि ओरिजनल स्किन पर पहनी जानेवाली यह अदृश्य परतवाली त्वचा मूल त्वचा को किसी प्रकार के बाहरी खराब असर से बचाती है, जिसके लिए आम तौर पर लोग दवाओं का इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई है कि भविष्य में यदि इसे किसी अन्य कम्पोनेंट के साथ मिला कर कोई नया उत्पाद बनाया जाएगा, तो वह इनसान की त्वचा को अल्ट्रावायलेट किरणों के दुष्प्रभाव से बचाने में सक्षम होगा। हालांकि, मौजूदा समय में त्वचा को अल्ट्रावायलेट किरणों के दुष्प्रभाव से बचाने के लिए ज्यादातर लोग सनस्क्रीन का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन लंबे समय तक इसका इस्तेमाल सही नहीं माना जाता और अनेक लोगों में उसका साइड इफेक्ट देखा गया है।

सुरक्षित रसायनों का इस्तेमाल

त्वचा रूपी इस 'सेकेंड स्किन' को बनाने में इस्तेमाल किए गए तत्व और रायायनिक पदार्थों को अमेरिका की संबंधित एजेंसी 'फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन' ने सुरक्षित बताया है। इसमें इस्तेमाल किए गए केमिकल्स साइलोक्सेंस हैं, जिसमें ऑक्सीजन का एक अणु और सिलिकॉन के दो अणु होते हैं। शोधकर्ताओं ने इनके आण्विक गुणों में सुधार करते हुए इनका एक बड़ा समूह तैयार किया और इन्हीं गुणों के आधार पर इस उत्पाद को विकसित करने में कामयाब हुए। उन्होंने इसे दो प्रक्रियाओं में विभाजित किया। पहला, पॉलिमर को अप्लाई किया, जो पूरी तरह से द्रव है। हालांकि, सीरीज में यह ज्यादा मजबूत नहीं होते, लेकिन अगले चरण में इसे दूसरे प्रोडक्ट के साथ जोड़ दिया जाता है। सीरीज की केमिस्ट्री में सुधार लाते हुए शोधकर्ता सेकेंड स्किन के गुणों में विविधता ला सकते हैं, जो इस बात पर निर्भर करेगा कि उसका कैसे इस्तेमाल किया जाना है। बायोटेक्नोलॉजी विधा से संबंधित कैंब्रिज की एक निजी कंपनी लिविंग प्रूफ ने अपनी प्रयोगशाला में इसे विकसित किया है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**